डॉलर की मजबूती से पस्त हुए चांदी सोना, 4 प्रतिशत तक गिरे दाम - 12

एलपीजी संकट के कारण केरल में 40 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद - 12

पूर्वोत्तर में स्थायी शांति ले आई भाजपा कांग्रेस ने स्वार्थी हितों को ऊपर रखा - 13

मसूरी में क्रिकेटर कुलदीप यादव की हल्दी की रस्म पूरी - 14

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.23
सूर्यास्त 06.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी उपरांत 08:11 एकादशी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 14 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 17, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अवैध खनन मामले में प्रभारी समेत पूरी इकबालपुर चौकी सस्पेंड

- अवैध खनन का ऑडियो सामने आने पर मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर कार्रवाई

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। अवैध खनन से संबंधित एक ऑडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर हरिद्वार जनपद की इकबालपुर पुलिस चौकी (चौकी प्रभारी सहित छह पुलिसकर्मियों) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

इकबालपुर क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े मामले में पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नवनीत सिंह ने तत्काल निर्णय लेते हुए एसआई नवीन सिंह चौहान (चौकी प्रभारी इकबालपुर), हेड कांस्टेबल विरेन्द्र शर्मा, हेड कांस्टेबल हरेन्द्र, सिपाही विपिन कुमार, देवेश सिंह तथा प्रदीप को सस्पेंड कर दिया। मामले की विस्तृत जांच एसपी देहात को सौंपी गई है। उधर, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य में अवैध खनन, भ्रष्टाचार या किसी भी प्रकार की अनियमितता को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर है, यदि वही अपने कर्तव्यों में लापरवाही या अनुचित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए तथा दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

उत्तराखंड के वित्तीय प्रबंधन की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना : धामी

- विस सत्र में बोले सीएम पुष्कर सिंह धामी- उत्तराखंड हर क्षेत्र में नंबर-1

प्रमुख संवाददाता, भराड़ीसैंण

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड को हाल के वर्षों में वित्तीय प्रबंधन, राजकोषीय अनुशासन तथा सुशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। सरकार द्वारा पारदर्शी वित्तीय नीतियों, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि के साथ किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

भराड़ीसैंण (गैरसैण) में विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री ने सदन को जानकारी दी कि हाल ही में नीति आयोग द्वारा प्रकाशित फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 (रिपोर्ट 2023-24) में उत्तराखंड के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई है। इस

रिपोर्ट में उत्तराखंड को उत्तर-पूर्वी एवं हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि राज्य की राजस्व वृद्धि, व्यय की गुणवत्ता में सुधार, घाटा प्रबंधन तथा ऋण प्रबंधन में अपनाई गई सुदृढ़ नीतियों का परिणाम है। सीएम ने कहा कि वित्तीय अनुशासन के क्षेत्र में उत्तराखंड ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है। अरुण जेटली फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिपोर्ट में भी उत्तराखंड को विशेष दर्जा प्राप्त हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मजबूत वित्तीय व्यवस्था और उत्तरदायी शासन प्रणाली को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि महालेखाकार से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड सरकार ने फिस्कल रिस्पांसिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट एक्ट (एफआरबीएम) में निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन किया है। राज्य ने राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) की स्थिति को बनाए रखा है तथा राजकोषीय घाटा भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद की निर्धारित सीमा के भीतर रखा गया है।

कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाते हुए विकास की गति को तेज करना है। इसके लिए सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, सामाजिक क्षेत्र तथा रोजगार सृजन से जुड़े क्षेत्रों में संतुलित निवेश कर रही है। सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए उत्तराखंड को आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अल्मोड़ा में खुलेगा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर

मुख्यमंत्री धामी के निर्देश के बाद राज्य का दूसरा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर अल्मोड़ा में खुलेगा। सदन में कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि वर्तमान में अभी देहरादून में ही एकमात्र सेंटर वर्ष 2023 से संचालित है। सरकार की योजना से अभी तक 92 युवाओं को विदेशों में नौकरी मिली है।

(विस्तृत पेज-2)

ब्रीफ न्यूज

इंडिगो 14 मार्च से घरेलू अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन शुल्क वसूलेगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण विमान ईंधन की कीमतों में आए तेज उछाल के बीच इंडिगो ने शुक्रवार को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ान टिकटों पर 14 मार्च से 425-2,300 रुपये तक ईंधन शुल्क वसूलने की घोषणा की। इंडिगो के इस कदम से हवाई किराये में बढ़ोतरी हो जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि घरेलू उड़ानों और भारतीय उपमहाद्वीप के भीतर ईंधन शुल्क 425 रुपये होगा, जबकि पश्चिम एशिया की तरफ जाने वाली उड़ानों के लिए यह शुल्क 900 रुपये होगा। दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन, अफ्रीका और प. एशिया की उड़ानों के लिए ईंधन शुल्क 1,800 होगा जबकि यूरोप की उड़ानों के लिए ईंधन शुल्क 2,300 रुपये होगा।

बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के बेटे से पूछताछ की

नई दिल्ली। सीबीआई ने शुक्रवार को 228 करोड़ रुपये के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से पूछताछ की। जय अनमोल अंबानी को शनिवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने बैंक धोखाधड़ी मामले में उनसे पूछताछ की, जिसमें उन पर रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ तथा पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र सुधाकर समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भारत को मिली बड़ी राहत, ईरान होर्मुज में जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने को तैयार

फंसे भारतीय ध्वज वाले 28 जहाजों में से एक रवाना, ओमान में दो भारतीयों की मौत

- विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष से बात की
- ईरान के हमले से अमेरिकी विमान क्रैश, छह सदस्यों की मौत

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि ईरान भारत को सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार है। भारत और ईरान के बीच दोस्ताना संबंध हैं। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान फतहाली ने कहा, आप जल्द ऐसा होते देखेंगे। इसी बीच होर्मुज में फंसे भारतीय ध्वज वाले 28 जहाजों में से एक जहाज सुरक्षित रूप से रवाना हो गया।

जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि ओमान से अफ्रीका के लिए गैसोलीन ले जा रहा भारतीय ध्वज वाला तेल टैंकर 'जग प्रकाश' होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व से रवाना हो गया है। वहीं, ओमान के सोहर प्रांत में ड्रोन गिरने से दो भारतीय कामगारों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षा बलों ने एक ड्रोन को मार गिराया था, जिसके बाद उसका मलबा गिरने से यह हादसा हुआ। शुक्रवार को ईरान की राजधानी तेहरान में एक चौक पर शुक्रवार को भीषण विस्फोट हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग फिलिस्तीनियों के समर्थन में तथा इजराइल के खात्मे के आह्वान पर सरकार द्वारा आयोजित वार्षिक कुद्स दिवस पर इकट्ठा हुए थे। इससे पहले इजराइल ने चेतावनी दी थी कि वह मध्य तेहरान के इस इलाके को निशाना बनाएगा।

वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार रात टेलीफोन पर अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। दोनों नेताओं के बीच यह चौथी बातचीत है, जो ऐसे समय हुई है जब भारत होर्मुज के दोनों ओर खड़े 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के प्रयासों को तेज कर रहा है। वहीं ईरान के हमले में अमेरिकी सेना का ईंधन भरने वाला विमान क्रैश हो गया। जिसमें सभी छह वायुसैनिकों की मौत हो गई है। सेना ने कहा कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। ईरान ने खाड़ी देशों पर शुक्रवार तड़के कई हमले किए, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे बड़े जवाबी हमले की चेतावनी दी।

तेहरान में हुए हमले के बाद मलबे में फंसे जीवित लोगों की तलाश करते बचावकर्मी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- मोजतबा खामेनेई घायल, उनका शरीर विकृत

दुबई। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई घायल हैं और संभवतः उनका शरीर विकृत हो गया है। हेगसेथ का यह बयान ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के उस बयान के एक दिन बाद शुक्रवार को आया, जिसमें उन्होंने एक लिखित बयान जारी करके युद्ध जारी रखने का संकल्प लिया था।

मोजतबा को नहीं बख्शेंगे : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के नव निर्वाचित सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, मैं किसी भी आतंकी संगठन के नेता को नहीं बख्शूंगा। ईरान में सत्ता को उखाड़ फेंकने के विषय पर इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान के लोगों के लिए ऐसी परिस्थितियां बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं जिससे कि वे अत्याचारी शासन को उखाड़ फेंक सकें।

अन्य देशों को रूसी तेल खरीद की छूट

वॉशिंगटन। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने अन्य देशों को इस समय समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद की अस्थायी अनुमति दिए जाने की घोषणा की है। ईरान के खिलाफ अमेरिका एवं इजराइल के युद्ध के जल्द समाप्त होने के तत्काल कोई संकेत नहीं मिलने के बीच यह घोषणा की गई है। अमेरिका ने इससे पहले भारत को इसी तरह की छूट दी थी ताकि वह रूसी तेल खरीद सके।

रसोई गैस पर हंगामा, कार्यवाही 3 बार स्थगित, सीईसी के खिलाफ नोटिस

- सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष से आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पक्षपात व भेदभाव करने सहित अन्य आरोपों को लेकर पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस संसद के दोनों सदनों में सौंप दिए। सूत्रों ने कहा, हस्ताक्षरकर्ताओं में इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्य शामिल हैं।

वहीं, रसोई गैस की किल्लत को लेकर हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को तीन बार स्थगित करनी पड़ी। ईरान युद्ध के कारण देश में रसोई गैस की हो रही किल्लत को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही पहली बार पूर्वाह्न 11 बजे स्थगित की गई। सदन के दोपहर 12 बजे समवेत होते ही विपक्षी सदस्य फिर हंगामा करने लगे जिस पर कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। अपराह्न दो बजे कार्यवाही फिर शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने इसी मुद्दे पर फिर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 की अतिरिक्त अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इसके बाद अतिरिक्त अनुदान मांगे पारित की गयीं और इससे जुड़ा विनियोग विधेयक 2026 भी पारित किया। इसके बाद भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा, जिस पर पीठासीन कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्रवाई के दौरान विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द किया जाए।

आर्थिक स्थिरीकरण कोष की मदद से वैश्विक चुनौतियों से निपटेगी सरकार : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबिलाइजेशन फंड) सरकारी योजनाओं को पटरी से उतारे बिना पश्चिम एशिया संकट जैसी स्थिति में देश को आर्थिक झटकों को सहन करने में मदद करेगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह कोष पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट जैसी आकस्मिक वैश्विक चुनौतियों से लगने वाले झटकों को झेलने के लिए एक 'बफर' के तौर पर काम करेगा। वित्त मंत्री ने देश में एलपीजी की कथित कमी को लेकर सदन में शोरगुल कर रहे विपक्षी सदस्यों पर प्रहार करते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब मैं अप्रत्याशित वैश्विक स्थिति, आपूर्ति श्रृंखला और एलपीजी (संकट) पर बात कर रही हूं तो वे जवाब सुनने को तैयार नहीं हैं। इसके बजाय वे अपना एजेंडा चला रहे हैं। विपक्ष आसन के करीब आकर हंगामा कर रहा है, यह देश का दुर्भाग्य है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी बोलेरो दो महिलाओं सहित तीन की गई जान

संवाददाता, बागेश्वर/कालाढूंगी

अमृत विचारः कपकोट के बावे बैंड मुनार के पास शुक्रवार देर शाम बोलेरो वाहन के अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने से वाहन में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए।

इस हादसे में कपकोट के खलझूनी गांव निवासी पानुली देवी (60) पत्नी स्व. प्रताप राम और सुपली देवी (68) पत्नी नरपत राम की मौत हो गई। दीपक राम, नीमा देवी, प्रेमा देवी, जसौदा देवी और कमल चौड़िया घायल हुए हैं। मौके पर पहुंचे एसडीएम अनिल चन्याल और पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान चलाया। घायलों को सीएचसी कपकोट से बागेश्वर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। वहीं, कालाढूंगी में कोटाबाग-बैलपड़ाव मोटर मार्ग पर चांदनी डिपो के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार हिमांशु टम्टा (30) पुत्र आनन्द प्रकाश निवासी सैमलचौड़ बैलपड़ाव की मौत हो गई। तीन भाईयों में सबसे छोटे हिमांशु की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

सरकार की एलपीजी जमाखोरों को चेतावनी, 60 लाख परिवारों से पीएनजी अपनाने का आग्रह

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि घरों के लिए एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और गैस सिलेंडर के लिए घबराहट में बुकिंग करने की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही सरकार ने पाइप से मिलने वाली रसोई गैस (पीएनजी) नेटवर्क के करीब रहने वाले लगभग 60 लाख परिवारों से इस सुविधा को अपनाने का अनुरोध किया है।

सरकार ने जमाखोरों व कालाबाजारी करने वालों को चेतावनी दी है कि अगर वे पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पैदा हुए संकट का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पांच मार्च से अब तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है।

- पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता ने कहा एलपीजी उत्पादन 30% बढ़ाया गया

अब वेतन पर आधारित होगा एच-1बी वीजा, सैलरी के आधार पर होगा चयन

- अमेरिका ने 1 अप्रैल से नया फार्म आई-129 लागू किया

न्यूयार्क। अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब लाभार्थियों का चयन रैंडम के बजाय वेतन के आधार पर होगा। इसके लिए अमेरिका ने फॉर्म आई-129 का नया सिस्टम बनाया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा।

कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और हाई सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल्स को वीजा मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। नए सिस्टम में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन प्रक्रिया में उसे उतने अधिक मौके मिलेंगे। मसलन, लेवल-4 के उम्मीदवार को चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 को सिर्फ एक मौका मिलेगा। फॉर्म आई-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है। उसी के आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 में रखा जाता है।

सेंसेक्स 1470, निफ्टी 488 अंक टूटा दो सप्ताह में 33.68 लाख करोड़ डूबे

- लगातार बिकवाली से 27 फरवरी से अब तक कुल 6,723.27 अंक टूट चुका सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 1,470 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी को 488 अंकों का नुकसान हुआ। पिछले दो हफ्तों में निवेशकों की संपत्ति 33.68 लाख करोड़ रुपये घट गई।

विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,470.50 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,563.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,579.82 अंक यानी दो प्रतिशत गिरकर 74,454.60 अंक पर आ गया था। इसी तरह, निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत फिसलकर 23,151.10 अंक पर बंद हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 941 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 132 अन्य शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीएसई सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 4,354.98 अंक यानी 5.51 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 1,299.35 अंक यानी 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा। सेंसेक्स 27 फरवरी से अब तक कुल 6,723.27 अंक यानी 8.27 प्रतिशत टूट चुका है।

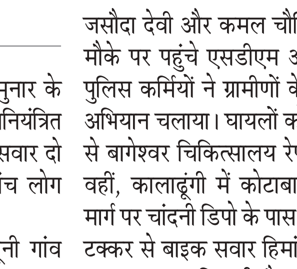

सुप्रीम टिप्पणी

शीर्ष कोर्ट ने देश में मासिक धर्म अवकाश नीति लागू करने संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

पीरियड लीव दी तो महिलाओं को कोई नौकरी नहीं देगा

- अगर ऐसा किया तो महिलाओं का करियर खत्म हो जाएगा : सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने संबंधी राष्ट्रव्यापी नीति निर्माण का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। कहा कि ऐसी स्थिति में कोई महिलाओं को नौकरी नहीं देगा। ऐसा प्रावधान लैंगिक रूढ़ियों को अनजाने में और मजबूत करेगा।

शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि सक्षम प्राधिकारी इस संबंध में दिए गए अभ्यावेदन पर विचार कर सकते हैं और सभी संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद मासिक धर्म अवकाश पर नीति बनाने की संभावना की समीक्षा कर सकते हैं। कोर्ट ने जनहित याचिका का निपटारा करते हुए प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अभ्यावेदन पर उचित निर्णय लें। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, ऐसी याचिकाएं डर पैदा करने के लिए दायर की जाती हैं, ये महिलाओं को हीन बताने के लिए, यह कहने के लिए दायर की जाती हैं कि मासिक धर्म उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है, लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचिए, जिसे सवेतन अवकाश देना होगा। पीठ ने शैलेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। सीजेआई ने मासिक धर्म अवकाश को कानून के जरिए अनिवार्य किए जाने के संभावित सामाजिक परिणामों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसी याचिकाएं महिलाओं के बारे में रूढ़ीवादी धारणाओं को अनजाने में और मजबूत कर सकती हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने कहा कि कुछ राज्यों और संस्थानों ने मासिक धर्म अवकाश के अनुरूप पहले ही कदम उठाए हैं।

उन्होंने केरल का उदाहरण दिया, जहां विद्यालयों में इस संबंध में छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि कई निजी कंपनियों ने भी कर्मचारियों को स्वेच्छा से इस प्रकार का अवकाश दिया है। सीजआई ने कहा कि स्वैच्छिक नीतियां स्वागतयोग्य हैं लेकिन उन्होंने ऐसे प्रावधानों को कानून के जरिये अनिवार्य बनाए जाने के प्रति आगाह किया।

स्वेच्छा से अवकाश दिया जाना बहुत अच्छी बात

उन्होंने कहा, स्वेच्छा से अवकाश दिया जाना बहुत अच्छी बात है लेकिन जैसे ही आप कहेंगे कि यह कानून के तहत अनिवार्य है तो कोई उन्हें नौकरी नहीं देगा। उन्हें न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में कोई नहीं लेगा<bha>;</bha> उनका करियर खत्म हो जाएगा। पीठ ने ऐसी व्यवस्थाओं के कार्यस्थल पर प्रभाव और महिलाओं की पेशेवर प्रगति पर पड़ने वाले संभावित असर को भी रेखांकित किया। पीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर गौर करते हुए कहा कि याचिका दायर करने वाला व्यक्ति संबंधित प्राधिकारियों को पहले ही अभ्यावेदन दे चुका है।

स्टेट ब्रीफ

एम्स ने किडनी रोग संबंधित जानकारी दी

देहरादून : ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में विश्व गुर्दा दिवस के तहत शुक्रवार को मरीजों व तीमारदारों को किडनी रोग से संबंधित विस्तृत जानकारियां दी गई। इस दौरान चिकित्सकों व नर्सिंग ऑफिसरों द्वारा उन्हें बीमारी के प्रारंभिक लक्षण, संकेत, इस बीमारी से ग्रसित होने से बचाव के एहतियातन उपाय और बीमारी से ग्रसित हो चुके लोगों के लिए जरूरी सावधानियों, खानपान, दिनचर्या से संबंधित जानकारियां दी गई। इस दौरान नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. शेरोन कंडारी, डॉ. दीपेश, सीनियर रेजिडेंट डॉ. संदीप कौर, डॉ. अभय, डॉ. सार्थक, डॉ. सयान आदि मौजूद रहे।

पौड़ी गढ़वाल में होटल व्यवसाय प्रभावित

पौड़ी : वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कमी ने पौड़ी गढ़वाल जिले के होटल, ढाबा और रेस्तरां मालिकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। होटल व्यवसायियों का कहना है कि मौजूदा स्टॉक से फिलहाल संचालन चल रहा है, लेकिन अगर गैस आपूर्ति पूरी तरह बंद रहती है, तो कुछ प्रतिष्ठानों को बंद करना पड़ सकता है। होटल संचालक दीपेंदर काला ने बताया कि उनके पास दो दिन का स्टॉक बचा है और इसके बाद सिलेंडर न मिलने पर होटल बंद करना पड़ सकता है।

योग का वैश्विक केंद्र बनेगी देवभूमि

परमार्थ निकेतन में 38वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में बोले सीएम पुष्कर सिंह धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को योग नगरी ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन में आयोजित 38वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में रखा गया, जिसके परिणामस्वरूप आज 180 से अधिक देशों में योग का व्यापक अभ्यास हो रहा है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार ने उत्तराखंड को योग की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए देश की पहली योग नीति 2025 लागू की है। गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना के लिए इस वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योग एवं ध्यान केंद्र विकसित करने के लिए 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी तथा शोध कार्यों के लिए 10 लाख रुपये तक के अनुदान का प्रावधान किया गया है। पांच नए योग हब स्थापित किए जा रहे हैं तथा सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में योग सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष वेलनेस सेंटर एवं नेचुरोपैथी केंद्रों को भी निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित हैं तथा प्रत्येक जनपद में 50 एवं 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालय स्थापित किए जा रहे हैं। ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा आयुष परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योग और अध्यात्म की भूमि भी है। राज्य की नैसर्गिक सुंदरता और शुद्ध वातावरण योग साधना के लिए अत्यंत अनुकूल है। उत्तराखंड आयुष नीति के माध्यम से औषधि निर्माण, वेलनेस, शिक्षा, शोध एवं औषधीय पौधों के संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्मृति चिन्ह भेंट करते परमार्थ निकेतन से स्वामी चिदानन्द सरस्वती।

- **आयुष, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बढ़ावे को बजट में 10 करोड़ का प्रावधान**

चिकित्सा संबंधी सत्र होंगे

सीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस महोत्सव में देश-विदेश के प्रतिष्ठित योगाचार्य अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा कर रहे हैं। हठ योग, राज योग, कर्म योग एवं भक्ति योग के साथ ध्यान, प्राणायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा संबंधी सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन से स्वामी चिदानन्द सरस्वती एवं साध्वी भगवती सरस्वती, गायक कैलाश खेर, देश-विदेश से आए आए योगाचार्य, प्रशिक्षक तथा पर्यटक मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में खुलेगा उत्तराखंड का दूसरा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर

प्रमुख संवाददाता, भराड़ीसैंण

अमृत विचारः विदेशी भाषाएं सीखकर विदेश में नौकरी करने के इच्छुक छात्र-छात्राओं को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत वर्तमान में सिर्फ एक सेंटर है। यह सेंटर वर्ष 2023 से देहरादून में संचालित है। अल्मोड़ा में सेंटर खुलने के बाद इस तरह के सेंटरों की प्रदेश में संख्या दो हो जाएगी।

सरकार की वर्ष 2023 से आरंभ इस योजना के तहत देहरादून के लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर में विभिन्न भाषाओं का प्रशिक्षण देने के साथ युवा प्रतिभागियों को यहीं से उनकी नौकरी की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभाग को इन सेंटरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इसका लाभ मिल सके। शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के पंचम दिवस कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सरकार की ओर से राज्य का दूसरा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर अल्मोड़ा में खोलने की घोषणा की।

- **मुख्यमंत्री धामी के निर्देश के बाद सरकार ने सेंटर की संख्या बढ़ाई**
- **92 युवाओं को विदेशों में मिली है सरकार की योजना से नौकरी**

युवाओं की ट्रेनिंग पर सीएम गंभीर, बजट बढ़ाया

इस योजना में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लाभ पहुंचाने को लेकर मुख्यमंत्री धामी काफी गंभीर है। यही वजह है कि इस योजना में ट्रेनिंग का जो बजट सिर्फ 75 लाख रुपए का था, उसे इस बार 3 .3 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की सकारात्मक सोच के चलते अब और ज्यादा युवाओं को ट्रेनिंग का लाभ मिल पाएगा।

सऊदी अरब में सेवारत 30 लोग सुरक्षित

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच राज्य सरकार उन लोगों की भी पूरी चिंता कर रही है, जिन्हें इस योजना के माध्यम से विदेशों में नौकरी मिली है। सदन में कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि सऊदी अरब में सेवारत लोगों से बात हुई है और वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

कौशल विकासः व्यवस्था और अवसर

- 147 युवाओं को अभी तक मिला विदेशी भाषा का प्रशिक्षण
- 92 युवाओं की विभिन्न देशों में अभी तक लग चुकी नौकरी
- 0810 माह का युवाओं को दिया जाता है सेंटर में प्रशिक्षण
- 16 अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से दिया जा रहा है प्रशिक्षण
- 10 और युवाओं के लिए सऊदी अरब में है नौकरी का प्रस्ताव

ओडिशा ने इंडिया कैप्टन्स को 18 रन से हराया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः लेजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2026 के तीसरे मुकाबले में कोनार्क सूर्यास ओडिशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडिया कैप्टन्स को 18 रन से हरा दिया। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में कोनार्क सूर्यास ओडिशा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 170 रन बनाए। जवाब में इंडिया कैप्टन्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 152 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोनार्क सूर्यास ओडिशा को केन्नार लुईस और मोर्ने वैन विक ने तेज शुरुआत दिलाई। केन्नार लुईस ने 20 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 33 रन बनाए, जबकि मॉर्ने वान विक ने 19 गेंदों में 27 रन की पारी खेली। कप्तान जर्मेन ब्लैकवुड ने 29 गेंदों में 23 रन बनाकर पारी को संभाला। पारी के अंतिम ओवरों में जैसल कारिया ने 24 गेंदों में नाबाद 37 रन की तेज पारी खेली, जिसमें सात चौके शामिल रहे। फैज अहमद खान ने 17 रन का योगदान दिया। टीम को 23 अतिरिक्त रन भी मिले। इंडिया कैप्टन्स की ओर से समर कादरी, इम्तियाज अहमद, अक्षय वखारे और गौरव तोमर ने एक-एक विकेट लिया। 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया कैप्टन्स की शुरुआत धीमी रही। प्रियांक पंचाल ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि हाशिम अमला ने 18 गेंदों में 24 रन की पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की। कप्तान सौरभ तिवारी ने 17 रन जोड़े। मध्य ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। अनिरुद्ध जोशी ने 18 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम लक्ष्य से दूर रह गई। कोनार्क सूर्यास ओडिशा की ओर से अंकित राजपूत, ऋतुराज सिंह, सौरिन ठाकर और मलिंदा पुष्पकुमारा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जैसल कारिया को एक सफलता मिली।

शॉट लगाते मॉर्ने वान विक।

भराड़ीसैंण सदन में चर्चा के साथ बजट पास

प्रमुख संवाददाता, गैरसैंण

अमृत विचारः भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन बजट पर जोरदार चर्चा हुई। सदन में इसके साथ ही कई विभागों के बजट और विनियोग विधेयक भी पारित किए गए। संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने विभागवार बजट आवंटन का ब्यौरा दिया।

विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी के साथ ही अन्य सदस्यों ने प्रदेश के कई विभागों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि, सरकार को इस पर सदन में जवाब देना चाहिए। हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष्मान योजना में व्याप्त खामियों और एलपीजी गैस की किल्लत का मुद्दा जोरदार तरीके से सदन में उठाया। आरोप लगाया कि प्रदेश के पर्वतीय और दूरदराज़ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है, जिससे कई लोगों की असमय मृत्यु हो रही है। उन्होंने कहा कि उचित स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में अल्मोड़ा की जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. श्रीमती बिष्ट का असमय निधन होना बेहद दुखद और चिंताजनक है, जो प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है।

उन्होंने हल्द्वानी में प्रस्तावित कैथ लैब के निर्माण में हो रही लगातार देरी पर भी सरकार को घेरते कहा कि कई विधानसभा सत्रों में सरकार द्वारा जल्द कैथ लैब स्थापित करने का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सदन में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड के तहत इलाज न मिलने की समस्या को भी गंभीर मुद्दा बताया। कहा कि यह पेंशनभोगियों के साथ सीधा अन्याय है। आयुष्मान योजना के तहत इलाज से पहले विभिन्न जांचों के नाम पर गरीब मरीजों से पैसे वसूलने की शिकायतों पर आपत्ति जताई। फॉरेन लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने की मांग भी सदन में रखी। उन्होंने देशभर में व्याप्त एलपीजी गैस की किल्लत का मुद्दा भी उठाया। इस मामले को लेकर कांग्रेस के सभी विधायकों ने सदन में धरना दिया।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी।

हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश।

सदन की कार्यवाही में प्रतिभाग करते संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल।

किसानों की फसल बचाने को केंद्र से मिले 25 करोड़

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः जंगली जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिए राज्य सरकार के प्रयास रंग लाए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बातचीत के बाद घेर-बाड़ योजना के लिए केंद्रीय मदद एक बार फिर से मिलनी शुरू हो गई है। इस क्रम में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 25 करोड़ रुपए की सहायता उत्तराखंड के लिए मंजूर की है।

राज्य में जंगली जानवरों से किसानों की फसल को हो रहे नुकसान की रोकथाम को सरकार ने घेरबाड़ योजना शुरू की है। तीन वर्ष पहले तक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंद्रीय कृषि मंत्रालय से आर्थिक सहयोग मिल रहा था लेकिन फिर बंद हो गया। किसानों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला योजना से घेर बाड़ के लिए मदद उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री इस योजना में केंद्रीय मदद प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत थे। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने घेर बाड़ योजना के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय से 25 करोड़ की स्वीकृति मिलने की जानकारी सदन में दी।

तीन वर्षों में 2841 हेक्टेयर जमीन की घेर बाड़

सरकार ने सदन को बताया कि पिछले तीन वर्षों में जिला योजना से 2841 हेक्टेयर जमीन की घेरबाड़ में 44429 किसान लाभान्वित हुए हैं। कृषि मंत्री ने सदन में कहा कि मुख्यमंत्री के संवेदनशीलता दिखाने के बाद बजट में दस करोड़ का प्रावधान किया गया है।

चीन सीमा से सटे क्षेत्र में कार्डिंग प्लांट का प्रस्ताव

पिथौरागढ़ः चीन सीमा से जुड़े उत्तराखंड के पवर्तीय जिला पिथौरागढ़ में ऊन आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की पहल की गई है। शुक्रवार को जिला उद्योग मित्र की बैठक में इस संबंध में कई अहम निर्णय लिए गए। जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई की अध्यक्षता में हुई बैठक में ऊन आधारित उद्योगों के विकास, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र कविता भगत ने बताया कि धारचूला में कार्डिंग प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके तहत पुरानी बिल्डिंग और पुरानी कार्डिंग मशीन को हटाकर नई बिल्डिंग तथा नई कार्डिंग मशीन स्थापित की जाएगी। इसके लिए ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा लगभग 1.43 करोड़ रुपये की लागत से 5 यूनिटों के निर्माण का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है।

8 लाख से ज्यादा किसानों को 163.14 करोड़ मिले

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहटी से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशभर के 9.32 करोड़ से अधिक किसानों को 18,640 करोड़ की सम्मान राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। शुक्रवार को देहरादून के जौलीग्रांट स्थित राज्य अतिथि गृह में प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के अंतर्गत उत्तराखंड के 8 लाख 04 हजार से अधिक पात्र किसान लाभार्थियों को 163.14 करोड़ की धनराशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। अब तक जारी 22 किश्तों के माध्यम से प्रदेश के किसानों को कुल 36,209.14 करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जा चुकी है।

उत्तराखंड में घरेलू गैस का स्टॉक पर्याप्त

देहरादून : भराड़ीसैण स्थित विधान भवन से प्रमुख सचिव खाद्य ने शुक्रवार को सभी जिलों के जिलाधिकारियों, जिला पूर्ति अधिकारियों और तीनों ऑयल कंपनियों के राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में आइओसीएल, बीपीसीएल व एचपीसीएल के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में घरेलू गैस का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में है। ऑयल कंपनियों के अधिकारी सभी जनपदों के जिला पूर्ति अधिकारियों के साथ संपर्क में है। वर्तमान स्थिति व सोशल मीडिया में प्रसारित भ्रामक सूचनाओं के कारण लोगों की ओर से पैनिक बुकिंग की जा रही है। बैठक के दौरान बताया गया कि केवल आइओसीएल कंपनी में बीते तीन से चार दिनों में लगभग एक लाख बुकिंग की गई है लेकिन कंपनियों के पास घरेलू गैस का स्टॉक उपलब्ध है।

आईपीएस प्रतिनियुक्ति पर 16 को सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः आईजी पद पर तैनात नीरू गर्ग व अरुण जोशी को प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन डीआईजी पद पर भेजने के आदेश को इन अधिकारियों के हाईकोर्ट में चुनौती देने के मामले में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च की तिथि नियत की है।

2005 बैच की आईपीएस अधिकारी नीरू गर्ग को केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आईटीबीपी में डीआईजी व 2006 बैच के आईपीएस व आईजीस्तर के अधिकारी अरुण मोहन जोशी को केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन बीएसएफ में डीआईजी बनाया गया है। इस आशय का आदेश गृह मंत्रालय की ओर से 5 मार्च 2026 को जारी हुए थे। इस आदेश के बाद उत्तराखंड सरकार ने 6 मार्च 2026 को इन अधिकारियों को कार्यमुक्त करने का आदेश पारित किया था जिसे इन अधिकारियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सुनवाई पर राज्य व केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया कि याचिकाएं पोषणीय नहीं है। याचिकाएं सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में दायर की जानी थी क्योंकि ये केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं। कोर्ट ने दोनों मामलों की सुनवाई के बाद 16 मार्च की तिथि नियत की है।

प्रवक्ताओं का मामला लार्जर बेंच को

नैनीताल : सहायक अध्यापक एलटी और प्रवक्ताओं की नियमितीकरण से पहले की सेवाओं को नियमित सेवा में जोड़ने से संबद्ध महत्वपूर्ण मामले में हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए प्रकरण को लार्जर बेंच को भेज दिया है। अदालत ने राज्य सरकार से इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई। जहां सत्य प्रकाश शर्मा सहित कई शिक्षकों की ओर से दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की गई। अब इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अंतिम निर्णय बड़ी पीठ द्वारा किया जाएगा, जिसका असर राज्य के कई शिक्षकों पर पड़ सकता है।

हल्द्वानी दंगा के आरोपियों की जमानत टली

नैनीताल : हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने बनभूलपुरा दंगे से जुड़े तीन आरोपियों अब्दुल रहमान, वसीम और अब्दुल तस्लीम की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को फिलहाल कोई राहत नहीं दी है। अगली सुनवाई के लिए 18 मार्च को होगी।

सिटी ब्रीफ

शनिवार-रविवार को भी खुलेंगे रजिस्ट्री दफ्तर

हल्द्वानी : जिला प्रशासन ने वित्तीय वर्ष के अंतिम माह मार्च को देखते हुए शनिवार व रविवार को भी रजिस्ट्री दफ्तर खोलने का निर्णय लिया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि निबंधन आईजी के निर्देशानुसार मार्च के दूसरे शनिवार 14 मार्च, चौथे-पांचवें रविवार 22 व 29 मार्च को रजिस्ट्री दफ्तर खुलेंगे और नियमानुसार काम होगा ताकि राजस्व संग्रहण प्रभावित नहीं हो। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में जनपद के सहायक महानिबंधक, सभी उप निबन्धक एवं प्रभारी उप निबन्धक को निर्देश दिए हैं कि अवकाश की इन तिथियों में कार्यालयों को खोला जाए।

गैस की कालाबाजारी करने वाले हों गिरफ्तार

हल्द्वानी : उत्तराखंड चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति ने एसपी सिटी मनोज कात्याल को ज्ञापन सौंपकर गैस की कालाबाजारी बंद करने की मांग की है। समिति ने ज्ञापन सौंप कर कहा कि पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस की किल्लत जैसा माहौल है। इसके बाद कुछ लोगों ने इसकी कालाबाजारी शुरू कर दी है। कुछ लोग गैस सिलेंडर स्टॉक कर रहे हैं, बाद में जनता को ब्लैक में सिलेंडर बेच रहे हैं। इससे शासन-प्रशासन की बदनामी हो रही है। उन्होंने सभी थाना-चौकी प्रभारियों को अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, गिरफ्तारी व अवैध स्टॉक जब्त करने की मांग की है। इस दौरान डॉ. हरीश पाल, सुशील भट्ट, केएस कांडपाल आदि रहे।

कुकिंग ऑयल के दामों में आया उछाल

हल्द्वानी : एलपीजी सिलेंडर की मारामारी के बीच कुकिंग ऑयल भी महंगा हो चुका है। सरसों और रिफाइंड तेल की कीमतों में 3 से 4 रुपए प्रति किलो तक बढ़ोत्तरी हुई है। तेल महंगा होने से आम आदमी के घर की रसाई भी महंगी हो चुकी है। जिसका सीधा असर भोजन की थाली पर पड़ेगा। मंडी के कारोबारी विपिन थुवाल ने बताया कि कुकिंग ऑयल की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल आटा-चावल की कीमतें स्थिर हैं। जल्द ही इनकी कीमतों में भी उछाल देखने को मिल सकती है।

गैस सिलेंडरों को लेकर हंगामा, पुलिस ने कराया शांत

शीशमहल स्थित इंडेन गैस एजेंसी में शुक्रवार को गैस के लिए लगी लोगों की भीड़, पहली गाड़ी में सिलेंडर खत्म होने पर दिखा आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

शीशमहल के पास स्थित इंडेन गैस गोदाम के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लगी लोगों की लंबी कतार।

अमृत विचार: काठगोदाम क्षेत्र के शीशमहल स्थित इंडेन गैस एजेंसी में शुक्रवार को गैस सिलेंडर लेने पहुंचे लोगों की भारी भीड़ के कारण हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर कतार में लग गए थे। सिलेंडरों की कमी और लंबा इंतजार होने के कारण लोगों का आक्रोश भी देखने को मिला।

बताया जा रहा है कि सुबह सबसे पहले सिलेंडरों से भरी एक गाड़ी एजेंसी पहुंची, जिसमें करीब 360 सिलेंडर थे। जैसे ही वितरण शुरू हुआ, कतार में लगे लोगों को सिलेंडर दिए जाने लगे, लेकिन कुछ ही देर में सभी सिलेंडर खत्म हो गए। इससे लाइन में लगे कई लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पाया और मौके पर लोगों ने नाराजगी जतानी शुरू कर दी। देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया और हंगामे जैसी स्थिति बन गई। स्थिति को बिगड़ता देख मौके पर पुलिस को बुलाना पड़ा, जिसके बाद पुलिस ने लोगों को समझाकर माहौल शांत कराया। इसके बाद दोबारा सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए दूसरी गाड़ी मंगाई गई।

दोपहर बाद एजेंसी पर दूसरी गाड़ी करीब 342 सिलेंडर लेकर पहुंची, जिसके बाद दोबारा वितरण शुरू किया गया। देर शाम तक सिलेंडर वितरण का काम जारी रहा। जानकारी के अनुसार शाम करीब पांच बजे तक लोगों को सिलेंडर बांटे जा रहे थे और बड़ी संख्या में लोग अब भी अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। इस दौरान एजेंसी परिसर और आसपास का क्षेत्र लोगों की भीड़ से भरा रहा। कई लोग स्कूटी, बाइक और कारों में सिलेंडर लेकर पहुंचते दिखाई दिए। लंबे इंतजार और बार-बार सिलेंडर खत्म होने से लोगों में भारी नाराजगी भी देखने को मिली।

इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक गणेश सिंह नेगी ने बताया कि लगातार सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोग सीधे गोदाम पर भी पहुंच रहे हैं, जहां से उन्हें सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

घर बैठे मिलेगी गैस, जिला प्रशासन ने जारी किया आदेश

हल्द्वानी : जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए शुक्रवार को जिला प्रशासन ने आदेश जारी किया। जिला मजिस्ट्रेट नैनीताल के निर्देशानुसार अब सभी गैस एजेंसियों को सिलेंडर सीधे एजेंसी परिसर से नहीं, बल्कि घर-घर डोर-टू-डोर वितरण प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि ऑनलाईन बुकिंग, डीएसपी, ओटीपी जैसी प्रक्रियाओं में अत्यधिक फोन कॉल के कारण उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों में अनावश्यक भीड़ लग रही थी, जिससे समय पर सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। इसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं की गैस बुकिंग फोन, एसएमएस या ऐप के जरिए नहीं हो पा रही है, सभी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बुकिंग किए गए सिलेंडरों की घर-घर आपूर्ति समय पर हो। जिला प्रशासन ने कहा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों में भीड़ न लगाएं और डोर-टू-डोर वितरण का लाभ उठाकर आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखें।

होटल-रेस्टोरेंट लकड़ी कोयले पर निर्भर

हल्द्वानी : कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से शहर में होटल-रेस्टोरेंट संचालकों और स्ट्रीट वेंडर्स की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कई कारोबारियों को खाना तैयार करने के लिए गैस के बजाय लकड़ी और कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि उन्होंने अधिक गैस खपत वाली डिशेज बनाना बंद कर दिया है। वर्कशॉप लाइन क्षेत्र में कई बिरयानी की दुकानों ने फिलहाल बिरयानी बनाना बंद कर दिया है। वहीं नॉन-वेज रेस्टोरेंट में तंदूर और लकड़ी के सहारे खाना तैयार किया जा रहा है। अधिकांश रेस्टोरेंट संचालकों के पास सिर्फ एक दिन की गैस बची है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सिलेंडर की आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो रेस्टोरेंट बंद करने की नौबत आ सकती है। दाल-चावल के ठेले लगाने वाले संचालकों ने बताया कि वे मजबूरी में लकड़ी के चूल्हे पर खाना बना रहे हैं और बची हुई गैस से केवल रोटियां तैयार कर रहे हैं। उनका कहना है कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने से काम करना मुश्किल होता जा रहा है। इधर, इंडक्शन चूल्हा और कुकिंग हीटर की मांग अचानक बढ़ गई है। वर्कशॉप लाइन में इलेक्ट्रिकल्स दुकान के संचालक ने बताया कि पिछले दो दिनों में इंडक्शन के ग्राहकों की संख्या काफी बढ़ गई है और दुकान में इंडक्शन का स्टॉक भी खत्म हो चुका है। हीटर की ब्रिकी भी बढ़ी है।

बोले कारोबारी

सिलेंडर की सप्लाई बंद होने के बाद पराठे, समोसे सहित अन्य अधिक खपत वाली डिशेज को बनाना बंद कर दिया है। रेस्टोरेंट में केवल एक दिन के लिए सिलेंडर बचा हुआ है। जिससे बंद करने की स्थिति आ गई है। सेल में भी गिरावट आ गई है।
– मोहित मिश्रा, स्नैक्स रेस्टोरेंट

दाल-चावल और सब्जी लकड़ी के चूल्हे में बनाना शुरू कर दिया है। बची हुई गैस का इस्तेमाल का रोटी बनाने के लिए कर रहे हैं। शीघ्र ही सिलेंडर नहीं मिला, तो ठेला बंद करना पड़ सकता है। **–आनंद वल्लभ पांडे**, ठेला संचालक

तंदूर का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रेस्टोरेंट का काम भी आधा कर दिया है। किसी तरह अन्य जगह से गैस की व्यवस्था करनी पड़ रही है। गैस एजेंसी वाले लापरवाही कर रहे हैं, जिससे आम आदमी परेशान हो रहा है। समय रहते हालात ठीक नहीं हुए तो रेस्टोरेंट बंद करना पड़ सकता है।
–प्रकाश बब्बी भाई, गुरुकृपा रेस्टोरेंट

लकड़ी जला रहे हैं। तंदूर का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। केवल एक दिन के काम के लिए सिलेंडर बचे हैं। शनिवार से पूरी तरह लकड़ी के चूल्हे पर निर्भर रहना पड़ेगा। रेस्टोरेंट में काम आधा हो चुका है। शीघ्र ही काम और कम करना पड़ेगा।
– अब्दुल, शमा रेस्टोरेंट

नैनीताल में बढ़ी इंडक्शन व इलेक्ट्रिक केटल की मांग

नैनीताल : घरेलू और कमर्शियल गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से लोग खाना बनाने के लिए वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर रहे हैं। शहर के मल्लीताल और तल्लीताल क्षेत्र की इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में इंडक्शन चूल्हों और इलेक्ट्रिक केटल की मांग अचानक बढ़ गई है इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार मोहित शाह ने बताया कि सामान्य दिनों में जहां एक-दो इंडक्शन चूल्हे ही बिकते थे, वहीं अब रोजाना 30 से अधिक इंडक्शन चूल्हों की बिक्री हो रही है। इलेक्ट्रिक केटल की मांग भी तेजी से बढ़ी है। उन्होंने बताया कि गैस की अनिश्चित आपूर्ति के कारण कई लोग ये उपकरण खरीद रहे हैं। खासकर किराये पर रहने वाले छात्र, छोटे होटल और फास्ट फूड दुकानदार इनकी ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई तो इन उपकरणों की मांग और बढ़ सकती है।

जिला अस्पताल में गैस संकट की आहट, मरीजों के भोजन पर मंडराया खतरा

नैनीताल : नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल की रसोई में गैस सिलेंडर लगभग समाप्त होने की स्थिति में है, जिससे आने वाले दिनों में मरीजों की भोजन व्यवस्था पर संकट खड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान में मेस में केवल एक गैस सिलेंडर शेष बचा है। अस्पताल की मेस संचालक श्यामा जोशी ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में एक गैस सिलेंडर करीब दो दिन तक चलता है, लेकिन मौजूदा हालात में गैस की आपूर्ति अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल रसोई में सिर्फ एक सिलेंडर बचा है। गैस संकट को देखते हुए भोजन बनाने के लिए हीटर, इंडक्शन और अन्य वैकल्पिक साधनों का भी सहारा लिया जा रहा है, ताकि मरीजों को समय पर भोजन उपलब्ध कराया जा सके। वहीं अस्पताल के पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में 36 मरीज भर्ती हैं और सभी को नियमित रूप से नाश्ता, दोपहर व शाम का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मरीजों को परेशानी नहीं हो रही है और भोजन की डाइट में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। डॉ. टीके टम्टा के अनुसार मेस का संचालन ठेकेदार के माध्यम से किया जा रहा है और अभी तक गैस की कमी को लेकर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि गैस आपूर्ति प्रभावित रहने पर आने वाले दिनों में स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

प्रशासन की छापेमारी में दो घरेलू सिलेंडर जब्त

कालाढूंगी : घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर कालाढूंगी में प्रशासन ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। इस दौरान दो घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। शुक्रवार को तहसील प्रशासन, खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कालाढूंगी और कोटाबाग क्षेत्र के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमारी की, जिससे व्यापारियों में हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान तहसीलदार ईश्वर सिंह भीमा, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी राजेंद्र भट्ट और खाद्य पूर्ति अधिकारी चित्रा रौतेला सहित तहसील प्रशासन के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। जांच के दौरान दो प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया, जिन्हें जब्त कर लिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ये कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

एसटीएच में मरीजों के खाने का मेन्यू बदला

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सिलेंडर संकट के चलते डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले खाने का मेन्यू बदल दिया गया है। अब यहां राजमा, चने आदि नहीं बनाए जा रहे हैं। इनको बनाने में ईंधन की खपत ज्यादा होती है।

किचन संचालकों ने बताया कि शुक्रवार को किसी तरह से दो सिलेंडर मिले हैं। यह सिलेंडर भी तीन से चार दिनों के लिए ही पर्याप्त हैं। समस्या से अस्पताल प्रबंधन को भी अवगत कराया गया है। अस्पताल प्रबंधन से मिले निर्देश के बाद ही निर्णय लिया गया है कि अब खाने के मेन्यू से राजमा, सफेद और काला चना, उड़द-चने की दाल आदि को हटा दिया जाए। दालों में ज्यादातर पीली दाल जैसे अरहर और मसूर को बनाया जा रहा है। छिलके वाली काली मलका को भी हटा दिया गया है। साथ ही सब्जियों में भी ऐसी ही सब्जियां चुनी जा रहीं हैं जो जल्दी बन जाती हैं। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि आईपीडी में भर्ती सभी मरीजों को सुबह नाश्ते के अलावा दो समय का भोजन दिया जाता है। साथ ही चाय भी उपलब्ध कराई जाती है। किचन संचालकों ने बताया कि गैस सिलेंडर की किल्लत हो रही है। ऐसे में प्रशासन को अवगत कराने के बाद दो सिलेंडर आए हैं और साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया है कि नियमित आपूर्ति जारी रहेगी।

नर्सिंग छात्रावास में लकड़ी के चूल्हे पर भोजन बनाते मेस संचालक। ● अमृत विचार

ईंधन की किल्लत से मरीजों के भोजन में बदलाव

बेस अस्पताल और एसटीएच में ईंधन की किल्लत की वजह से मरीजों के लिए बनने वाले खाने में दिक्कत आ रही है।

- इसे देखते हुए मरीजों को दिए जाने वाले खाने का विकल्प भी बदल गया है।
- ऐसा भोजन जिसमें ईंधन ज्यादा लगता है उनको नहीं बनाया जाएगा।
- ऐसे भोजन को तरजीह दी जाएगी जो जल्दी और कम ईंधन की खपत में बन जाएं।
- अस्पताल प्रशासन के अनुसार ऐसा शायद ही पहली बार किया जा रहा है।

संकट के समय काम आयी आईआईटी मुंबई की भट्टी

हल्द्वानी : मेडिकल कॉलेज के पांच छात्रावासों में भोजन बनाने का संकट शुरू हो गया है। यहां पर अब लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कहीं-कहीं सिलेंडर बचे हैं तो उनका इस्तेमाल बहुत ही सोच-समझ कर किया जा रहा है। गर्ल्स छात्रावास के संचालक रमेश तिवाड़ी ने बताया कि हम ऐसी भट्टी लाए हैं जिसका निर्माण आईआईटी मुंबई के एक छात्र ने किया है। इसमें मोटर लगी है जिससे लगातार पंखे के सहारे हवा आती है। इससे भट्टी में लगातार आग जलती है और ईंधन बर्बाद नहीं होता है। साथ ही आग का फ्लो भी बिल्कुल गैस सिलेंडर की तरह ही होता है। इसके अलावा रोटी को केवल एक ही समय में बनाया जा रहा है।

कैंटीनों में कुकिंग बंद

हल्द्वानी : गैस सिलेंडर की किल्लत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने निर्णय लिया कि एसटीएच और मेडिकल कॉलेज में मौजूद कैफेटेरिया कैंटीन में कुकिंग को बंद करवा दिया जाए। आदेश का पालन शुक्रवार से हो गया है और अब यहां पर केवल ऐसी चीजें दी जाती हैं जिनमें कुकिंग की जरूरत न पड़े और साथ ही चाय की जगह कॉफी बनाई जा रही है। कॉफी को मशीन से बनाया जा रहा है।

गैस लेने के लिए गोलघर क्षेत्र में लगी ग्राहकों की लंबी लाइन ● अमृत विचार

नैनीताल में घरेलू गैस सिलेंडर के लिए मारामारी

नैनीताल : शहर में घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए शुक्रवार को लोगों में अफरा-तफरी देखने को मिली। शुक्रवार सुबह नैनीताल के जिला अस्पताल बीडी पांडे के समीप गोलघर, बारा पत्थर, धर्मशाला सहित अन्य स्थानों पर गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। कई लोग सुबह तड़के ही सिलेंडर लेकर लाइन में लग गए थे। इसी के साथ गैस बुकिंग केंद्रों पर भी सुबह आठ बजे से ही लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। उपभोक्ता गैस बुक कराने के लिए घंटों तक इंतजार करते रहे। लंबे इंतजार के बाद ही कई लोगों की गैस बुक हो सकी। कुछ उपभोक्ता ऐसे भी पहुंचे जो कई वर्षों बाद गैस बुक कराने आए थे, जिस कारण उन्हें तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों की पुरानी बुकिंग भी सिस्टम से हट चुकी थी, जिसे दोबारा बनवाना पड़ा। शहर में गोलघर, धर्मशाला, बारा पत्थर, मालरोड सहित करीब आधा दर्जन स्थानों पर गैस वितरण किया गया। स्थानीय निवासी सुमित मेहरा ने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने से लोग परेशान रहे।

पांच साल बाद भी अधिकांश घरों में नहीं पहुंची है पीएनजी

संवाददाता, हल्द्वानी

- **जज फार्म, हीरा नगर क्षेत्र में कुछ लोगों को मिल रही पीएनजी**

अमृत विचार : रसोई गैस सिलेंडरों के लिए मारामारी को देखते हुए केंद्र सरकार ने आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील की है। सरकार का कहना है कि घरों में पीएनजी गैस होने पर उपभोक्ताओं को सिलेंडर पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और गैस की आपूर्ति भी नियमित बनी रहेगी।

शहर में करीब पांच साल पहले पीएनजी लाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था। लंबे समय बाद पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा होने के बाद कई घरों में कनेक्शन दिए गए। लेकिन आज भी कई घर ऐसे हैं, जहां कनेक्शन होने के बावजूद गैस की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। शहर के जज फार्म और हीरानगर क्षेत्र में भी पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है और अधिकांश घरों में कनेक्शन दे दिए गए हैं, लेकिन कई घरों में अब तक सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है। जज फार्म निवासी रमेश पपनै ने बताया कि उनके घर में पीएनजी की आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है, लेकिन क्षेत्र के कई घरों में अभी भी गैस सप्लाई शुरू नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि इलाके में लगभग 500 परिवार रहते हैं और कई लोग अभी भी सिलेंडर पर निर्भर हैं। वहीं, हीरानगर निवासी हर्ष पांडे ने बताया कि उनके घर में पीएनजी गैस की सप्लाई हो रही है। कहा कि कुछ घरों में अभी भी गैस आपूर्ति शुरू नहीं हुई है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

झुंड में छोटे हाथी के बच्चे भी रहे शामिल, जब अपने बच्चों के साथ होते हैं तो आक्रामक भी हो जाते हैं हाथीः रेंजर

बीच सड़क आया मदमस्त हाथियों का झुंड, यातायात ठप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः हल्द्वानी-रामनगर मार्ग पर (कोसी बैराज) के समीप हाथियों का झुंड सड़क पर आ गया और झुंड के सड़क से न हटने पर देखते ही देखते दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। झुंड में छोटे हाथी के बच्चे भी शामिल थे, सभी अपने आप में मदमस्त नजर आए। हाथियों की गतिविधि को देखते हुए लोगों में डर का माहौल बन गया था। इस दौरान कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। यह दृश्य गुरुवार देर रात का है।

कोसी बैराज के समीप सड़क किनारे रात में जंगल से निकलता हाथियों का झुंड।

मौके पर वन कर्मियों के साथ पहुंचे डिप्टी रेंजर इंदर लाल ने बताया कि 10 हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया था। डिप्टी रेंजर ने बताया कि सूचना मिलते ही हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सबसे पहले सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक को रोक दिया।

उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर रामनगर के नए बाईपास पुल के पास वाहनों की आवाजाही को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया, ताकि हाथियों को बिना किसी बाधा के सुरक्षित जंगल की ओर जाने दिया जा सके।

डिप्टी रेंजर के मुताबिक, हाथी जब अपने बच्चों के साथ होते है तो आक्रामक भी हो जाते है, ऐसे में टीम ने बेहद सावधानी के साथ स्थिति को नियंत्रित किया, वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर निगरानी करते हुए हाथियों के जंगल की ओर बढ़ने का इंतजार किया और बाद में हल्की आवाज और लाइट की मदद से उन्हें सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ा गया।

करीब कुछ समय बाद जब हाथियों का झुंड पूरी तरह से जंगल की ओर चला गया तो वन विभाग ने यातायात को फिर से शुरू करवाया। इसके बाद सड़क पर फंसे वाहनों की आवाजाही धीरे-धीरे सामान्य हो सकी। वन विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि जंगल क्षेत्र से गुजरते समय सावधानी बरतें और वन्यजीव दिखने पर वाहन रोककर सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

कोटाबाग के कुशानवाड़ में हाथियों ने रौंदी गेहूं की फसल

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः कालाढूंगी, बैलपड़ाव, चकलुवा और कोटाबाग क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे काश्तकार परेशान हैं। कालाढूंगी रेंज के अंतर्गत पतलिया कुशानवाड़ में हाथियों के झुंड ने खेतों में घुसकर गेहूं की तैयार फसल को रौंद दिया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। किसान कमल बोहरा ने बताया कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है, लेकिन हाथियों के हमलों से उनकी मेहनत बर्बाद हो रही है। किसान पुनीत बिष्ट ने भी खेतों में भारी नुकसान होने की बात कहते हुए मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की हाथियों को रोकने की योजनाएं प्रभावी नहीं हो पा रही हैं। डिप्टी रेंजर भूपेंद्र बिष्ट ने बताया कि हाथियों को भगाने के लिए रात्रि गश्त की टीम गठित की गई है।

कोटाबाग में हाथियों द्वारा रौंदी गई फसल।

4 करोड़ के बिल पर रार, कल से स्ट्रीट लाइटें काटने की चेतावनी

नगर पालिका नैनीताल पर 4 करोड़ से अधिक का बकाया बताकर ऊर्जा निगम ने दिया नोटिस

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचारः सरोवर नगरी नैनीताल एक बार फिर बिजली बिल विवाद को लेकर चर्चा में है। नगर पालिका और उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (ऊर्जा निगम) के बीच बढ़ते विवाद के चलते शहर की स्ट्रीट लाइटों पर संकट गहराता नजर आ रहा है। ऊर्जा निगम ने चेतावनी दी है कि यदि नगर पालिका ने बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं किया तो 15 मार्च को शहर की स्ट्रीट लाइटों की बिजली आपूर्ति काट दी जाएगी, जिससे पूरी सरोवर नगरी अंधेरे में डूब जाएगी।

ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता एसके सहगल ने बताया नगर पालिका पर करीब 4 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया है। इस संबंध में विभाग की ओर से पालिका को नोटिस भी भेजा गया है और भुगतान के लिए 15 दिन का समय दिया गया था।

पालिका का दावा- पहले ही हो चुका भुगतान

नगर पालिका प्रशासन ने ऊर्जा निगम के दावे को पूरी तरह गलत बताया है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा का कहना है कि वर्ष 2014-15 में राज्य सरकार के वित्त विभाग ने पालिका की ओर से देय राशि काटकर ऊर्जा निगम को भुगतान कर दिया था, लेकिन ऊर्जा निगम ने उस राशि का समायोजन नहीं किया। उन्होंने बताया कि सरकार के जीओ के पैरा 6 और 7 में स्पष्ट उल्लेख है कि ऐसे मामलों में अतिरिक्त अधिभार नहीं लगाया जा सकता, लेकिन इसके बावजूद विभाग ने बिल में अधिभार जोड़ दिया है।

क्या है पूरा विवाद

- ऊर्जा निगम के अनुसार पालिका पर 4 .11 करोड़ रुपये बकाया
- भुगतान न होने पर 15 मार्च को स्ट्रीट लाइट काटने की चेतावनी
- पालिका का दावा – 1.31 करोड़ पहले ही सरकार ने जमा किए
- पालिका का आरोप – ऊर्जा निगम पर भी करोड़ों का किराया बकाया
- पिछले साल भी दो दिन तक बंद रही थीं स्ट्रीट लाइटें

ऊर्जा निगम का जवाब : ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता एसके सहगल ने कहा कि नगर पालिका पर विभाग का करीब 4 करोड़ 11 लाख 30 हजार रुपये का बिजली बिल बकाया है और इसका भुगतान करना होगा। उन्होंने बताया कि विभाग के सब-स्टेशन टेलीग्राफी एक्ट 1885 और इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के प्रावधानों के तहत स्थापित किए गए हैं, जिसके लिए अलग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होती। सहगल ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर बिल जमा नहीं किया गया तो 15 मार्च को शहर की स्ट्रीट लाइटों के कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

ट्रांसफार्मर और भवनों का किराया भी बकाया

नगर पालिका ने भी ऊर्जा निगम पर आरोप लगाया कि ऊर्जा निगम स्वयं पालिका का करीब 4 करोड़ रुपये से अधिक का किराया बकाया रखे हुए है। पालिका का कहना है कि शहर में कई ट्रांसफार्मर, सब-स्टेशन, कार्यालय, गेस्ट हाउस और अन्य भवन नगर पालिका की जमीन या इमारतों में संचालित हो रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से न तो किराया दिया जाता है और न ही टैक्स जमा किया जाता है।

पहले भी अंधेरे में डूब चुका है शहर

यह पहला मौका नहीं है जब बिल को लेकर विवाद सामने आया हो।पिछले वर्ष भी मार्च महीने में बकाया बिल के कारण दो रातों तक नैनीताल की स्ट्रीट लाइटें बंद रही थीं, जिससे शहर की कई सड़कें और गलियां अंधेरे में डूब गई थीं। पालिका ने करीब 10 लाख रुपये जमा कर मामला सुलझाया था।

रामनगर में सम्मेलन के दौरान मौजूद पूर्व सैनिक एवं वीर नारियां। ● अमृत विचार

पूर्व सैनिक सम्मेलन में विविध समस्याओं का हुआ समाधान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः स्टेशन मुख्यालय हेमपुर में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं की समस्याओं का समाधान किया गया और सैनिक कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

सम्मेलन में विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनमें पेंशन शिकायत निवारण, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट के अभिलेख कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधि शामिल थे। इन स्टॉलों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी शिकायतों का निवारण कराने और सहायता प्राप्त करने का अवसर मिला। इसके अलावा चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाले लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा जांच की भी व्यवस्था की गई। कर्नल सुरेंद्र सिंह रांगड़ा ने पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना की जानकारी दी।

हेमपुर सैन्य स्टेशन के स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर सुखबीर सिंह ने राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा के लिए पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन में वीरता पुरस्कार प्राप्त पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान कर्नल आदित्य श्रीवास्तव (उत्तराखंड उपक्षेत्र), कर्नल मोहन सिंह (अवकाश प्राप्त), सैन्य स्टेशन की प्रथम महिला ममता सिंह, कर्नल राकेश पैन्यूली और अनेक भूतपूर्व सैनिक एवं वीर नारियां उपस्थित रहे।

सातताल झील पर क्षतिग्रस्त पड़ा पुल। ● अमृत विचार

सातताल झील का टूटा पुल, पर्यटकों की सुरक्षा पर खतरा

भीमताल : झीलों के शहर नैनीताल के सातताल क्षेत्र में झील पर बना पुल दैवीय आपदा के कारण टूटा हुआ है, जिससे पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में यहां हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण उनके गिरने का खतरा बना हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी और पूर्व सभासद प्रदीप कुमार 'बबलू' ने जिला प्रशासन से पर्यटन की दृष्टि से इस पुल का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण पर्यटकों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। पूरन बृजवासी ने बताया कि उन्होंने पहले भी सिंचाई विभाग से पुल की मरम्मत की मांग की थी। इस पर विभागीय अधिकारियों ने आपदा मद से बजट के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजे जाने की बात कही थी, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अधिवक्ता बार की अनमोल धरोहर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः जिला बार एसोसिएशन में आयोजित सम्मान समारोह में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आलोक मेहरा ने वकालत के क्षेत्र में 50 वर्ष पूर्ण कर चुके वरिष्ठ अधिवक्ताओं को शॉल ओढ़ाकर एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला जज प्रशांत जोशी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष भगवत प्रसाद व सचिव दीपक रुवाली समेत कार्यकारिणी सदस्यों ने न्यायमूर्ति मेहरा को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति आलोक मेहरा ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को बार की अनमोल धरोहर बताया। कहा कि उनका अनुभव मार्गदर्शन और कार्यशैली ही किसी भी बार की वास्तविक शक्ति होती है। जिला बार को अपना घर बताते हुए उन्होंने अपने वकालत के दिनों को याद किया और

अधिवक्ताओं को सम्मानित करते हाई कोर्ट के न्यायाधीश आलोक मेहरा।

अधिवक्ताओं के साथ पुरानी स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि वकालत के दौरान उन्हें यहां बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उनके मार्गदर्शन से ही उनके अनुभव और दृष्टिकोण का निर्माण हुआ उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव से नई पीढ़ी के अधिवक्ताओं को निरंतर सीखने की प्रेरणा मिलती है और यही परंपरा न्याय व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने न्यायमूर्ति आलोक मेहरा का आभार व्यक्त किया। सचिव दीपक रुवाली ने न्यायमूर्ति मेहरा के जीवन और व्यक्तित्व को अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष शंकर सिंह चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर कंसल, मनीष मोहन जोशी, राजेश चंदोला, प्रभात पांडेय, राजेन्द्र कुमार पाठक, ओंकार गोस्वामी, ज्योति प्रकाश बोरा, अरुण बिष्ट, मंजू कोटलिया, सबीना उस्मान, प्रीति साह, कैलाश जोशी, गिरीश खोलिया, बीके सांगुड़ी, संजय त्रिपाठी, भुवन जोशी, पुलक अग्रवाल, अजय बिष्ट, राकेश सुयाल, संजय सुयाल, अनिल बिष्ट, मुन्नी आर्या, किरन आर्या, जया आर्या, कामिनी गंगवार व संध्या सहित न्यायाधीश व अधिवक्ता रहे। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा ने कृष्णानंद भट्ट, एनके खोलिया, एमबी सिंह ढेला, घनानंद बर्थवाल, मान सिंह बिष्ट, हरीश चंद्र पांडेय, प्रकाश कांडपाल व सतीश पंत को सम्मानित किया।

हल्दूचौड़ महाविद्यालय में 22 यूनिट रक्त किया एकत्र

हल्दूचौड़ में आयोजित शिविर में रक्तदान करता युवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचारः लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में स्व. बालकिशन देवकी जोशी चैरिटेबल ब्लड सेंटर हल्द्वानी के सहयोग से 22 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. अनीता सिंह, ब्लड बैंक प्रभारी प्रकाश सिंह मेहता, रक्तदान संयोजक डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे, डॉ. भारत सिंह, डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. संजय काण्डपाल और हल्दूचौड़ ऑनलाइन संस्था अध्यक्ष मोहित जोशी ने किया। शिविर में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. संजय काण्डपाल, डॉ. हेम चन्द्र, रोहित नेगी, बालकृष्ण भाकुनी, सूरज बोरा ने भाग लिया। रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। संचालन उन्नत भारत अभियान संयोजक डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे ने किया।

आयोजन | मंडलायुक्त दीपक रावत ने किया साहित्य सम्मेलन का शुभारंभ

नैनीताल की चारखेत में लगा साहित्यकारों का मेला

- **नैनीताल में शुरू हुआ लिटरेचर फेस्टिवल, प्रो. पुष्पेश पंत ने साझा किए बचपन के संस्मरण**

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः चारखेत स्थित माउंटेन मैजिक में शुक्रवार से नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल शुरू हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुमाऊं आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत और साहित्यकार प्रो. पुष्पेश पंत ने संयुक्त रूप से किया। फेस्टिवल 15 मार्च तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश के लेखक और रचनाकार प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन अवसर पर प्रो. पंत ने नैनीताल को लेकर अपनी बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने अपनी नई किताब 'नैनीताला नैनीताला' के बारे में बताया, जो उनके 12 से 18 वर्ष की उम्र में अनुभव किए गए संस्मरणों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि नैनीताल में उनका बचपन अयारपाटा क्षेत्र और डीएसबी लंघम हाउस हॉस्टल में बीता। प्रो. पंत ने कहा, जिस नैनीताल को मैं जानता था, वह अब वैसा नहीं रहा। कुमाऊं आयुक्त ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम पर्यटन को बढ़ावा देने और चारखेत जैसी जगहों को नई पहचान देने में मदद करेंगे। फेस्टिवल में लेखक और फिल्मकार इंद्रजीत पंत ने राजुला मालूशाही फिल्म पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते प्रो . पुष्पेश पंत और मंडलायुक्त दीपक रावत व अन्य। ● अमृत विचार

नमाज अता कर मांगी अमन-चैन की दुआ

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः मुकद्दस रमजान के अलविदा जुमे पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में नमाज अदा की। नगर की जामा मस्जिद में इमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी और बड़ी मस्जिद में मुफ्ती शकील अहमद के नेतृत्व में नमाज अदा कराई गई। इसके अलावा नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की अन्य मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने अलविदा जुमे की नमाज अदा की।

नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अल्लाह की बारगाह में हाथ उठाकर देश में अमन-चैन, भाईचारे और कौम की तरक्की के लिए दुआ मांगी। उलमाओं ने कहा कि मुकद्दस रमजान का महीना रहमत और बरकतों का महीना होता है, जिसमें मुस्लिम समाज को अधिक से अधिक इबादत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रमजान सब्र, इंसानियत, भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद करने का पैगाम देता है। अलविदा जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोग कब्रिस्तान जाकर अपने बुजुर्गों की कब्रों पर पहुंचे और उनकी मगफिरत के लिए दुआएं कीं।

रामनगर में जुमे की नमाज अता करते मुस्लिम समाज के लोग। ● अमृत विचार

अकीदत के साथ अता हुई अलविदा की नमाज

नैनीताल : नैनीताल में रमजान के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अता की गई। मल्लीताल जामा मस्जिद में इमाम मुफ्ती अजमल काज़मी और तल्लीताल मस्जिद में इमाम मौलाना मोईम अहमद ने नमाज करवाई। नमाज के बाद रोजेदारों ने मुल्क में अमन-चैन, आपसी भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया और तल्लीताल अंजुमन कमेटी के कई सदस्य उपस्थित रहे। मस्जिदों में छोटे बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया।

सिटी ब्रीफ

मीनाक्षी का इंस्पायर योजना में चयन

ओखलकांडा : पहाड़ की प्रतिभा ने फिर अपनी पहचान साबित की है। राजकीय इंटर कॉलेज चकड़ोवा की कक्षा 6 की छात्रा मीनाक्षी आर्य का चयन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित प्रतिष्ठित इंस्पायर योजना 2025-26 के लिए हुआ है। नवाचारी विचार के लिए भारत सरकार ने प्रोत्साहन स्वरूप 10,000 रुपए का योगदान दिया है। जीआईसी के शिक्षकों ने इस उपलब्धि का श्रेय मीनाक्षी की मेहनत, बीईओ सुलेहिता नेगी के नेतृत्व और विज्ञान शिक्षक सुल्तान सिंह के मार्गदर्शन को दिया है। प्रधानाचार्य राजेंद्र ओझा के अनुसार, मीनाक्षी की यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। वहीं, बीईओ नेगी ने मीनाक्षी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विकास भगत ने बच्चों को स्कूल बैग बांटे

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने मिशन मुस्कान हर हाथ में स्कूल बैग अभियान के तहत शुक्रवार को कोटाबाग ब्लॉक के भीमपुरी गांव में नन्हे मुन्ने बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य स्कूल बैग वितरित कर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना है। साथ ही बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाएं और उन्हें शिक्षा मिल सकें। इस दौरान ग्राम प्रधान अनिल चनियाल, कुंदन बसेड़ा, हरीश गुर्रे, नीरज कुमार आदि रहे।

किशोरी लापता, भाई ने थाने में दी तहरीर

हल्द्वानी : मुखानी थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में किशोरी के भाई ने थाना मुखानी में तहरीर देकर उसकी तलाश करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार अंकित कुमार पुत्र राजकुमार, मूल निवासी ग्राम सिमरा बिठौली, तहसील मिश्रीक, जिला सीतापुर (उत्तर प्रदेश) वर्तमान में आरके टेंट हाउस के पास, रोला पुलिया के निकट किराये पर रह रहा है। उसने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 16 वर्षीय बहन उसके साथ हल्द्वानी में ही रहती थी। 11 मार्च को घर से बाहर गई थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। इसके बाद अंकित कुमार ने थाना मुखानी में लिखित तहरीर देकर पुलिस से बहन को ढूंढने में मदद की गुहार लगाई है।

ड्यूटी पर जा रही महिला कर्मी पर हमला, छेड़छाड़

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: ड्यूटी पर जा रही एक महिला संविदा कर्मचारी पर अज्ञात युवक ने हमला कर छेड़छाड़ की। घटना के बाद पीड़ित महिला और अस्पताल की अन्य महिला कर्मचारियों में दहशत है।

घटना शुक्रवार सुबह की है। रामनगर के सरकारी अस्पताल में संविदा पर तैनात एक महिला कर्मचारी सुबह घर से ड्यूटी के लिए अस्पताल जा रही थी। इसी दौरान घर से कुछ दूरी पर रेलवे पटरी के पास एक अज्ञात युवक ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक ने महिला का मुंह दबाकर उसे नीचे गिरा दिया और उसके साथ छेड़खानी करते हुए मारपीट करने लगा। इस दौरान आरोपी ने महिला का मोबाइल फोन भी छीन लिया। महिला ने साहस दिखाते हुए किसी तरह खुद को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। इस बीच युवक उसका फोन फेंककर मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने तुरंत फोन से अस्पताल स्टाफ को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही अस्पताल के चिकित्सक और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और डरी-सहमी महिला को अस्पताल ले आए, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। बाद में पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी को सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

गौलापुल से कूद रही महिला को साहसी युवक ने बचाया, बच्ची और महिला को पुलिस सुरक्षित साथ ले गई

बेटी के सामने जान देने को उतारू थी मां, दृश्य देख ठिठके लोग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दिल को झकझोर देने वाला यह दृश्य देखकर राहगीरों के कदम ठिठक गए, वाहन सवार भी जहां के तहां थम गए। शुक्रवार को शाम के चार बज रहे होंगे। लगभग 35 वर्षीय एक महिला शहर के गौला पुल से नीचे नदी में कूद कर आत्महत्या करने को प्रयासरत थी। उसकी आंखों में झर-झर आंसू थे। पास खड़ी उसकी छह साल की बच्ची मानो मूर्ति बन गई हो। उस बच्ची को नहीं समझ में आ रहा था कि क्या हो रहा है? वह क्या करे? कैसे करे?

तभी एक युवक ने हौसला दिखाया और उस महिला को पकड़कर पीछे खींचने लगा। अन्य भी उसके साथ आ गए। राहगीरों ने एकजुट होकर एक मासूम बच्ची की मां को मौत के मुंह में जाने से बचा लिया। चंद सेकेंड की चूक में अनहोनी हो जाती।

गौला पुल से कूदने की कोशिश करने वाली महिला बचाने के बाद रोती हुई। ● अमृत विचार

दरअसल, सलवार सूट पहने वह महिला पुल के बॉर्डर पर लगी रेलिंग को एक पैर से पार कर चुकी थी, दूसरा पैर उस पार करती कि उसका कपड़ा फंस गया। इसी बीच युवक ने उसे पकड़ा और बचाया। इसके बाद महिला और उसकी बेटी को पुलिस को सौंप दिया गया।

पेशे से पत्रकार गौलापार निवासी भूपेश कन्नौजिया ने बताया कि अपरान्ह करीब चार बजे वह स्कूटी से अपने घर से आ रहे थे और गौलापुल से गुजर रहे थे। देखा कि एक महिला गौलापुल से नीचे को लटक रही है और पास में एक बच्ची खड़ी है। भूपेश तुरंत ही समझ गए कि कोई अनहोनी होने वाली है।

स्कूटी को रोककर वह तुरंत ही उतरे और किसी तरह से महिला को बचाने के लिए पीछे की ओर खींचा लेकिन महिला आत्महत्या करने पर उतारू थी। इतने में अन्य लोगों ने भी देखा तो उन्हें माजरा समझते हुए देर नहीं हुई। दो-तीन और लोग पहुंच गए और किसी तरह महिला को पूरी तरह से पीछे की ओर घसीट लिया।

भूपेश ने तुरंत ही पुलिस को फोन किया। तुरंत ही पुलिस मौके पर पहुंची। महिला (राजपुरा निवासी) की बेटी ने रोते हुए बताया कि उसकी मां परेशान रहती है। पुलिस महिला और उसकी बेटी को लेकर तुरंत ही वहां से चली गई। फिलहाल भूपेश व अन्य लोगों की सूझबूझ से एक महिला की जान बच गई।

महिला व्यापारी से मारपीट पर मुकदमा दर्ज

3 नामजद सहित 7-8 अज्ञात लोगों के खिलाफ दी तहरीर, कहा-पहले सोशल मीडिया में भी दी गई धमकी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: काठगोदाम थाना क्षेत्र में एक महिला व्यापारी के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता ने थाना काठगोदाम में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जोशी कॉलोनी, छोटी मुखानी निवासी सुनीता भट्ट (34) पत्नी हरवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका छोटा व्यापार चौपाटी के पास वुडपेकर के निकट चलता है। आरोप है कि 11 मार्च को ज्योति अधिकारी, उसके पति गोपाल अधिकारी, कमल जोशी और 7-8 अन्य लोग उनके कार्यस्थल पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। पीड़िता के अनुसार, घटना से पहले सुबह करीब 11 बजे फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के माध्यम से उन्हें धमकी दी गई थी कि शाम को उनके ठेले पर आकर उन्हें मारा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्योति अधिकारी द्वारा कई लोगों से फोन कराकर भी उन्हें मारने, बेइज्जत करने और उनकी 7 साल की बेटी को उठाने की धमकी दिलवाई गई। तहरीर में कहा गया है कि शाम करीब 6:30 बजे आरोपी फिर से 7-8 लोगों के साथ आए और उनके साथ मारपीट की। इस दौरान उनका सामान भी तोड़ दिया गया तथा लोगों के सामने उनके कपड़े फाड़ने का प्रयास किया गया। महिला ने पुलिस से अपनी और अपनी बेटी की सुरक्षा तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सुनीता भट्ट। ● अमृत विचार

सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल वीडियो

हल्द्वानी : सुनीता भट्ट और ज्योति अधिकारी दोनों ही सोशल मीडिया के चर्चित चेहरे हैं। दोनों के आपसी विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो पर लोगों ने काफी प्रतिक्रिया भी दी थीं।

लेन-देन को लेकर विवाद, युवक पर कैंची से हमला

हल्द्वानी : बनभूलपुरा क्षेत्र में कपड़ों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर कैंची से हमला कर दिया गया। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके सीने में चार टांके आए और उसे पांच दिन तक आईसीयू में रखा गया। नई बस्ती आस्ताना मस्जिद निवासी अनस पुत्र फारुख ने कोतवाली बनभूलपुरा में दी तहरीर में बताया कि 13 फरवरी की रात करीब आठ बजे वह अस्पताल के पास नई बस्ती स्थित जावेद की दुकान पर कपड़े लेने गया था। इस दौरान कपड़ों के लेन-देन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी दौरान जावेद ने गाली-गलौज शुरू कर दी। तहरीर के अनुसार थोड़ी देर में जावेद का भाई मुस्तफा भी वहां आ गया और उसने अनस को पकड़ लिया। आरोप है कि जावेद ने डंडे से हमला किया, जबकि मुस्तफा ने भी मारपीट की। इसी बीच जावेद की बहन भी मौके पर पहुंच गई और उसने भी मारपीट की। आरोप है कि जावेद ने दुकान में रखी कैंची से छाती पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसकी पत्नी शन्नों मौके पर पहुंची और उसे बेस अस्पताल हल्द्वानी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार किया। घायल के अनुसार उसके सीने में चार टांके आए। उसका अब भी इलाज चल रहा है।

वृद्धा ने बहू पर मारपीट करने का आरोप लगाया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: थाना मुखानी क्षेत्र में एक 73 वर्षीय वृद्ध महिला ने अपनी बहू पर गाली-गलौच, जान से मारने की धमकी देने और घर में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

आदर्श नगर गली नंबर-4 निवासी हेमा पांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 मार्च की सुबह उनकी बहू अनुराधा पांडे ने उन्हें बेवजह गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उस समय घर में पेंट का काम कर रहे मजदूरों को भी धमकाकर भगा दिया और कहा कि यदि वे काम करेंगे तो उन्हें छत से धक्का दे देगी, जिससे घर का काम रुक गया। पीड़िता का आरोप है कि बहू ने उनके ऊपर गंदा पानी भी डाल दिया। इसके बाद 9 मार्च की सुबह करीब 7:30 बजे फिर उनके कमरे में आकर गाली-गलौच और चीख-पुकार करने लगी। महिला का कहना है कि वह पिछले आठ वर्षों से अलग अपने भतीजे के मकान में रह रही हैं, लेकिन उनकी बहू वहां आकर उन्हें लगातार परेशान करती है।

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बहू घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश कर रही है और इन्वर्टर बंद कर उसे खराब कर रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वृद्ध महिला का कहना है कि वह बीमार हैं और बहू के इस व्यवहार से उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। महिला ने यह भी बताया कि उनकी बहू उसी मकान की दूसरी मंजिल में रहती है, जिसे उन्होंने वर्ष 2025 में पुराने भवन को तोड़कर नया बनवाया था, लेकिन अब उन्हें ही घर में आने से रोका जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा प्रदान करने और मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

किडनी रोगों को लेकर जागरूक रहने की अपील

उजाला सिग्नस सेंट्रल हॉस्पिटल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद लोग।

संवाददाता, हल्द्वानी

- स्वस्थ जीवनशैली अपनाना किडनी के लिए आवश्यक
- वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एचएस भंडारी ने किडनी रोगों की जानकारी दी

अमृत विचार: विश्व किडनी दिवस के अवसर पर उजाला सिग्नस अस्पताल में किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एचएस भंडारी ने किडनी रोगों के कारण, उनके लक्षण और समय पर उपचार की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान जोनल हेड तेज सिंह, यूनिट हेड अभिषेक दुबे, एमएस डॉ. एमके बाबा, सीनियर मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. शलभ अरोरा और एएमएस डॉ. नवनीत सहित अस्पताल के अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। डॉक्टरों ने बताया कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना, संतुलित आहार लेना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना किडनी को स्वस्थ रखने के लिए बेहद जरूरी है।

अस्पताल प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे अपनी किडनी की सेहत के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें, ताकि समय पर उपचार संभव हो सके।

किसानों के हित में करें काम : भगत

विधायक बंशीधर भगत का स्वागत करते भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों ने शुक्रवार को विधायक बंशीधर भगत से ऊंचापुल स्थित आवास पर मुलाकात की।

विधायक भगत ने कहा कि भाजपा सदैव से किसानों के हितों और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। किसान मोर्चा संगठन का एक महत्वपूर्ण और सशक्त अंग है, जो किसानों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को संगठन तथा सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से जो जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, वह किसानों की सेवा और उनके अधिकारों के लिए कार्य करने का अवसर है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा और नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों को दिलाने की अपेक्षा जताई। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश उपाध्याय, जिला महामंत्री विपिन चंद्र कांडपाल, जिला सोशल मीडिया संयोजक सोबन सिंह भड़, जिला सोशल मीडिया सह-संयोजक प्रमोद बिष्ट, जिला कार्यकारिणी सदस्य अनिल कांबोज, भगवान तिवारी आदि रहे।

घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर उड़ाए

हल्द्वानी : मुखानी थाना क्षेत्र की आदर्श कॉलोनी गौड़ धड़ा में बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी तहरीर में हेम चन्द्र लोहनी पुत्र भुवन चन्द निवासी आदर्श कॉलोनी गौड़ धड़ा ने बताया कि वह 2 मार्च को अपने परिवार के साथ पैतृक गांव थापला, ताकुला जिला अल्मोड़ा गए थे। 5 मार्च को जब वह वापस हल्द्वानी लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर रखे सोने के जेवरात- मटरमाला (2 तोला), पाइपमाला (डेढ़ तोला), नथ (सवा तोला), मांगटीका (6 आना), पोंची (2 तोला), झुमका (एक जोड़ी सवा तोला) और हार (2 तोला) सहित करीब 7000 रुपये नकद चोरी हो चुके थे।

अलविदा जुमा पर मस्जिदों में भाईचारे और एकता का संदेश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रमजान-उल-मुबारक के आखिरी शुक्रवार को शहर की सभी प्रमुख मस्जिदों में अलविदा जुमा की नमाज पूरी अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। जामा मस्जिद, बंजारन मस्जिद, नमरा मस्जिद, मस्जिद उमर, सुनहरी मस्जिद, लाल मस्जिद, एक मिनार मस्जिद, रजा मस्जिद और ख्वाजा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अता की और दुआओं में शामिल हुए।

जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद आजम कादरी ने बताया कि अलविदा जुम्मे की नमाज के दौरान विशेष खुतबा पढ़ा गया, जिसमें मुल्क में अमन, चैन और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं। इमाम ने सभी से शांति, भाईचारे और ईमानदारी के साथ जीवन व्यतीत करने का संदेश भी दिया। शहरवासियों ने इस मौके पर मस्जिदों में उमड़ी भीड़ के बीच अनुशासन बनाए रखा और नमाज के बाद एक-दूसरे को रमजान की आखिरी जुमे की मुबारकबाद दी।

जामा मस्जिद में अलविदा जुमा की नमाज अता करते नमाजी। ● अमृत विचार

साथ ही इमाम कादरी ने कहा कि अलविदा जुमे की नमाज केवल एक धार्मिक रिवाज नहीं, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता की मिसाल भी है। शहर में रमजान के आखिरी जुम्मे पर आयोजित अलविदा नमाज ने धार्मिक और सामाजिक महत्व को उजागर किया।

बाइक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत

हल्द्वानी : नैनीताल रोड पर बेस अस्पताल के सामने मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में रिक्शा चालक की मौत हो गई। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही मोटरसाइकिल ने रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हरीश सिंह निवासी लालडांठ की दी तहरीर के अनुसार 10 मार्च की रात करीब 9:30 बजे नैनीताल रोड स्थित वेस अस्पताल के सामने नरेश कुमार सिंह पुत्र हरीश सिंह रिक्शा चला रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल चालक ने उनके रिक्शे को टक्कर मार दी। टक्कर से नरेश कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें एसटीएच रेफर कर दिया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज धौलाखेड़ा में दो दिवसीय भोजन माता प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भोजनमाताओं को पोषण व स्वच्छता का प्रशिक्षण दिया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज धौलाखेड़ा में दो दिवसीय भोजन माता ट्रेनिंग प्रोग्राम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पीएम पोषण स्कीम के अंतर्गत स्कूलों में मिड-डे- मील तैयार करने और उनके संचालन की जिम्मेदारी को लेकर आयोजित किया गया।

ट्रेनिंग प्रोग्राम में 23 भोजन माताओं ने प्रतिभाग किया। ट्रेनिंग के दौरान भोजन माताओं को योजना के उद्देश्य, सामाजिक समानता, सामुदायिक सहभागिता, खाद्यान्न मानक, पोषक तत्वों की जानकारी, कुकिंग कॉस्ट, बच्चों के विकास में भोजन की भूमिका और संतुलित आहार के महत्व पर जानकारी दी गई। साथ ही भोजन और स्वास्थ्य के बीच संबंध, स्वस्थ रहने के उपाय, स्थानीय खाद्य पदार्थों का उपयोग, खाद्य सामग्री की स्वच्छता, रसोईघर की साफ-सफाई और सुरक्षित पेयजल के महत्व पर भी विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षाधिकारी तारा सिंह ने भोजन माताओं से कहा कि वे स्कूल को अपना घर समझें और बच्चों को अपने बच्चों की तरह भोजन परोसें। उन्होंने कहा कि भोजन माताएं अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। बताया कि उनके मानदेय के संबंध में विभाग की ओर से उचित कार्रवाई की जा रही है। कार्यक्रम में रसोईघर में पाए जाने वाले कीटों की रोकथाम, सब्जियों की गुणवत्ता की पहचान, रसोई उपकरणों के सुरक्षित उपयोग, स्कूल में आग से बचाव व बच्चों, भोजन माताओं और स्कूल की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त सोशल ऑडिट, अतिरिक्त पोषण मानकों के उपयोग और विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर डिकर सिंह पडियार, कौशल किरन पांडे, अनीता, कमला, संतोष, चंद्र देवी, रामदेवी, पदमा मंडल, कुसुम देवी, मंजू जोशी, रमा देवी आदि रहे।

भोजनमाताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद बीईओ तारा सिंह, भोजनमाताएं व अन्य। ● अमृत विचार

बिल न चुकाने पर जल संस्थान ने काटे संयोजन

हल्द्वानी: जल संस्थान ने बकाया पानी बिल की वसूली को लेकर शुक्रवार को राजपुरा गौला क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान विभाग की टीम ने बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर कार्रवाई की। अभियान के तहत 10 से अधिक बकायेदारों के पानी के कनेक्शन काटे गए। साथ ही करीब 1.50 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली भी की।

जल संस्थान की टीम ने क्षेत्र में अवैध पानी के कनेक्शनों की भी जांच की और जहां अवैध कनेक्शन पाए गए, उन्हें भी काटने की कार्रवाई की गई। जल संस्थान के सहायक अभियंता रविन्द्र कुमार ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय से पानी के बिल का बकाया है, उनके खिलाफ वसूली अभियान चलाया जा रहा है।

राज्य आंदोलनकारियों ने विभिन्न मांगें उठाईं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- पेंशन में वृद्धि व 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू करने पर दिया जोर

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्यआंदोलनकारी मंच की बैठक शुक्रवार को तिकोनिया स्थित लोनिवि विश्राम गृह में संपन्न हुई। इसमें पेंशन वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा हुई।

जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि राज्य सरकार की घोषणा के बाद भी राज्यआंदोलनकारियों की पेंशन वृद्धि नहीं हो सकी है। उन्होंने पेंशन वृद्धि, सरकारी भर्तियों में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण और सीएम पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अनुरूप हाउस टैक्स माफी को जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद से अब तक सभी अधिकारियों और नेताओं की संपत्तियों की जांच होनी चाहिए। सरकारी नौकरियों में सिर्फ राज्य के लोगों को ही मौका दिया जाए। इससे पूर्व जिलाध्यक्ष बिष्ट का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट दफ्तर में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कमल जोशी, ज्योत्सना पांडे, भगवती बिष्ट, कैलाश शाह, जगमोहन बगड़वाल, राजेंद्र नेगी, हेमचंद पाठक, प्रदीप अनेरिया, कांति जोशी, भुवन चंद तिवारी, मोहन तिवारी, इसाक खान, डॉ. बालम बिष्ट, राजेंद्र खनवाल, दीपक, पुष्पा आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

सोशल मीडिया पर हथियार दिखाना पड़ा भारी

रुद्रपुर : जनपद पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ 15 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले ही दिन पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से 5 तमंचे और 13 कारतूस बरामद किए हैं।एसएसपी अजय गणपति कुंभार के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में कोतवाली जसपुर, रुद्रपुर और सितारगंज पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से इन टशनबाजों को दबोचा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हथियारों के साथ प्रदर्शन करने वालों की निगरानी के लिए विशेष दल बनाया गया है और यह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सिरौली कला में कार बनी आग का गोला

किच्छा : पुलभट्टा थाना अंतर्गत सिरौली कला क्षेत्र में शुक्रवार को अज्ञात कारणों के चलते एक चलती कार में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और वार्ड नंबर 18 निवासी मोहम्मद आरिफ की रेनॉल्ट क्विड कार धूं-धूं कर जल उठी। घटना की सूचना पर दमकल टीम प्रभारी मदन सिंह रावत के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची, लेकिन रास्ता संकरा होने के कारण मुख्य दमकल वाहन घटनास्थल तक नहीं पहुंच सका। स्थिति को देखते हुए तुरंत छोटे दमकल वाहन को बुलाकर आग पर काबू पाया गया, हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। इस दौरान पुलभट्टा थाना पुलिस और दमकल कर्मी प्रमोद सोन, भवान सिंह व धीरज राणा राहत कार्य में जुटे रहे।

महिला आयोग की चेतावनी, हमारे निर्देशों को हल्के में न ले कोई विभाग

जिला सभागार में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने सुनीं शिकायतें

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय महिला आयोग के अभियान ''महिला आयोग आपके द्वार'' के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने जिला सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने 12 समस्याओं की सुनवाई की।

शुक्रवार को जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा और सामाजिक योजनाओं से जुड़ी अपनी समस्याएं आयोग के समक्ष रखीं। इस दौरान आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आयोग का लक्ष्य उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं तक पहुंचकर उन्हें न्याय दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। महिला आयोग आपके द्वार पहल इसी दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि महिला आयोग के निर्देशों को कोई भी विभाग हल्के में न ले। पुलिस विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया कि यदि कोई महिला अपनी समस्या या शिकायत लेकर आए तो उन्हें मायूस होकर न जाना पड़े। उन्हें संतुष्ट करके भेजें और उनकी समस्या को धैर्य से सुनते हुए उनके साथ मधुर व्यवहार बनाए रखें।

जनसुनवाई के दौरान 12 फरियादियों ने अपनी समस्याओं को आयोग के सम्मुख रखा, जिनमें से कई संवेदनशील मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि गंभीर प्रकरणों को आगामी कार्यवाही के लिए आयोग मुख्यालय देहरादून प्रेषित किया गया। इस दौरान जनसुनवाई में कई लोगों ने पति पत्नी, संपत्ति विवाद, घरेलू हिंसा के संबंध में अपनी शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर अध्यक्ष ने उक्त महिलाओं की वन स्टॉप सेंटर में काउंसलिंग कराने तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त आयोग ने एक पीड़िता को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क अधिवक्ता भी उपलब्ध कराने को कहा गया।

जिला सभागार में जन समस्याएं सुनतीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल। ● अमृत विचार

ये लोग रहे मौजूद

राज्य महिला आयोग की सदस्य कंचन कश्यप, महापौर विकास शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास मुकुल चौधरी, प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, सीओ प्रशांत कुमार, डीआर वर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एसपी सिंह आदि उपस्थित रहे।

जीबी पंत विवि में अखिल भारतीय किसान मेला और प्रदर्शनी शुरू

- मेले में किसानों की विभिन्न समस्याओं का किया समाधान
- किसानों को विवि के विभिन्न अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्रों का कराया भ्रमण

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आयोजित चार दिवसीय 119वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के प्रथम दिन गांधी हाल में किसानों के लिए विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के पशु रोग विभाग के वैज्ञानिकों ने पशुओं में रोग प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उपस्थित किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

शुक्रवार को प्रदर्शनी के दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों को पशुओं में होने वाले प्रमुख रोगों की पहचान, रोकथाम और उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में जागरूक किया। साथ ही पशुपालन में स्वच्छता, संतुलित आहार एवं समय पर उपचार की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। इस दौरान किसानों की विभिन्न समस्याओं का समाधान भी किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों ने सस्य विज्ञान, उद्यानिकी, सब्जी उत्पादन, मोटे अनाज, पर्वतीय कृषि, फसल सुरक्षा एवं प्रबंधन, पुष्प एवं फल उत्पादन आदि विषयों पर आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में भाग लेते हुए किसानों को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की।

किसान मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्रों का भ्रमण भी कराया गया। इस दौरान किसानों ने मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, फसल अनुसंधान केंद्र, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन इकाई, डेयरी और पोल्ट्री फार्म का अवलोकन कर आधुनिक कृषि एवं पशुपालन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान ने किसान मेले में विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों, विभिन्न विभागों, सरकारी एवं निजी संस्थानों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। साथ ही वहां प्रदर्शित नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत किस्मों एवं कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को मेले में आने वाले किसानों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

किसान मेले में स्टॉलों का निरीक्षण करते विवि के कुलपति प्रो .मनमोहन सिंह चौहान।

श्रमिकों ने श्रम भवन में किया प्रदर्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विभिन्न कंपनियों में अविधिक स्थानांतरण पर रोक लगाने, न्यायालयों के आदेशों का अनुपालन कराने, ट्रेड यूनियनों से संबंधित लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मांग को लेकर श्रमिक संयुक्त मोर्चा ने श्रम भवन रुद्रपुर में प्रदर्शन किया। साथ ही मांगों को एक ज्ञापन उप श्रमायुक्त को सौंपा।

शुक्रवार उप श्रमायुक्त को सौंपे ज्ञापन में मोर्चा के पदाधिकारियों ने बजाज ऑटो, नील मेटल, बेलराइज, इंटरपंप हाइड्रोलिक आदि के श्रमिकों के आवधिक स्थानांतरण पर तत्काल रोक लगाने, व्हेरॉक, अपेक्स बिल्डसिस, इंटरार्क आदि में न्यायालयों के आदेशों का परिपालन कराते हुए समस्त पीड़ित श्रमिकों की तत्काल कार्य बहाली कराने और डेल्टा, भगवती आदि यूनियन विधान संशोधन पंजीकृत करने एवं श्रमिक समस्याओं और विवादों के त्वरित निस्तारण की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि श्रम अधिकारी प्रबंधन की मनमानी पर रोक लगाने और श्रमिकों को न्याय देने के लिए ठोस कदम नहीं उठाते हैं तो श्रमिक संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में सिडकुल के मजदूर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर श्रमिक संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी, महासचिव चंद्र मोहन लखेड़ा, सीएसटीयू के महासचिव मुकुल, पवन कुमार मौजूद रहे।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
जनपद-अल्मोड़ा

- "आयुष्मान भारत" प्रधानमन्त्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 5 लाख रूपया प्रतिवर्ष तक के स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ उठायें।
- पी०सी०पी०एन०डी०टी० एक्ट 1994 के अन्तर्गत किसी भी रूप में भ्रूण का लिंग निर्धारण करना या कराना प्रतिबन्धित है, उल्लंघन करने पर कठोर दण्ड का प्रावधान है। जिसमें जुर्माना और कारावास हो सकता है।
- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख, गर्भाशय एवं स्तन कैंसर की जांच, प्रसव पूर्व एवं पश्चात देखभाल सेवायें, टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवायें तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श हेतु अपने नजदीकी "आरोग्य मन्दिर हैल्थ एवं वैलनैस सेन्टर" में अवश्य जायें।
- सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में जच्चा-बच्चा के सुरक्षित स्वास्थ्य हेतु प्रसव उपरान्त सरकारी अस्पताल में 48 घंटे तक रूकने वाली सभी पात्र प्रसुताओं को "ईजा-बोई" योजना के अन्तर्गत रू० 2000/ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।
- जनपद के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी नैदानिक संस्थानों (चिकित्सालय / क्लीनिक / पैथोलोजी लैब) का "नैदानिक स्थापन अधिनियम 2010" के अन्तर्गत अस्थाई एवं स्थाई पंजीकरण कराना आवश्यक है।
- जनपद को अनीमिया मुक्त बनाने के लिए 6 माह से 19 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को आयरन की खुराक नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा सरकारी स्कूलों में उपलब्ध है।
- कोई भी सुन्न दाग, चकत्ता कुष्ठ रोग का लक्षण हो सकता है। नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाँच करायें एवं निःशुल्क उपचार प्राप्त करें। कुष्ठ रोग "एम०डी०टी०" से पूर्णतया ठीक हो जाता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
अल्मोड़ा

जिला अधिकारी
अल्मोड़ा

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अल्मोड़ा

पत्रांक : आई०ई०सी०/2025-26/17704-07 दिनांक : 13 मार्च, 2026

कार्यालय-नगर पंचायत गूलरभोज, (ऊधम सिंह नगर)
ई-मेल : eonpgularbhoj@gmail.com

पत्रांक : 773/2025-26
दिनांक : 13-03-2026

ठेका निलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष-2026-27 एवं 2027-28 (02 वर्ष) हेतु नगर पंचायत गूलरभोज के निम्नलिखित ठेके की खुली बोली/ नीलामी दिनांक-26-03-2026 को समय प्रातः 11:00 बजे से नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में की जायेगी। अतः इच्छुक व्यक्ति / ठेकेदार को नियत तिथि एवं समय से पूर्व जमानत धनराशि की निर्धारित राशि नगद / एफ०डी०आर० के रूप में कार्यालय में जमा करानी होगी। ठेके की उच्चतम बोली को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा। ठेके के सम्बन्ध में निर्धारित शर्ते एवं अन्य जानकारी किसी भी कार्यदिवस में नगर पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ठेके का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र० सं०	ठेके का नाम	जमानत धनराशि	ठेके की अवधि
1	ठेका साप्ताहिक हाट बाजार एवं दैनिक तहबाजारी।	78,000.00	01-04-2026 से 31-03-2028 तक

ठेके की मुख्य शर्तेः-

1. सार्वजनिक बोली में प्रतिभाग किये जाने लिए प्रत्येक बोलीदाता द्वारा बोली से पूर्व Non Refundable Amount रूपये 1000.00 (एक हजार रूपये) जमा करना अनिवार्य होगा।
2. बोलीदाता उत्तराखण्ड राज्य का स्थाई निवासी होना अनिवार्य है।
3. बोलीदाता को ठेका नीलामी प्रारम्भ होने से पूर्व अपना हैसियत एवं चरित्र प्रमाण-पत्र (चरित्र एवं हैसियत प्रमाण पत्र 06 माह पूर्व का ना हो) तथा स्थाई निवास प्रमाण-पत्र (जो उपजिलाधिकारी द्वारा जारी किया गया हो) प्रस्तुत करना होगा।
4. नगर पंचायत के किसी प्रकार के बकायेदार को बोली में प्रतिभाग करने का अधिकार नहीं होगा।
5. ठेकेदार को ठेके की धनराशि के अतिरिक्त 18 प्रतिशत जी०एस०टी० का भुगतान पृथक से नगर पंचायत कार्यायल में जमा करना होगा।
6. उपरोक्त शर्तों एवं संबन्धित उपनियमों की शर्तों को पूर्ण न करने पर ठेका तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए जमानत राशि नगर पंचायत के पक्ष में जब्त हो जायेगी।

(राजकुमार भारती)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, गूलरभोज
(उधम सिंह नगर)

(श्री सतीश चुघ)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, गूलरभोज
(उधम सिंह नगर)

दिल्ली से भागकर आए किशोर पकड़े

रुद्रपुरः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो किशोर व दो किशोरियों को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि नाबालिग दिल्ली के रहने वाले हैं और घरवालों से नाराज होकर रुद्रपुर आ गए थे। पुलिस ने बच्चों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह साढ़े 8 बजे गंगापुर रोड स्थित शैलजा फार्म के समीप 13 से 14 वर्ष की आयु के दो किशोर-दो किशोरी संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए दिखाई दिए। जब स्थानीय लोगों ने नाबालिगों को पकड़ा और पूछताछ की तो सभी सकपकाने लगे। जब लोगों ने घबराता हुआ देखा और थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वह सभी दिल्ली के रहने वाले हैं और 2 मार्च को परिवार वालों से नाराज होकर भागकर रुद्रपुर आए थे।

अटरिया मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण की कवायद शुरू

- महापौर के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण
- अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के दिए निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नगर निगम और जिला प्रशासन ने अब दूसरे चरण डीडी चौक से लेकर अटरिया मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण की कवायद शुरू कर दी है। महापौर विकास शर्मा ने जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और लोनिवि के अधिकारियों के साथ पूरे मार्ग का सघन निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की रूपरेखा पर व्यापक मंथन किया। साथ ही अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को महापौर विकास शर्मा, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम गौरव पांडे और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने संयुक्त रूप से मार्ग का स्थलीय सर्वे किया। टीम ने पैदल चलकर सड़क के दोनों ओर की स्थिति देखी और उन अवरोधों व अतिक्रमण को चिन्हित किया जिन्हें हटाया जाना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने नवनिर्मित बस टर्मिनल के कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को दो टूक शब्दों में कहा कि टर्मिनल का काम जल्द पूरा कर इसे जनता के लिए समर्पित किया जाए। ताकि शहर के भीतर बसों के कारण लगने वाले जाम पर लगाम लग सके।

महापौर ने कहा कि फेज-2 का काम शुरू करने के लिए सभी संबंधित विभागों लोनिवि, विद्युत विभाग और विकास प्राधिकरण के साथ तालमेल बैठा लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चौड़ीकरण की जद में आने वाले किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। कारण शहर का विकास और आम जनता की सुविधा सर्वोपरि है। इस दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि अटरिया मोड़ से आदर्श कॉलोनी और इंदिरा कॉलोनी को जोड़ने के लिए मिनी बाईपास का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिसकी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि यह मिनी बाईपास भविष्य में रुद्रपुर के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा और मुख्य हाईवे पर दबाव को काफी हद तक कम कर देगा। महापौर ने प्रतिबद्धता दोहराई कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में रुद्रपुर में विकास का यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है और आने वाले समय में मुख्य सड़कों के साथ-साथ आंतरिक सड़कों का जाल भी बिछाया जाएगा। ताकि कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा सके। महापौर ने कहा कि विकास का यह सिलसिला थमने नहीं दिया जाएगा। सर्वे के दौरान नगर निगम और जिला विकास प्राधिकरण के कई वरिष्ठ अभियंता और कर्मचारी मौजूद रहे।

डीडी चौक से अटरिया मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण का निरीक्षण करते महापौर।

हत्या के प्रयास के दोषी को सात साल की सजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः वर्ष 2017 में हत्या के प्रयास प्रकरण की सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने एक दोषी को सात वर्ष का कठोर कारावास, जबकि पिता-पुत्र को छह माह का कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद निर्णय दिया।

एडीजीसी दांडिक अनिल सिंह ने बताया कि 25 अप्रैल 2017 को किच्छा के रहने वाले जाकिर अली ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके बड़े भाई जुम्मा का पड़ोसी अहमद शाह से भूसा डालने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि अभियुक्त ने अपने पिता नजाकत अली उर्फ जग्गा व भाई दिलशाद अली के साथ मिलकर भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। जब पत्नी बहन बीच बचाव को आई तो उसे भी घायल कर दिया। कई दिनों तक उपचार के बाद भाई की जान बची।

इस दौरान प्रकरण को लेकर प्रधान के हस्तक्षेप के बाद अभियुक्तों ने आश्वासन दिया था कि घायलों का उपचार का खर्च दिया जाएगा, लेकिन 13 जुलाई 2017 को समझौता तोड़ दिया था। प्रकरण की सुनवाई द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में हुई। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने 307 के दोषी नजाकत अली उर्फ जग्गा को सात साल कठोर कारावास व 15 हजार रुपये अर्थदंड के अलावा एक्ट 323 के दोषी अहमद शाह व दिलशाद को छह माह का कारावास और दो हजार रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों का स्वागत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ऊधमसिंह नगर ने जिला कार्यालय में नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्या, जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र चौधरी और जिला प्रभारी अमित कुमार पांडेय, जिला महामंत्री तरुण दत्त, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी ललित राठौर उपस्थित रहे।

शुक्रवार को ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पदाधिकारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पद मिलना केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जिम्मेदारी है। नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कई पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष पद मिलने के बाद भी न तो प्रदेश नेतृत्व से मिले और न ही सांगठनिक बैठकों में सक्रिय दिख रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन में पहचान केवल काम और सक्रियता से होगी। उदासीनता बरतने वालों के लिए संगठन में कोई स्थान नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्या एवं जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को आगामी चुनावों और बूथ स्तर पर मजबूती के लिए गुरु मंत्र दिया। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष हरजीत राठी, जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल चंद, जिला उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश यादव, जिला मंत्री सचिन रस्तोगी, जिला मंत्री बलबीर कंबोज, जिला कोषाध्यक्ष दीपक गिरी, जिला कार्यालय मंत्री राकेश लोधी, जिला मीडिया संयोजक राजकुमार चौहान, जिला मीडिया से संयोजक मुकेश राठौर, जिला सोशल मीडिया सह संयोजक अजीत सिंह, अशोक वर्मा आदि मौजूद रहे।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारी व अतिथि।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE
कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com
असवानी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी-263132
आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम- श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम- अनिल कुमार, 9927028507

भौतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से ''कर्जदार'' कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/UDA/RUDR/A000000191 श्री बियंत सिंह और श्रीमती हरभजन कौर, दोनोंः सलमती, सीतारगंज, बिदौरा मझोला, सीतारगंज, नानकमता, ग्रामीण, सीतारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262405	30-08-2024 / 11-03-2026 भौतिक	₹ 12,85,095 दिनांक 28-08-2024 तक + ब्याज इत्यादि	खाता नं 87, एनए,गांव सलमती, सलमता, यू.पी तहसील नानकमाट्टा, यूएस नगर,गुरुद्वारा सिंह सभा सलमती, सीतारगंज, उत्तराखंड-262405 प्लॉट क्षेत्र-2000, सीमाः उत्तर- 10 फीट रोड, दक्षिण- हरवंश सिंह की भूमि, पूर्व- गुरनम सिंह के पश्चिम, पश्चिम- 10 फीट रोड

दिनांक : 12-03-2026, स्थान : हल्द्वानी
प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

किच्छा में निरीक्षण के दौरान जानकारी हासिल करती पैनल की टीम। ● अमृत विचार

पैनल की टीम ने किया राजकीय महाविद्यालय का निरीक्षण

किच्छा : नगर स्थित राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2026- 27 के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता के लिए पैनल टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। पैनल टीम की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभाग से प्रोफेसर रजनीश पांडे द्वारा की गई। जबकि महाविद्यालय में संचालित सभी 6 विषय इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, हिंदी, अंग्रेजी एवं अर्थशास्त्र विषयों के विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय की टीम ने पैनल निरीक्षण किया। टीम में उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तराखंड द्वारा नामित सरदार भगत सिंह राजकीय महाविद्यालय रुद्रपुर के प्रोफेसर एएन सिंह ने भागीदारी निभाई। टीम द्वारा महाविद्यालय के सभी आधारभूत स्रोत व अन्य विषयों का व्यापक रूप से परीक्षण किया गया और महाविद्यालय की सभी योजनाओं, विषयों और अन्य आधारभूत सुविधाओं के लिए संतोष जताया।

ब्रीफ न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से मादा तेंदुए की मौत

रुद्रपुर : टांडा जंगल से भटककर नैनीताल-हल्द्वानी हाईवे पर आई एक दो वर्षीय मादा तेंदुए की सड़क हादसे में मौत हो गई। गुरुवार देर रात हल्द्वानी रेलवे क्रॉसिंग के समीप सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेंदुआ हाईवे किनारे जा गिरा और घंटों तड़पने के बाद उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी एक राहगीर ने वन विभाग को दी, जिसके बाद एसडीओ शशि देव और रेंजर रूप नारायण गौतम सहित वन विभाग की टीम और डॉक्टरों ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद तेंदुए के शव को नियमानुसार दफना दिया गया। एसडीओ शशि देव ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में वन्यजीवों की सक्रियता को देखते हुए अक्सर वाहनों की गति नियंत्रित रखने की अपील की जाती है, लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनहितकारी योजनाओं को लेकर कुटरी में हुई चौपाल

खटीमा : भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक डॉ. नवीन भट्ट ने ग्राम कुटरी में चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपलब्धियां गिनाईं। डॉ. भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खटीमा में बाईपास, बस अड्डा, आधुनिक स्टेडियम और गौशाला निर्माण जैसे कार्यों से विकास को नई गति दी है। उन्होंने खटीमा-मझोला और खटीमा-मेलाघाट जैसे महत्वपूर्ण सड़क मार्गों की स्वीकृति व निर्माण का उल्लेख करते हुए सीएम का आभार जताया। इस अवसर पर भीम सिंह, शरद राना, चरण सिंह, अजय कुमार, रामचंद्र, गुड़िया देवी, श्रवन कुमार, संजू राना, निकिता, मंजू, जसवंती देवी, प्रवेशवती देवी, गीता देवी, संजू देवी, नीता देवी, राजकुमारी, मंगला देवी, कमला देवी, कमला देवी, अनीता देवी, आशा देवी, दुलारी देवी, देवी, पुष्पा देवी, गोमती देवी, सीमा राना आदि मौजूद रहे।

किसानों के खातों में आई सम्मान निधि की 22वीं किस्त

बाजपुर : शुक्रवार शाम मंडी समिति कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के वितरण का लाइव प्रसारण किया गया। मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री मंजीत सिंह राजू की उपस्थिति में किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। इस दौरान डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में सम्मान निधि की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। मंत्री मंजीत सिंह राजू ने कहा कि यह योजना छोटे व सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। किसानों ने इस कदम को कृषि हित में क्रांतिकारी बताया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि रमेश गर्ग, मंडी सचिव कैलाश चंद्र शर्मा व क्षेत्र के किसान व व्यापारी मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद वीडियो किया वायरल

किच्छा : पुलभट्टा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और उसकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों में भारी आक्रोश है और उन्होंने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपी के दो दोस्तों ने मोबाइल से इस घिनौनी करतूत की वीडियो बना ली और बाद में उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी और साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जिले के दो चिकित्सकों को मिली अहम जिम्मेदारी

संवाददाता सितारगंज

डॉ. कुलदीप यादव । डॉ. सुरभि नारायणी

अमृत विचार : प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ, उत्तराखंड के द्विवार्षिक चुनाव में नई प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन कर किया गया। इसमें खटीमा में तैनात डॉ. सुरभि नारायणी अवस्थी प्रांतीय तकनीकी सेल की निर्विरोध प्रभारी चुनी गई। जबकि, सितारगंज में तैनात सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव को केंद्रीय कार्यकारिणी का संयुक्त सचिव नामित किया गया।

शुक्रवार को प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ, उत्तराखंड की नई प्रांतीय कार्यकारिणी के गठन के लिए ऑनलाइन चुनाव कराए गए। जिसमें डॉ. रमेश सिंह कुंवर अध्यक्ष, डॉ. सौरभ सिंह उपाध्यक्ष (मुख्यालय), डॉ. लोकेश सलूजा उपाध्यक्ष (क्षेत्र), डॉ. गरिमा भट्ट उपाध्यक्ष (महिला), डॉ. उपेन्द्र सिंह पंवार उपाध्यक्ष (दंत), डॉ. यशपाल तोमर महासचिव और डॉ. सुरभि नारायणी अवस्थी को तकनीकी सेल की प्रभारी चुनी गई। सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित किए गए। इसके अलावा सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव को केंद्रीय कार्यकारिणी का संयुक्त सचिव नामित किया गया। अन्य चिकित्सकों ने दोनों को शुभकामनाएं दी हैं।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी

खटीमा: ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा दिलाने के नाम पर एक छात्रा के पिता से लाखों रुपये की अतिरिक्त रकम हड़पने का मामला सामने आया है। नगर पालिका वार्ड-10 निवासी इकबाल अहमद की शिकायत पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित इकबाल अहमद के अनुसार, उन्होंने अपनी बेटी को मेलबर्न भेजने के लिए सितारगंज रोड स्थित एक इंस्टीट्यूट के संचालकों सुखविंदर सिंह और नवनीत कौर को कुल 14 लाख रुपये का भुगतान किया था। आरोप है कि आरोपियों ने मेलबर्न के बजाय ब्रिसबेन के कॉलेज में एडमिशन कराया, जहां बेटी के पहुंचने पर कॉलेज प्रशासन ने 7 लाख रुपये की अतिरिक्त फीस की मांग की। छात्रा को वापस भारत भेजने की धमकी मिलने पर पीड़ित ने कर्ज लेकर यह रकम भी जमा की।

डॉ. बीआर अंबेडकर पेबैक टू सोसाइटी ने विधायक भुवन कापड़ी से लगाई थी गुहार

आंबेडकर बुद्ध विहार का सौंदर्यीकरण शुरू

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: क्षेत्रीय विधायक और उपनेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी द्वारा पीलीभीत रोड स्थित ज्ञानोदय बुद्ध विहार अंबेडकर मिशन के बुद्ध बिहार का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। इसी क्रम में बुद्ध विहार प्रांगण में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के ऊपर छत निर्माण का कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ हो गया है।

डॉ. बीआर अंबेडकर पेबैक टू सोसाइटी खटीमा की टीम ने डॉ. उत्तम कुमार के नेतृत्व में विधायक भुवन चंद्र कापड़ी से मुलाकात की थी। सोसाइटी ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर बुद्ध विहार के सौंदर्यीकरण और प्रतिमा स्थल पर छत निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत करने का आग्रह किया था। मामले की गंभीरता और जनभावनाओं को देखते हुए विधायक कापड़ी ने तत्काल संज्ञान लिया और कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

खटीमा में बुद्ध विहार के सौंदर्यीकरण का काम करते कर्मी। ● अमृत विचार

गौरतलब है कि ज्ञानोदय बुद्ध विहार अंबेडकर मिशन क्षेत्र के हजारों लोगों की अटूट आस्था का केंद्र है। यहां होने वाले कार्यक्रमों और बाबा साहब के प्रति सम्मान प्रकट करने आने वाले अनुयायियों को लंबे समय से एक सुव्यवस्थित ढांचे की आवश्यकता महसूस हो रही थी। सौंदर्यीकरण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह है। कार्य प्रारंभ होने पर संस्था के पदाधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने विधायक भुवन चंद्र कापड़ी का आभार व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विधायक कापड़ी ने न केवल उनकी मांग सुनी बल्कि उसे धरातल पर उतारने के लिए त्वरित कार्रवाई भी की। विधायक कापड़ी ने कहा कि समाज के महापुरुषों के स्मारकों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण हमारी प्राथमिकता है। ज्ञानोदय बुद्ध विहार की गरिमा के अनुरूप कार्य गुणवत्ता के साथ किया जाएगा।

गैंगवार को अंजाम देने की थी साजिश, एसटीएफ ने दबोचे दो शूटर

24 घंटे में दूसरी कार्रवाई, तीन तमंचे और दस कारतूस बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्चस्व की लड़ाई में खून खराबा करने वालों के खिलाफ दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ और कोतवाली पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को दबोच लिया। भारी मात्रा में तमंचे और कारतूस बरामद किए गए हैं। पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए अभियुक्त आपसी रंजिश में गैंगवार को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

शुक्रवार को एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि पिछले 24 घंटे के अंदर एसटीएफ ने कोतवाली पुलिस के साथ मिलकर गैंगवार की दूसरी वारदात को विफल कर दिया है। जहां शार्प शूटर संदीप चौहान को एसटीएफ ने बुधवार की देर रात्रि गिरफ्तार कर लिया था। वहीं दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए सुभाष नगर डिबडिबा बिलासपुर यूपी के रहने वाले शातिर बदमाश जितेंद्र वीर चौधरी और थाना ट्रांजिट कैंप के आजादनगर निवासी सुमित राठौर को तीन 315 बोर के तमंचे और दस कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में यह पता चला है कि जितेंद्र वीर की कई गैंगस्टर्स के साथ पुरानी रंजिश है। जिसको लेकर रुद्रपुर और सीमावर्ती डिबडिबा गांव के रहने वाले साथियों के साथ मिलकर खून-खराबा करने की योजना थी। एसटीएफ का दावा है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

बदमाशों के साथ एसटीएफ व पुलिस की टीम। ● अमृत विचार

दुश्मनों की हत्या नहीं, सिर्फ अधमरा करता है जितेंद्र

रुद्रपुर : क्रिमिनल का क्राइम करने का अंदाज ही गैंग को फेमस करता है, ऐसा मानना है गिरफ्तार गैंगस्टर जितेंद्र का। एसटीएफ-पुलिस पूछताछ में यह सामने आया था कि गैंगस्टर जितेंद्र जब भी दुश्मनों से खूनी बदला लेता है। अपने दुश्मनों को अधमरा करना ही उसका मकसद होता है। शातिर बदमाश का मानना है कि दुश्मन को मारकर सिर्फ बदला लिया जा सकता है, लेकिन अधमरा कर वर्चस्व को बढ़ावा मिलता है और बार-बार उस पर हमला कर घायल करना ही मकसद है। बताते चलें कि मूलरूप से सुभाष नगर डिबडिबा यूपी का रहने वाला जितेंद्र एक पेशेवर अपराधी है। जिसके खिलाफ छह हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। उसका अपना गैंग है और वह गिरोह का सरगना है। जिसमें आठ से नौ शातिर बदमाश है। खास बात यह है कि गिरोह में रुद्रपुर, डिबडिबा के अलावा सीमावर्ती इलाकों के बदमाशों को रखा है। जिसका कारण यह है कि वारदात को अंजाम देकर रुद्रपुर हो या फिर यूपी का इलाके में जाकर सुरक्षित रखा जा सके। पूछताछ में यह पता चला है कि जितेंद्र रुद्रपुर व डिबडिबा के रहने वाले अपने प्रतिद्वंद्वी दुश्मनों से बदला लेना चाहता था। कारण वर्ष 2022 में हुए गैंगवार में दुश्मनों की गोली से वह घायल हो चुका है। जिसका बदला लेना ही उसका मकसद है। गैंगस्टर का यह भी कहना है कि वारदात के दौरान गोली मारकर घायल करना ही मकसद होता है। ताकि बार-बार अपने दुश्मन से बदला लिया जा सके।

खुलेआम घूमते हैं गैंगस्टर, पुलिस को भनक तक नहीं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एसटीएफ की सजगता के चलते तीन शातिर गैंगस्टर को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन कोतवाली पुलिस की कार्यशैली पर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। कारण कोतवाली इलाके में खुलेआम बदमाशों का गठजोड़ खौफनाक गैंगवार को अंजाम देने की कोशिश कर रहा है और कोतवाली पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लग रही है। इससे साफ है कि कोतवाली पुलिस की नाक के नीचे खून-खराबे की साजिश हो रही है तो ऊधमसिंह नगर की सुरक्षा व्यवस्था का क्या हाल होगा। यह आने वाला समय ही बताएगा।

एसटीएफ ने जहां गुरुवार को मलिक फार्म के रहने वाले बदमाश संदीप चौहान को तीन तमंचे और 11 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। जिसके खिलाफ 12 से अधिक संगीन घटनाओं के मुकदमे दर्ज हैं और एसटीएफ ने कोतवाली से कुछ ही दूरी पर स्थित बिलासपुर सीमा से दबोचा। अभी चौबीस घंटे का समय भी नहीं बीता था कि एसटीएफ ने फिर दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए बदमाश जितेंद्र वीर चौधरी और सुमित राठौर को एसएसपी कैंप कार्यालय से चंद कदमों की दूरी पर पकड़ा।

एसटीएफ प्रभारी एमपी सिंह का मानना है कि जितेंद्र हो या फिर संदीप यह बिलासपुर व रुद्रपुर के बदमाशों का एक गठजोड़ गिरोह है। छोटे-छोटे गिरोह बनाकर गैंगवार कर वर्चस्व बनाना चाहते हैं जो कि खौफनाक साबित हो सकता है। अब सवाल यह उठता है कि एसटीएफ को बदमाशों की गतिविधियों की भनक लग रही है तो कोतवाली पुलिस का इतना बड़ा सूचना तंत्र कहा है। जब कोतवाली इलाके में बदमाश खून खराबा करना चाह रहे हैं तो जिले की कानून व्यवस्था कैसी होगी। इसको लेकर जल्द ही एसएसपी को ठोस रणनीति बनानी चाहिए। वरना बदमाशों की शरणस्थली बन रही रुद्रपुर में खौफनाक गैंगवार हो सकता है। यही कारण है कि 24 घंटे के अंदर छह तमंचे और 21 कारतूस की रिकवरी हो सकती है।

कोतवाली इलाके का है बड़ा हथियार सप्लायर

रुद्रपुर : एसटीएफ की तफ्तीश में एक अहम व हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है। संदीप चौहान हो या फिर जितेंद्र वीर जैसे गिरोहबंद गैंगस्टर को हथियार मुहैया कराने वाला कोतवाली इलाके का रहने वाला है। संदिग्ध अभियुक्त इतना बड़ा हथियार सप्लायर है कि उसके पास तमंचे हो या फिर होममेड ऑटोमेटिक पिस्टल। ऑर्डर के हिसाब से बदमाशों को मुहैया कराता है। जांच में यह भी पता चला कि संदिग्ध अभियुक्त ने कई गैंगस्टर को हथियार मुहैया करा चुका है। इसकी भी भनक कोतवाली पुलिस को नहीं लगी। एसटीएफ का दावा है कि जल्द ही हथियार सप्लायर को गिरफ्तार कर हथियार सौदागर का धंधा चौपट कर दिया जाएगा।

संदीप चौहान करना चाहता था हत्या

रुद्रपुर : गुरुवार को एसटीएफ द्वारा बिलासपुर के मलिक फार्म निवासी संदीप चौहान को गिरफ्तार किया। पूछताछ की तो पता चला कि संदीप का गांव डिबडिबा में रहता है। उसके बाहुबली दुश्मन हैं और पुरानी रंजिश का बदला लेना ही बदमाश का उद्देश्य है। कुछ शूटर रुद्रपुर और कुछ शूटर बिलासपुर में रहते हैं। जिसको साथ लेकर संदीप एक बड़ी हत्या की साजिश रच चुका था। जिसको अंजाम 14 मार्च से 20 मार्च के बीच देना था। हत्या कहां होती। यह तय नहीं था, लेकिन जानकारी यह मिली है कि संदीप प्रतिद्वंद्वी दुश्मन को रुद्रपुर इलाके में ही मारना चाहता था। कारण वह दुश्मन को इलाके से बाहर आने की प्रतीक्षा कर रहा था।

जितेंद्र-सुमित ने भी किया टारगेट फिक्स

रुद्रपुर : चौबीस घंटे के भीतर दूसरी गिरफ्तारी में पकड़े गए जितेंद्र वीर और सुमित ने भी बदला लेने के लिए अपना टारगेट फिक्स कर लिया था। पूछताछ में यह पता चला है कि जितेंद्र की बिलासपुर यूपी के रहने वाले कुछ बदमाशों से दुश्मनी थी। वहीं सुमित ने भी रुद्रपुर के रहने वाले दुश्मनों से बदला लेना था। लक्ष्य था कि जब रुद्रपुर हो या फिर बिलासपुर का इलाका दुश्मन जहां भी दिखेगा वहीं अंधाधुंध गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया जाएगा। जिसको लेकर जितेंद्र ने नेटवर्क सक्रिय कर दिया था। वारदात कभी भी और कहीं भी हो सकती थी, लेकिन एसटीएफ की सजगता ने वारदात को फिलहाल के लिए टाल दिया है।

> एसटीएफ और कोतवाली पुलिस की कार्रवाई ने जिस प्रकार संदीप चौहान, जितेंद्र वीर व सुमित राठौर जैसे ही शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी की है। उसके बाद अब पुलिस का यह लक्ष्य रहेगा कि जो व्यक्ति भी बदमाशों का मददगार या पनाहगार होगा। उसको चिह्नित कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जनपद पुलिस को भी सीमावर्ती इलाकों के बदमाशों की सूची बनाने और चिह्नित करने का आदेश दिया गया है। अपराधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा।
> **-अजय गणपति कुंभार**, एसएसपी

पूर्व भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- सांप्रदायिक तनाव फैलाने के प्रयास का आरोप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में निष्कासित भाजपा नेता खीम सिंह दानू की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

शुक्रवार को ऑल इंडिया मुस्लिम फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री कदीर अहमद के नेतृत्व में मुस्लिम समाज ने एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा के माध्यम से राष्ट्रपति और राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि दानू ने फेसबुक पर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बाजपुर कौमी एकता का प्रतीक है और ऐसी टिप्पणियां भाईचारे को चोट पहुंचाती हैं। इस मौके पर अफजाल अहमद, साबिर हुसैन, जैदी खान, जिला पंचायत सदस्य मो.फुरकान रजा, डा.मुनव्वर अली, निसार अहमद, तनवीर खां गुड्डू, पूर्व सभासद सादक हुसैन, मो.परवेज, सभासद मो.इमरान, मो.अली, एडवोकेट अजीम अहमद चौधरी, इरशाद हुसैन, नासिर अली, मो.अकरम, आमिर खान आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते मुस्लिम समाज के लोग।

पूर्व भाजपा नेता खीम सिंह दानू पर मुकदमा दर्ज

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के मामले में पूर्व भाजपा नेता खीम सिंह दानू की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आजाद समाज पार्टी के जिला सचिव प्रशांत कुमार की तहरीर पर कोतवाली बाजपुर में दानू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। तहरीर में आरोप है कि बरहैनी निवासी दानू ने फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर सांसद चंद्रशेखर आजाद के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, जिससे बहुजन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और शांति भंग करने की आशंका के तहत मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। दलित और मुस्लिम समाज द्वारा किए जा रहे लगातार विरोध के बाद यह बड़ी कानूनी कार्रवाई हुई है।

बाजपुर में बेरिया मोड़ पर प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते युवा। ● अमृत विचार

पूर्व भाजपा नेता की टिप्पणी पर दलित समाज का फूटा गुस्सा

बाजपुर : पूर्व भाजपा नेता द्वारा दलित एवं एक विशेष समुदाय के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी से आक्रोशित दलित समाज ने बेरिया तिराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। दलित नेता राजकुमार के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार का पुतला दहन कर आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। राजकुमार ने आरोप लगाया कि समाज में नफरत फैलाने की कोशिशें बढ़ रही हैं और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार नहीं किया गया, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर अनिल वाल्मीकि, जैदी खान, सूरज यादव, तनवीर खान, मंदीप खैरा, रोशन पटेल, उमेश पासी, पवन कुमार, विकास कुमार, हाजी परवेज, हरपाल यादव, रवि कुमार काले, बिट्टू सिंह आदि मौजूद रहे।

पर्स झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

सितारगंज : महिला लिपिक का पर्स झपटने वाले दो बाइक सवार आरोपियों को पुलिस ने गांव गोठा के पास स्थित लिप्टिस के जंगल से आरोपी गांव बिज्टी, पटिया निवासी कुलदीप सिंह और बरयाम सिंह (बिल्ला) को गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पर्स, छह हजार रुपये नकद, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और पेन ड्राइव बरामद सहित कई चीजें बरामद की हैं। साथ ही, घटना में प्रयुक्त बाइक को भी कब्जे में लिया है। 11 मार्च को वार्ड नंबर 6 निवासी हर्षिता पांडेय ने कोतवाली सितारगंज में पुलिस को शिकायत कर बताया था कि वह पालिका परिषद सितारगंज में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। 10 मार्च 2026 को उनका पर्स झपट की घटना हुई थी।

पर्व रोजेदारों ने मुल्क की तरक्की, आपसी भाईचारे और सुख-समृद्धि के लिए सामूहिक दुआएं मांगीं

'अलविदा जुमे' पर जिले की मस्जिदों में उमड़ी भीड़

संवाददाता, काशीपुर/जसपुर

अमृत विचार: रमजान के अंतिम शुक्रवार यानी ''अलविदा जुमा'' पर शहर की मस्जिदों में अकीदत और एहतराम के साथ विशेष नमाज अता की गई। मोहल्ला बांसफोड़ान जामा मस्जिद, कटोराताल, काजीबाग और लक्ष्मीपुर पट्टी सहित तमाम मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान रोजेदारों ने मुल्क की तरक्की, आपसी भाईचारे और सुख-समृद्धि के लिए सामूहिक दुआएं मांगीं।

नमाज से पूर्व इमामों ने जुमातुल विदा की फज़ीलत बताते हुए जकात और फितरा अता करने की महत्ता पर जोर दिया। खतीबों द्वारा खुतबा पढ़ने के साथ ही सभी ने एक-दूसरे को गले लगकर मुबारकबाद दी। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से नमाज संपन्न हुई।

उधर जसपुर अगले जुमे को ईद-उल-फितर होने की संभावना के चलते शुक्रवार को उलेमाओं ने रमजान के चौथे जुमे को अलविदा की नमाज पढ़ाई। अगले गुरुवार को चांद न दिखाई देने पर शुक्रवार को अलविदा जुमा की पुनः नमाज होगी। इस बार रमजान में पांच जुमे है। शुक्रवार को रमजान का चौथा जुमा रहा। अगले जुमे को ईद-उल-फितर होने की संभावना को देखते हुए उलेमाओं ने शुक्रवार को अलविदा जुमा पढ़ाया। अलविदा जुमा की अपनी अलग ही फजीलत है। रोज़ेदारों ने दुआएं मांगी। नमाज को लेकर मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। कई मस्जिदों में सजावट की गयी।

काशीपुर में रमजान के अंतिम जुमे की नमाज अता करते रोज़ेदार। ● अमृत विचार

अकीदत के साथ अता की गई जुम्मा की नमाज

खटीमा : रमजान के आखिरी जुम्मा की नमाज शुक्रवार को मस्जिदों में पूरी हकीकत और शांतिपूर्वक से अदा की गई। आज मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। जहां सभी ने मिलकर देश की खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ की। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। इस अवसर पर मौलाना इरफान उल हक कादरी, प्रशासक कामिल खान, मौलाना सद्दाम हुसैन मदारी, मौलाना मो इलियास, राजा, नासिर खान, सलीम रिज़वी, ताहिर खान, शमीम अख्तर, ताहिर अंसारी, शकील अंसारी, सईद अहमद, बबलू, मोहम्मद रफी आदि मौजूद रहे।

मुल्क में अमन-चैन की मांगी दुआ

बाजपुर: रमजान के आखिरी शुक्रवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में ''जुमा-तुल-विदा'' की नमाज पूरी अकीदत के साथ अता की गई। जामा मस्जिद में मुफ्ती निजामुद्दीन, गौसिया मस्जिद में कारी अमीर अहमद रिजवी और मदीना मस्जिद में हाफिज राहत अली सहित विभिन्न मस्जिदों में उलेमाओं ने नमाज संपन्न कराई। इस पवित्र अवसर पर हजारों रोजेदारों ने सामूहिक रूप से देश में अमन-ओ-अमान, आपसी भाईचारे और तरक्की के लिए विशेष दुआएं कीं। उलेमाओं ने अपनी तकरीरों में रमजान की फजीलत बताते हुए जकात और फितरा अदा करने की अपील की। नगर के मुंडिया पिस्तौर, केशवनगर और हबीब नगर समेत ग्रामीण इलाकों में भी नमाज के दौरान भारी भीड़ रही।

सितारगंज में अलविदा जुमे की नमाज अता के बाद दुआ मांगते लोग। ● अमृत विचार

अलविदा जुमे की नमाज में देश की उन्नति के लिए दुआ

सितारगंज : रमजान महीने के अलविदा जुमे के मौके पर शुक्रवार को नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अता की गई। नमाजियों ने नमाज अता करते हुए कौम की सलामती और अमन-ओ-चैन के लिए दुआ मांगी। इस दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। नमाजियों की सुविधा को देखते हुए मस्जिदों के आसपास सफाई आदि की व्यवस्था की गई थी। इस वजह से मस्जिदों के आसपास खासी रौनक भी रही। सितारगंज की जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मोहम्मद मुकीम रजा कादरी ने नमाजियों को तकरीर सुनाते हुए कहा कि सभी को बुराई से बचना चाहिए और अच्छे काम करने चाहिए। सच्ची इबादत से इंसान की सारी बुराइयां खत्म हो जाती है। इंसान की सारी मुसीबतें दूर हो जाती हैं। रम्पुरा, सुनहरी व मदीना मस्जिद समेत बघौरी, पंडरी, सिसैया, गोरीखेड़ा में भी अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई।

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार,14 मार्च 2026 काशीपुर

सुबह से उमड़ी भीड़, पुलिस के पहरे में सिलेंडरों का वितरण

ऊधमसिंह नगर जिले में दिन भर रही एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए मारामारी, काशीपुर में गैस बुक नहीं होने पर लोग परेशान

अमृत विचार टीम

ऊधमसिंह नगर जिले में शुक्रवार को एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए मारामारी मची रही। जिला मुख्यालय रुद्रपुर से लेकर काशीपुर, खटीमा और अन्य क्षेत्रों में लोग शाम तक सिलेंडर का इंतजार करते रहे। घंटों लाइन में लगकर जिसे मिल गया वह संतुष्ट हो गया लेकिन जिन्हें नहीं मिला उन्होंने हंगामा काटना शुरू कर दिया। कई जगह पुलिस के पहरे में गैस सिलेंडरों का वितरण कराया गया।

रुद्रपुर में गैस सिलेंडर के लिए लगी लाइन। ● अमृत विचार

काशीपुर में रसोई गैस की बुकिंग को लेकर उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

सिलेंडर खत्म होते ही लोगों ने काटा हंगामा

रुद्रपुर में सुबह से ही काशीपुर बाईपास रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी और आवास विकास स्थित भारत गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की कतारें लगनी शुरू हो गयी थी। एजेंसी पर पहले वाहन में लाए गए 360 सिलेंडरों का वितरण हुआ। सिलेंडर खत्म होते ही लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ बजे दूसरे वाहन से भी 360 सिलेंडर पहुंचे तो लाइन में खड़े लोगों को सिलेंडर वितरित किए गए। इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक प्रमोद पांडे के अनुसार, 720 सिलेंडरों के वितरण से काफी हद तक समस्या का समाधान हुआ है। एजेंसी में अभी 900 सिलेंडरों का बैकलॉग है। शुक्रवार को ऑफलाइन 300 बुकिंग की गयी। सभी को निर्धारित तिथि पर ही आने को कहा गया है। ताकि आसानी से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।

काशीपुर में 797 का वितरण, 1800 वेटिंग

काशीपुर : सुबह 10 बजे से पहले से ही काशीपुर गैस एजेंसी पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। प्रशासन के अनुसार गैस आपूर्ति में कोई कमी नहीं है लेकिन सर्वर ओवरलोड होने की वजह से बुकिंग नहीं हो रही है। जबकि गैस एजेंसी संचालकों के मुताबिक कई उपभोक्ता बेवजह परेशान हो रहे हैं जबकि बुकिंग के पांच दिन बाद होम डिलीवरी हो रही है। काशीपुर गैस एजेंसी के मैनेजर अमित मनराल ने बताया कि शुक्रवार को 455 सिलेंडरों का वितरण किया गया जबकि नेहा इंडेन गैस एजेंसी के संचालक जोगेंद्र चिंकारा ने बताया कि 342 सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई। अभी 1800 की आपूर्ति बाकी है। तहसीलदार पंकज चंदोला ने कहा कि, कालाबाजारी पर नजर रखी जा रही है।

ऑनलाइन गैस बुकिंग ठप, उपभोक्ताओं की एजेंसी पर लगी लंबी कतार

सितारगंज : ऑनलाइन गैस बुकिंग नहीं होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों से गैस की ऑनलाइन बुकिंग न होने और केवाईसी की समस्या के चलते शुक्रवार को सैकड़ों उपभोक्ता गैस एजेंसी पहुंच गए। गैस की कमी की अफवाह के बीच लोगों ने एजेंसी परिसर में कतार लगाकर गैस लेने का प्रयास किया। वहीं, भीड़ को देखते हुए ठेकेदार ने एजेंसी परिसर में ही गैस का वितरण शुरू कर दिया। जिससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिल सकी। उपभोक्ता मो. युनुस ने बताया कि वह रातभर जागकर गैस बुकिंग करने का प्रयास करता रहा। लेकिन कई बार कोशिश करने के बावजूद बुकिंग नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग ठप होने से उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, गैस बुकिंग नहीं होने से एजेंसी के रिकॉर्ड में बैकलॉग भी नहीं दिख रहा है। जिससे उपभोक्ताओं की समस्या और बढ़ गई है। वहीं, एजेंसी के प्रबंधक राजेंद्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए शनिवार से ऑफ लाइन गैस बुकिंग शुरू कर गैस का वितरण किया जाएगा। ताकि, उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

ढाबे से सिलेंडर जब्त करती संयुक्त टीम। ● अमृत विचार

उपभोक्ताओं को समझाते तहसीलदार एवं पूर्ति निरीक्षक।

खटीमा में एसडीएम ने की जांच

खटीमा: एसडीएम तुषार सैनी ने शुक्रवार को तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण व पूर्ति निरीक्षक हयात सिंह के साथ भारत गैस, इंडियन गैस और शिव इंडियन गैस एजेंसी के स्टॉक और वितरण व्यवस्था की जांच की। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि गैस की कोई किल्लत नहीं है और उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें।

एजेंसी प्रबंधकों ने बताया कि प्रतिदिन 360 सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है। इवहीं, भाजपा महिला मोर्चा नगर मंडल की अध्यक्ष भागीरथी खोलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता इंडेन गैस एजेंसी पहुंचे। एजेंसी प्रबंधकों ने बताया कि यहां से रोजाना 360 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। इस दौरान मोहनी पोखरिया, धाना भंडारी, संगीता राणा, रंदीप पोखरिया मौजूद रहे।

दिनेशपुर में गैस सिलेंडर वितरण करवातीं एसडीएम ऋचा सिंह। ● अमृत विचार

बाजपुर में ताबड़तोड़ छापेमारी

बाजपुर : घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार को एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा और विभव सैनी के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस और खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने नगर के विभिन्न होटलों, ढाबों और मिठाई की दुकानों पर छापेमारी की। इस अभियान के दौरान टीम ने जोशी मिष्ठान, बीकानेर स्वीट्स और पंजाबी स्वाद ढाबा सहित कुल दस प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान नैनीताल रोड स्थित एक पंजाबी ढाबे से तीन घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुए, जिनका उपयोग व्यावसायिक रूप से किया जा रहा था। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन सिलेंडरों को जब्त कर लिया और संबंधित संचालक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। टीम में कोतवाल नरेश चौहान और खाद्य आपूर्ति अधिकारी विपिन चंद्र शामिल रहे।

सितारगंज में 25, शक्तिफार्म में 45 दिन बाद बुकिंग

सितारगंज : इंडेन गैस ऐजेंसी में ऑनलाइन बुकिंग में दिक्कतों को देखते हुए एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने मैनुअल बुकिंग पर भी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने खाद्य आपूर्ति अधिकारी डीएस धामी के साथ सितारगंज, शक्तिफार्म, नानकमत्ता क्षेत्र की पांच गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। नानकमत्ता के रेस्टोरेंट में घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग पर सिलेंडर सीज किया गया। उन्होंने बताया कि चार गैस ऐजेंसियों में 25 दिन बाद जबकि शक्तिफार्म की गैस एजेंसी ग्रामीण क्षेत्र में होने के कारण यहां बुकिंग 45 दिन में होगी।

स्कूलों में गैस किल्लत से मिड डे मील प्रभावित

खटीमा : उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्कूलों में रसोई गैस की समुचित व्यवस्था की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष कमान सिंह सामंत के नेतृत्व में शिक्षकों ने कहा कि गैस की किल्लत के कारण ''प्रधानमंत्री पोषण योजना'' (मिड डे मील) बार-बार बाधित हो रही है।

दिनेशपुर में तड़के 4 बजे से लाइनें, तीन दिन बाद मिले सिलेंडर

दिनेशपुर में शुक्रवार तड़के 4 बजे से ही लोगों की गैस एजेंसियों पर कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। सुबह 11 बजे तक भी सिलेंडर न मिलने पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की जिसके बाद एसडीएम ऋचा सिंह ने दोनों गैस एजेंसियों हिबा भारत गैस एजेंसी लालपुर व चंद्रा भारत गैस एजेंसी भूरारानी को शीघ्र सप्लाई भेजने के निर्देश दिए। उपभोक्ताओं का कहना था कि गैस सिलेंडर के लिए तीन दिन से इंतजार कर रहे हैं। दो और तीन घंटे बाद दोनों एजेंसियों के वाहन सिलेंडर लेकर पहुंचे जिसके बाद एसडीएम के साथ ही पूर्ति निरीक्षक अल्पना बजाज, चंद्रशेखर कांडपाल व थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट की मौजूदगी में हिबा भारत गैस एजेंसी लालपुर ने 140 व चंद्रा भारत गैस भूरारानी ने 100 रसोई गैस सिलेंडर वितरण किया। वहीं, समाजसेवी अनिल रौतेला ने अधिकारियों से शिकायत की कि ऑनलाइन गैस बुकिंग नंबर- 7715012345 और 7718012345 दो दिन से नहीं लग रहा है जिस कारण उनकी गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है।

सिटी ब्रीफ

रेलवे स्टेशन पर शुरू हुई लिफ्ट सेवा

काशीपुर : रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट की सेवा शुरू होने से बुजुर्गों, दिव्यांग के अलावा महिलाएं भी इस लिफ्ट का प्रयोग कर रही हैं। रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज के दोनों ओर लिफ्ट लगाई गई है।अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत काशीपुर जंक्शन में कार्य हो रहे हैं। इसके तहत प्लेटफार्म का उच्चीकरण, आधुनिक शौचालय, प्रवेश-निकासी द्वार आदि कार्य किए जा रहे हैं। एक प्लेटफार्म से दूसरे पर ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को फुटओवर ब्रिज का सहारा लेना पड़ता था। उस पर चढ़ने से बचने के लिए यात्री ट्रैक पर दौड़कर ट्रेन पकड़ते हैं। इससे आए दिन यात्री ट्रेन की चपेट में आकर हादसे का शिकार हो जाते हैं। ऐसी घटनाओं की रोकथाम और बुजुर्गों की सहायता के लिए काशीपुर रेलवे स्टेशन पर लगाई गई लिफ्ट ने काम करना शुरू कर दिया है।

काशीपुर के उद्योगों पर मंदी और बंदी की तलवार

काशीपुर : कुमाऊं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केजीसीसीआई) ने चेतावनी दी है कि यदि खाड़ी देशों में युद्ध सात दिन और चला, तो क्षेत्र की कई फैक्ट्रियां बंद हो सकती हैं। विदेशों से आने वाले कच्चे माल, केमिकल और पीएनजी की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। उद्यमियों को आशंका है कि 15 मार्च से डीजल के दाम बढ़ने और गैस सिलेंडरों की किल्लत से संकट गहराएगा। केवीएस ग्रुप के निदेशक देवेंद्र जिंदल ने बताया कि विकल्प के तौर पर इंडक्शन चूल्हों और ईवी गाड़ियों का चलन बढ़ेगा, जिससे गर्मियों में ट्रांसफार्मर पर लोड और लो वोल्टेज की समस्या पैदा होगी। औद्योगिक क्षेत्र में अब भारी आर्थिक नुकसान का डर बना हुआ है।

रेलवे का टिकट लेते समय यात्री की कटी जेब

काशीपुर : टिकट लेते समय रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर एक यात्री की जेबकतरों ने जेब काट दी। काशीपुर में रहने वाले सुनील कुमार कासगंज एक्सप्रेस से बरेली जा रहे थे। यात्री के अनुसार वह सुबह 7.55 पर रेलवे के काउंटर पर टिकट ले रहा था। इसी बीच कुछ युवकों ने शोर मचाया कि ट्रेन जा रही है, यह सुनकर वहां पर अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच उसकी जेबकतरों ने जेब काट दी। यात्री ने आरपीएफ चौकी पर पहुंचकर सूचना दी। आरपीएफ थाना प्रभारी सुखविंदर सिंह ने बताया कि जेबकतरों को जल्द पकड़ा जाएगा।

डग्गामार वाहनों का संचालन बंद हो

काशीपुर : रोडवेज बस अड्डे से अवैध रूप से संचालित हो रहे डग्गामार वाहनों का संचालन बंद करने, हर माह रोडवेज कर्मचारियों को वेतन देने की मांग को लेकर रोडवेज कर्मचारी संघ परिषद ने सहायक महाप्रबंधक को ज्ञापन दिया। रोडवेज कर्मचारी संघ परिषद के अध्यक्ष भीम सिंह ने बताया कि कर्मचारियों में अवैध रूप से संचालित हो रहे डग्गामार वाहनों का संचालन बंद करने और हर माह कर्मचारियों को वेतन की मांग की है।

जसपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत आज

जसपुर : राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को लगेगी। पीएलबी डॉ. बीएस गौतम ने बताया कि शनिवार को सिविल कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसमे लंबित वादों के निस्तारण के अलावा भरण पोषण, चेक, धन वसूली, श्रम विवाद, बिजली, आदि के मामलों को सुनकर उनका निपटारा किया जायेगा। उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की है।

तमंचे के साथ युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

जसपुर : कोतवाली पुलिस ने एक युवक को तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गुरुवार को सूतमिल चौकी इंचार्ज इंद्र सिंह ढेला पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना पर मोहल्ला नई बस्ती निवासी मो. वसीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा मय एक कारतूस बरामद किया। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी और आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं।

सेवानिवृत पालिका कर्मी के निधन पर शोक

जसपुर : नगर पालिका के सेवानिवृत कर्मी एवं शिक्षक विनोद कुमार के भाई सुभाष शर्मा का बीमारी के चलते निधन हो गया। शोक में पालिका कार्यालय को बंद कर दिया गया। शिक्षकों ने भी उनकी मौत पर शोक जताया है। सुभाष शर्मा कई वर्षों तक पालिका में गृहकर का कार्य देखते रहे तथा वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हो गए थे। उनकी मौत पर विधायक आदेश चौहान, पूर्व विधायक डा. शैलेंद्र मोहन सिंघल, पालिकाध्यक्ष नौशाद सम्राट, ईओ उदयवीर सिंह, प्रभारी बीईओ हरिबाबू निरंजन, अमित त्यागी ने शोक जताया।

रजिस्ट्री के बाद पैसे नहीं देने का आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक व्यक्ति ने रजिस्ट्री करने के बाद जमीन के पैसे नहीं देने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आईटीआई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दभौरा अहतमाली मुकंदपुर निवासी संजय ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि उसने गांव के निवासी एक व्यक्ति को डेढ़ एकड़ जमीन बेची थी। जमीन की रजिस्ट्री करने के बाद भी उस व्यक्ति ने जमीन के रुपये नहीं दिए। आरोप लगाया कि रुपये मांगने पर वह लोग जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करके उसको जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। बताया कि बीती 19 फरवरी को सुबह लगभग साढ़े 11 बजे वह सुल्तानपुर पट्टी किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान कोसी नदी पुल के पास ट्रैक्टर से आ रहे उस व्यक्ति ने अपना ट्रैक्टर उसकी बाइक के आगे लगा दिया। उस व्यक्ति ने ट्रैक्टर से नीचे उतर कर उसके साथ जातिसूचक शब्दों के साथ अभद्रता करने लगा। साथ ही धमकी देने लगा कि तुझसे यदि जमीन मुझसे छुड़वाई जाए तो छुड़वा लेना और मारपीट करने लगा। तब रास्ते से गुजर रहे लोगों ने बमुश्किल उसको बचाया। पीड़ित के मुताबिक उस व्यक्ति ने उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। साथ ही बताया कि उसने सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करा दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

चैती मेले में हर साल कम हो रहीं दुकानें

काशीपुर: 19 मार्च से शुरू होने वाले चैती मेले को लेकर चैती मंदिर मैदान पर काम में तेजी शुरू हो गया है। लेकिन हर साल दुकानों का किराया बढ़ने से अब लोग मेले में दुकानों के लिये आवेदन कम कर रहे हैं। उत्तर भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मां बाल सुंदरी देवी के चैती मेले में लगने वाली दुकानों और तहबाजारी का टेंडर प्रतिवर्ष महंगा होता जा रहा है। बीते वर्ष की तुलना में इस साल लगभग 50 लाख रुपये से अधिक का तहबाजारी का ठेका हुआ है। हर वर्ष दुकानों के दामों में वृद्धि होने से दुकानों की संख्या घटने लगी है। वर्ष 2018 से पहले तक चैती मेला परिसर में लगने वाली दुकानों के दाम कम होते थे और लगभग 800 से अधिक दुकानें लगती थीं। दुकान के टेंडर बढ़ने से दुकानों की संख्या भी अब घटकर पांच सौ रह गई है।

चैती मेला इलाके में दिखे तेंदुए, लोग दहशत में

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: चैती मेला इलाके में दो तेंदुए दिखने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। जिस जगह तेंदुए देखे गए उसी के आसपास जल्द ही उत्तर भारत का प्रसिद्ध चैती मेला भी शुरू होने वाला है। ऐसे में लोगों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक चैती के पास स्थित ब्लॉक ऑफिस के सामने वाली गली में शुक्रवार तड़के दो तेंदुए घूमते हुए नजर आए। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में साफ तौर पर कैद हो गई है। फुटेज में देखा है कि देर रात दो तेंदुए सड़क व आसपास के क्षेत्र में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही यह जानकारी आसपास के लोगों तक पहुंची, लोग काफी घबरा गए और उन्होंने रात के समय घरों से

काशीपुर में चैती मेला परिसर के पास झाड़ियों का जंगल। ● अमृत विचार

बाहर निकलना बंद कर दिया। लोगों का कहना है जहां तेंदुओं को घूमता हुआ देखा गया है।

उसी के पास चैती ग्राउंड स्थित है, जहां जल्द ही उत्तर भारत का प्रसिद्ध चैती मेला शुरू होने वाला है। इस मेले में हर साल बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में तेंदुओं की मौजूदगी में मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता की बात है। स्थानीय निवासी और अधिवक्ता आकाश वर्मा ने बताया कि इलाके में काफी समय से झाड़ियों की ठीक से साफ सफाई नहीं हुई है। द्रोणा सागर टीले पर जंगल होने से जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ती जा रही है। तेंदुए होने से आसपास में रहने वाले लोग काफी डरे हुए हैं और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

बन्नाखेड़ा क्षेत्र में तेंदुए का आतंक

बाजपुर : वन सीमा से सटे बन्नाखेड़ा के मंड फार्म में गुरुवार रात एक शिकारी तेंदुए ने घर की दीवार फांदकर पालतू कुत्ते पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि कुत्ता खुद को छुड़ाकर घर के भीतर भागने में सफल रहा, जिससे उसकी जान बच गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इसके अलावा भैंसिया फार्म में भी कुलवीर सिंह के खेतों में तेंदुए की सक्रियता देखी गई है, जिससे किसानों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और पिंजरा लगाने की मांग की है। गौरतलब हो कि फरवरी में भी सिसई टांडा से एक तेंदुआ पकड़ा गया था, लेकिन नई घटनाओं ने वन विभाग की चुनौती बढ़ा दी है।

पहल — प्रदेश सरकार कीवी, ड्रैगन फ्रूट जैसे फलों की खेती करने वालों को दे रही प्रोत्साहन

ड्रैगन फ्रूट के लिए उपयोगी बनता जा रहा तराई

कुंदन बिष्ट, काशीपुर

अमृत विचार : तराई का इलाका ड्रैगन फ्रूट के लिए उपयोगी है। प्रदेश सरकार ने बजट में फलों की खेती करने वाले किसानों के हित को भी ध्यान में रखा है। कीवी की खेती पहाड़ी क्षेत्र में हो सकती है, लेकिन ड्रैगन फ्रूट की खेती तराई में आसानी हो सकती है और किसानों के लिए यह खेती उपयोगी होती है।

गुलाबी रंग के विदेशी फल (ड्रैगन फ्रूट) का चलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। काशीपुर, बाजपुर, जसपुर, गदरपुर सहित अन्य तराई के क्षेत्रों में ड्रैगन फ्रूट की खेती आसानी से होती है। हालांकि अभी किसान इस ओर ध्यान नहीं

ड्रैगन फ्रूट। ● अमृत विचार

दे रहे हैं, लेकिन आने वाले दिनों में इसकी मांग बढ़ने वाली है। सरकार ने उच्च मूल्य वाले फलों (कीवी, ड्रैगन फ्रूट आदि) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगभग 30.70 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। ड्रैगन फ्रूट के पौधे में एक साल में फल लगना शुरू जाता है। वर्तमान समय में बाजार की मांग काफी है, ऐसे में तराई क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा मिल सकता है।

पौधे से 25 साल तक फल मिलेगा : चंद्रा

काशीपुर : कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. अनिल चंद्रा ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट्स के पौधे लगाने के बाद 25 साल तक किसानों को फल मिलता है। प्रत्येक वर्ष इसका पौधा बढ़ता है और फल भी अधिक देता है। यह फल कम पानी वाले जगह के लिए ज्यादा उपयोगी है। कटीला होने की वजह से आवारा पशुओं से भी इस फसल को कोई नुकसान नहीं होता है। ड्रैगन फ्रूट्स की मार्केट में काफी डिमांड है और 150 सौ दो सौ रुपये किलो बिकता है। बताया कि ऊधमसिंह नगर के बाजपुर में यतिन सिंघल छह एकड़ में ड्रैगन फ्रूट्स खेती कर रही है और अच्छा लाभ कमा रहे हैं।

पूर्व सैनिक परिवारों को दी जानकारी

काशीपुर के हेमपुर सैन्य डिपो में आयोजित कार्यक्रम में शामिल पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: स्टेशन मुख्यालय हेमपुर में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं के सम्मान तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य सैन्य परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और उनकी पेंशन व अन्य प्रशासनिक शिकायतों का निवारण करना था।

रैली में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, गढ़वाल राइफल्स के अभिलेख कार्यालय तथा एसबीआई व पीएनबी के प्रतिनिधियों ने स्टाल लगाकर लोगों की समस्याओं को सुना। इस अवसर पर कर्नल सुरेंद्र सिंह रांगड़ा ने पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी, साथ ही उपस्थित लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया।

स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर सुखबीर सिंह ने वीरता पुरस्कार विजेताओं व वीर नारियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कर्नल आदित्य श्रीवास्तव, कर्नल मोहन सिंह, सैन्य स्टेशन की प्रथम महिला ममता सिंह, कर्नल राकेश पैन्यूली आदि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

ग्रामीणों को दी वनाग्नि से नुकसान की जानकारी

हल्द्वानी : पूर्व रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को देचौरी रेंज के वन सीमा से लगे ग्राम पीपलचौड़ ,नौडा, कोटाबाग के ग्रामीणों जनता को वनों की आग से सुरक्षा करने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वनों में लगने वाली आग वन में उपस्थित सभी वनस्पति एवं वन्य जीवों को समाप्त कर देती है जिससे पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। वन्य जीवों की नस्लें समाप्त हो जाती है इसलिए वन क्षेत्रों में आग न लगने दें। यदि कहीं आग दिखाई देती है तो समीपवर्ती वन चौकी में सूचित करें। इस दौरान राजेंद्र नैनवाल, खुशाल सिंह, विनीत, विनोद, हेमा देवी, गोदावरी देवी आदि रहे।

किसानों को दी आधुनिक तकनीक की ट्रेनिंग

हल्द्वानी : यूओयू में सतत आजीविका के लिए नवाचारी जलीय कृषि मछली तालाब डिजाइन, किसानों व शिक्षार्थियों के लिए ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भीमताल, नौकुचियाताल और सलड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए मछली पालक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मछली पालन की आधुनिक तकनीक, तालाब डिजाइन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, मछली आहार, रोग नियंत्रण और सतत उत्पादन पद्धतियों के बारे में जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मछली पालन को लाभकारी उद्यम के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

सफाई कर्मी हड़ताल पर शहर में लगे गंदगी के ढेर

पर्यावरण मित्रों ने भाजपा नेता पर लगाया मारपीट का आरोप

अल्मोड़ा में शुक्रवार को नारेबाजी के साथ धरना देते सफाई कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- **नगर निगम में सफाई कर्मियों ने धरना देकर किया प्रदर्शन**
- **शुक्रवार को घरों से नहीं उठा कूड़ा, बाजारों में फैली गंदगी**

अमृत विचार: नगर के जौहरी बाजार में कूड़े को लेकर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी है और कूड़े का उठान नहीं किया। जिससे नगर के तमाम मोहल्लों में गंदगी का अंबार रहा।

दरअसल, चौहरी बाजार में बीते दिनों कूड़े को लेकर भाजपा नेता और सफाई कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया था। पर्यावरण मित्रों ने उनके साथ मारपीट और गाली गलौज करने का आरोप लगाया था। कार्रवाई की मांग करते हुए सफाई कर्मियों ने प्रशासन को 12 मार्च तक का समय दिया था। कार्रवाई नहीं हुई तो सफाई कर्मचारी शुक्रवार से हड़ताल पर चले गए। इससे नगर में कूड़े का उठान नहीं हो पाया। लोगों के घरों से कूड़ा एकत्र नहीं हुआ। साथ ही जगह-जगह गंदगी का अंबार रहा। कर्मियों ने नगर निगम में धरने पर बैठकर प्रदर्शन किया। यहां प्रदर्शन करने वालों में प्रदेश महामंत्री राजपाल पवार, शाखा अध्यक्ष दीपक चंदेल, नरेश कुमार, हेमंत, राजेश टाक, सतीश कुमार, दीपक सैलानी, घनश्याम, दर्शन चंदेल, राजेंद्र पवार, भूपेंद्र, शक्ति, नरेश, राजेश खत्री, प्रदीप, चंद्रपाल, राजेंद्र पावर, दीप चंद्र, अशोक पवार समेत कई पर्यावरण मित्र मौजूद रहे।

शिविरार्थियों ने की रास्तों की सफाई

बागेश्वर : सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय, गरुड़ में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश तिवारी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर तथा मन्यूडा ग्राम के संपर्क मार्ग की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया।

शिविर के बाद आयोजित बौद्धिक सत्र में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका यादव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्भव और उद्देश्यों की जानकारी दी। डॉ. दिवाकर टम्टा ने इसे राष्ट्रीय हित और व्यक्तित्व विकास का मूल मंत्र बताया। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता पंत ने युवाओं देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष उर्वशी टम्टा ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य में युवाओं की भागीदारी को आवश्यक बताया। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष शेर राम टम्टा ने एनएसएस के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. लता आर्या ने निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. धीरेंद्र नाथ तिवारी व संचालन डॉ. अवधेश तिवारी एवं दीपा पंचपाल ने किया।

प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों से पहुंचाएं पानी: डीएम

पेयजल को लेकर अधिकारियों की बैठक लेतीं डीएम आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने ग्रीष्मकाल को देखते हुए जनपद में पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां पूर्व से ही वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में जल संस्थान, जल निगम और सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी की कमी की स्थिति है, वहां टैंकर आदि की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी परिवार को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को कार्यालय से बाहर निकलकर गांव-गांव जाकर पेयजल योजनाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

कहा कि जो पेयजल योजनाएं अंतिम चरण में हैं, उन्हें युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को उनका लाभ मिल सके। बैठक में पेयजल योजनाओं के हस्तांतरण की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई और शेष औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम स्थापित करने तथा पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सीडीओ आरसी तिवारी, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता दलीप सिंह बिष्ट, जल निगम के वीके रवि, सिंचाई विभाग के जगत सिंह बिष्ट, दीन दयाल टम्टा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी रहे।

मशरूम उत्पादन को आजीविका बना रहे किसान

अल्मोड़ा: हवालबाग में हंस फाउंडेशन की ओर से हंस आजीविका परियोजना के तहत मशरूम उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। परियोजना के तहत अब तक चार हजार किलो से अधिक मशरूम का उत्पादन किया जा चुका है। जो किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहा है।

हंस फाउंडेशन की अनिता कनवाल ने बताया कि परियोजना के तहत क्षेत्र के कई गांवों को जोड़कर किसानों को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। वहीं, परियोजना के प्रथम चरण में मनाऊ, बलसा, सिमकुड़ी,गधोली , बिंतोला, बाल्टा, ज्योली, दाडिमखोला, बेह, दुलागांव, कनालबूंगा और पहल गांवों के किसानों को शामिल किया गया। इसके बाद दूसरे चरण में पहल, बेह मटेला, दुलगांव, कुज्याड़ी, कनालबूंगा , टकोली, मेड़ी, रेलाकोट, दाडिमखोला, चौसली और डोबा गांवों के किसानों को भी परियोजना से जोड़ा गया। वर्तमान में इन गांवों से कुल 73 चयनित लाभार्थी मशरूम उत्पादन कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक लाभार्थी को 80 बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग तथा उत्पादन से जुड़े आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए।

रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण ले रहे जवान

संवाददाता, रानीखेत

राफ्टिंग का प्रशिक्षण लेते एसएसबी के जवान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा आयोजित 'व्हाइट वाटर रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण एवं अभियान' 9 मार्च से 19 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत शुक्रवार को जौलजीबी में प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शुक्रवार के सत्र में गोरी नदी की चुनौतीपूर्ण धाराओं के बीच प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। खटीमा (ऊधम सिंह नगर) के अनुभवी मुख्य प्रशिक्षक विजय पाल (मैसर्स विजय यात्रा) और उनकी टीम ने 36 प्रतिभागियों को राफ्टिंग की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान नदी की वास्तविक और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में टीम वर्क और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को सुरक्षित तैराकी, तेज बहाव में संतुलन बनाए रखने की तकनीक, राफ्ट संचालन के लिए पैडलिंग और आपसी समन्वय, रेस्क्यू ऑपरेशन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं और साथियों को सुरक्षित निकालने के तरीकों का अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय अल्मोड़ा सुधांशु नौटियाल विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ 55वीं वाहिनी के कमांडेंट आशीष कुमार, 05वीं वाहिनी के कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बल के कार्मिकों में साहसिक खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, आपदा में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करना और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में टीम आधारित संचालन को मजबूत करना है।

ग्रामीणों ने किया पीलीभीत टाइगर रिजर्व का भ्रमण

हल्द्वानी: जंगलों में ईको-पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नंधौर वन्यजीव अभयारण्य से सटे गांवों के ग्रामीणों को पीलीभीत टाइगर रिजर्व का एक दिवसीय अध्ययन भ्रमण कराया गया।

हल्द्वानी वन प्रभाग के डीएफओ कुंदन कुमार ने बताया कि ईको डेवलपमेंट कमेटियों के गठन, संचालन और स्थानीय समुदाय की आजीविका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई। इसके तहत चंपावत जिले के ऊंचौलीगोठ, गैंडाखाली, नायकगोठ, बस्तियां, आमबाग और थुवालखेड़ा गांवों की ईडीसी के 25 सदस्यों ने भ्रमण में भाग लिया।

इस दौरान प्रतिभागियों ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में संचालित ईको-टूरिज्म गतिविधियों, ईडीसी संचालन और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को देखा।

पुलिस की मौजूदगी में बांटे गए गैस सिलेंडर

- **भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोदामों पर तैनात रही पुलिस**

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर में गैस सप्लाई के दौरान गेट पर लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ईरान-इजराइल युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संसाधनों और आपूर्ति श्रृंखला में उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जनपद में आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद के मैदानी क्षेत्रों में घरेलू गैस (एलपीजी) की सुचारू आपूर्ति कराई गई, ताकि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर आम जनता पर न पड़े। टनकपुर और बनबसा के शहरी क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया। बनबसा में 60 तथा टनकपुर बाजार क्षेत्र में 50 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरित किए गए। वितरण के बाद शेष गैस सिलेंडरों का वितरण संबंधित गोदामों के माध्यम से किया जा रहा है। गोदामों पर संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई। टनकपुर में तहसीलदार जगदीश नेगी के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मुस्तैद रही तथा गोदाम परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के गैस उपलब्ध कराई जा सके।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनपद में आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गैस के अवैध भंडारण पर होगी कड़ी कार्रवाई

अल्मोड़ा : जिलेभर में रसोई गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने को पुलिस एक्टिव हो गई है। शुक्रवार को पुलिस की मौजूदगी पर सिलेंडरों का वितरण किया गया। वहीं, विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के ने सभी थाना और चौकी पुलिस को निर्देश दिए हैं कि रसोई सिलेंडरों का वितरण शांतिपूर्वक हो। इसके लिए गैस गोदामों, एजेंसियों और प्रतिष्ठानों में कड़ी नजर बनाए रखें। सघन चेकिंग अभियान चलाएं, ताकि कोई भी सिलेंडरों का अवैध भंडारण न कर पाए। निर्देश दिए हैं कि अगर कोई भी सिलेंडरों का अवैध भंडारण करते मिलता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शुक्रवार को एडिशन एसपी हरबंस सिंह की देखरेख में पूरी कार्रवाई की गई।

महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य को सम्मानित करते कार्यपालक निदेशक आदित्य गौतम।

टनकपुर पावर स्टेशन को 12वां पीएसयू पुरस्कार

बनबसा, अमृत विचार : गवर्नेंस नाउ की ओर से टनकपुर पावर स्टेशन को ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 12वें पीएसयू पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टनकपुर पावर स्टेशन के महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य ने बताया कि 11 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। समारोह के दौरान कार्यपालक निदेशक आदित्य गौतम ने महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य को यह सम्मान प्रदान किया। महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य ने कहा कि यह सम्मान टनकपुर पावर स्टेशन की पूरी टीम के समर्पण और उत्कृष्ट कार्य का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास जारी रहेगा।

जंगल सुरक्षित तो जीवन सुरक्षित का संदेश दिया

बाजपुर: वनों को आग से बचाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शिव मंदिर बन्नाखेड़ा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रामनगर तराई पश्चिमी वन प्रभाग के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने नाटकों और गीतों से वनाग्नि के खतरों और उनसे बचाव के उपायों को साझा किया।

वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जंगलों के पास ज्वलनशील वस्तुएं न फेंकें और आग दिखने पर तुरंत विभाग को सूचित करें। वक्ताओं ने जोर दिया कि जंगल वन्य जीवों और मानवीय जीवन की आधारशिला हैं, जिनकी सुरक्षा जनसहभागिता से ही संभव है। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने वनों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

चंगेठी के जंगल में धधकी आग

- **भनोली में शुक्रवार सामने आई आग लगने की घटना**
- **फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया**

संवाददाता, अल्मोड़ा

चंगेठी के जंगल में धधकी आग को बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में गर्मी बढ़ने के साथ ही लगातार वनाग्नि की घटनाएं सामने आने लगी है। शुक्रवार दिन में भनोली के चंगेठी के जंगल में आग धधक उठी। सूचना पर फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया।

अल्मोड़ा के जंगलों में वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गई है। भनोली के ग्राम चंगेठी के जंगलों में अचानक आग धधक उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख लोगों में भी हड़कंप मच गया। लोगों ने इसकी सूचना फायर सर्विस को दी। अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने एक होज रील फैलाकर आग पर काबू पाना शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान टीम में ओम प्रकाश, हरि सिंह, महमूद अली, पूजा और निकेता शामिल रहे।

बुजुर्ग श्रद्धालु की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मां पूर्णागिरि के दर्शन के लिए परिवार के साथ जा रहे उन्नाव के एक बुजुर्ग तीर्थयात्री की रास्ते में तबीयत बिगड़ गई। सूचना पर पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने उन्हें स्ट्रेचर के सहारे पैदल मार्ग से नीचे लाकर अस्पताल पहुंचाया।

एसडीआरएफ प्रभारी बहादुर सिंह बजेठा ने बताया कि शुक्रवार अपराह्न करीब 3:30 बजे सूचना मिली कि सुरेश (65) पुत्र स्व. जगमोहन, निवासी ग्राम शिवपुरी, थाना फतेहपुर चौरासी, जिला उन्नाव (उत्तर प्रदेश) पूर्णागिरि मार्ग पर मूर्छित अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची। टीम के जवान कैलाश कुमार, राम सिंह, लोकेश चौहान और विपुल भट्ट ने करीब दो किलोमीटर पैदल मार्ग में स्ट्रेचर की मदद से बुजुर्ग को भैरव मंदिर तक पहुंचाया। इसके बाद 108 एंबुलेंस के जरिए उन्हें उप जिला अस्पताल टनकपुर भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. नौनिहाल सिंह ने बताया कि बुजुर्ग में ब्रेन हेमरेज के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल उनका उपचार जारी है। समाचार लिखे जाने तक उन्हें होश नहीं आया था। बुजुर्ग के रिश्तेदार शिवम शुक्ला ने बताया कि सुरेश की तबीयत खराब होने पर उन्हें रास्ते में आराम के लिए रुकवाया गया था, जबकि साथ आए अन्य लोग दर्शन के लिए आगे चले गए थे।

हिदायत | समीक्षा बैठक में कार्यदायी संस्थाओं को दी सख्त हिदायत, समय सीमा में पूरे हों निर्माण कार्य

कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखनी चाहिए गुणवत्ता : डीएम

संवाददाता, चम्पावत

चम्पावत में अधिकारियों की बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में समग्र शिक्षा के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता, निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री पोषण योजना तथा मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने विकासखंडवार विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति और ई-ऑफिस की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण और अप्रारंभ कार्यों को निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसरों में निर्माण कार्य योजनाबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किए जाएं तथा प्रत्येक कार्य स्थल पर विवरण बोर्ड लगाया जाए और थर्ड पार्टी ऑडिट भी सुनिश्चित किया जाए। छात्र सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जनपद का कोई भी विद्यालय भवन असुरक्षित स्थिति में नहीं होना चाहिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त भवनों का लोक निर्माण विभाग से स्थलीय निरीक्षण कराकर उनकी मरम्मत या ध्वस्तीकरण की त्वरित कार्रवाई कराई जाए। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए शासन स्तर पर पत्राचार करने को कहा। जल संस्थान को सभी विद्यालयों में पेयजल संयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रवासी मजदूरों के बच्चों की शिक्षा, खनन क्षेत्रों में प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था तथा असंगठित क्षेत्र के बच्चों को टेंट या टीन शेड के माध्यम से शिक्षित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। डीएम ने नशामुक्त बचपन के लिए एंटी-ड्रग क्लब गठित करने और उनकी नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम श्री योजना और समग्र शिक्षा की वित्तीय प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मान सिंह, सहायक परियोजना निदेशक विमी जोशी सहित जल संस्थान और ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारी रहे।

डीएम ने सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

संवाददाता, टनकपुर

- **गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर**

अमृत विचार: चम्पावत के स्वाला क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्यों का जिलाधिकारी मनीष कुमार ने शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान सड़क चौड़ीकरण, कटिंग, ढलान संरक्षण और मलबा निस्तारण जैसे तकनीकी पहलुओं की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्य को व्यवस्थित ढंग से संचालित करते हुए निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने हिल साइड में बैंच कटिंग और डाउनसाइड में सेफ्टी वॉल निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए, ताकि सड़क की स्थिरता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस दौरान उन्होंने सड़क पर यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की। निरीक्षण के समय राष्ट्रीय राजमार्ग और संबंधित विभागों के अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वन विभाग को दी घायल पड़ा मिला उल्लू की सूचना

बाजपुर: दोराहा रोड स्थित खालसा संधू ढाबे के पास गुरुवार की देर रात एक उल्लू घायल अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि रात के समय ढाबे के कर्मचारियों को यह उल्लू जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा मिला।

ढाबे के कर्मचारी ने मानवता का परिचय देते हुए उल्लू को सुरक्षित स्थान पर रख लिया है। अधिक अंधेरा होने के कारण तत्काल उसे वन विभाग तक नहीं पहुंचाया जा सका। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से मामले का संज्ञान लेकर घायल उल्लू को जल्द से जल्द उपचार और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की मांग की है। कर्मचारियों के अनुसार वन विभाग को इसकी सूचना दी गई है, फिलहाल उल्लू को ढाबे पर सुरक्षित रखा गया है।

माता-पिता केवल अच्छी सलाह दे सकते हैं या बच्चों को सही राह दिखा सकते हैं, लेकिन किसी व्यक्ति के चरित्र का अंतिम निर्माण उसके स्वयं के हाथों में होता है।

-ऐनी फ्रैंक, जर्मन डायरी लेखिका

जांच तो एक बहाना है

ट्रंप ने भारत समेत 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ अपने उस व्यापार कानून की धारा 301 के तहत नई व्यापारिक जांच शुरू करने की घोषणा की है, जिसके माध्यम से अमेरिका किसी भी देश की व्यापारिक नीतियों को 'अनुचित' ठहराते हुए एकतरफा टैरिफ बढ़ा सकता है। यह जांच अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए मनमाने पुराने टैरिफ को रद्द करने के बाद उसको दूसरे तरीकों से लागू करने तथा अमेरिकी संरक्षणवाद की वापसी का बहाना है। धारा 301 के तहत अमेरिका सैद्धांतिक रूप से काफी ऊंचे टैरिफ लगा सकता है, वैश्विक प्रतिक्रिया और प्रतिशोधात्मक टैरिफ के बढ़ते जोखिम को नजरअंदाज कर वह 25 से 100 प्रतिशत तक टैरिफ थोप सकता है।

अमेरिका ने कनाडा को इस सूची में शामिल नहीं किया है। इसका प्रमुख कारण उत्तरी अमेरिकी व्यापार ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला में दोनों देशों की गहरी परस्पर निर्भरता है। इससे यह साफ है कि यह जांच पूरी तरह आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक और राजनीतिक भी है, दरअसल ट्रंप प्रशासन की व्यापक रणनीति अमेरिकी उद्योगों को पुनर्जीवित करने और उत्पादन को वापस अमेरिका लाने की है। 'री-शोरिंग' या 'फ्रेंड-शोरिंग' की यह नीति अमेरिकी श्रमिकों के लिए नौकरियां पैदा करने के उद्देश्य से प्रस्तुत की जाती है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था की जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं के दौर में केवल टैरिफ के सहारे उद्योगों को वापस लाना आसान नहीं है। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक शीघ्र प्रस्तावित है, संभव है कि यह कदम चीन के साथ होने वाली वार्ताओं में दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो। अमेरिका का आरोप है कि भारत समेत लगभग 60 देशों की औद्योगिक नीतियां अमेरिकी उद्योग और व्यापार को नुकसान पहुंचा रही हैं। विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में 'अतिरिक्त उत्पादन क्षमता' और 'डंपिंग' को लेकर चिंता जताई गई है। सच यह है कि आज के वैश्विक बाजार में उत्पादन क्षमता बढ़ाना किसी भी देश की औद्योगिक रणनीति का स्वाभाविक हिस्सा है। भारत की उत्पादन नीतियां जैसे विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली योजनाएं मुख्यतः घरेलू विकास और निर्यात क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई हैं, न कि किसी देश के व्यापार को प्रभावित करने के लिए। भारत पर जबरन श्रम या बड़े पैमाने पर डंपिंग के आरोप निराधार हैं। भारत का निर्यात ढांचा अभी भी चीन की तुलना में काफी संतुलित है और कई क्षेत्रों में वह वैश्विक बाजार की वास्तविक मांग पर आधारित है। फिर भी इस जांच का असर भारत के कुछ प्रमुख निर्यात क्षेत्रों जैसे- स्टील, ऑटो पार्ट्स, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, टेक्सटाइल और आईटी हार्डवेयर पर पड़ सकता है।

भारत इस जांच में औपचारिक रूप से असहयोग का रास्ता नहीं अपना सकता, क्योंकि इससे अमेरिका को एकतरफा कार्रवाई का बहाना मिल जाएगा। बेहतर रणनीति यह होगी कि भारत तथ्यात्मक जवाब और कूटनीतिक संवाद के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करे। भारत सरकार को चाहिए कि वह निर्यात बाजारों का विविधीकरण और घरेलू विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा कर समस्या का दीर्घकालिक समाधान खोजे। वैश्विक व्यापार की इस नई खींचतान में संतुलित और व्यावहारिक नीति ही भारत के हितों को सुरक्षित रख सकती है।

प्रसंगवश

इच्छामृत्यु: पीड़ा से कराहते मरीजों की मुक्ति साधन

इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहली समहति देकर जनमानस में नई किस्म की बहस को जन्म दे दिया है। बहस ऐसी है, जिसमें सिर्फ भावनाओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। गाजियाबाद निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा की इच्छामृत्यु पर दिए सुप्रीम कोर्ट का निर्णय एक ऐसा भावनात्मक फैसला है, जो भारतीय न्याय व्यवस्था के इतिहास में पहली मर्तबा लिया गया। कोर्ट के आदेशानुसार इच्छा मृत्यु पर सभी प्रक्रियाएं बेशक मानवीय ढंग से और चिकित्सीय निगरान में होंगी, लेकिन फैसला देने वाली पीठ के जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन खुद भी भावुक हो गए। उन्होंने स्वीकारा कि ये निर्णय देना उनके लिए बहुत कठिन था, पर उन्हें अपने फैसले के जरिए एक व्यक्ति को उनके निष्क्रिय शरीर से होती अंतन पीड़ा से मुक्ति भी दिलवाना था, जिसका उन्होंने कानूनी सदाचार में रहकर अपना फर्ज निभाया।

डॉ. रमेश ठाकुर

लेखक

कई यूरोपीय देशों में इच्छा मृत्यु का प्रावधान है। सबसे पहले 'यूथेनेशिया' को नीदरलैंड्स ने वैधता दी थी। वहां इसे 'यूथेनेशिया' नहीं, बल्कि अनुरोध पर जीवन की समाप्ति कहते हैं। बेल्जियम, कनाडा और स्विट्ज़रलैंड में भी इच्छामृत्यु वैध है, जबकि ये विषय बहुत विवादास्पद है। शायद भविष्य में भी हिंदुस्तान में इसे मान्यता न मिले। ये मामला अगस्त 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट से खारिज होकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन यहां भी जजों की एकमत राय नहीं थी। काफी विमर्श के बाद शीर्ष कोर्ट ने मेडिकल बोर्ड को गठित करने का आदेश दिया।

रिपोर्ट में चिकित्सकों ने बताया कि हरीश का शरीर शत-प्रतिशत निष्क्रिय हो चुका है, इसलिए वह इच्छामृत्यु का हकदार है। इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने जीवन के असमय अंत की चाहत पर समकालीन स्वास्थ्य देखभाल में ऐसी प्रथाओं की भूमिका पर अनोखी बहस को छेड़ा है, जिसकी चर्चा लंबे समय तक होगी। यह बहस सभ्य समाज के कानूनी, नैतिक, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, धार्मिक, आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं और गतिशील पहलुओं को भी सोचने पर विवश करेगी।

इच्छामृत्यु शब्द की उत्पत्ति भारत में नहीं, ग्रीस में हुई थी, जिसका अर्थ होता है एक सुखद मृत्यु! कानून में 'जीवन का अधिकार' अनुच्छेद 21 में निहित है, जो एक प्राकृतिक अधिकार भी है, लेकिन आत्महत्या जीवन का अप्राकृतिक अंत है और इसलिए 'जीवन के अधिकार' की अवधारणा के साथ असंगत और विरोधाभासी भी है। भारत में आत्महत्या गैरकानूनी होने के बावजूद भी नहीं रुकती, लेकिन इच्छामृत्यु का नाम सुनकर न सिर्फ रोंगटे खड़े होते हैं, बल्कि भावनाओं का समुद्र हिचकौले मारने लगता है।

हरीश राणा का मामला सबसे इतर है। बीते 13 वर्षों से उनके दर्द भरे जीवन को और लंबा नहीं खींचा जा रहा है। हरीश को विरह भरे जीवन से मुक्ति दिलवाने के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं है? शीर्ष अदालत ने हरीश के शरीर से जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने की अनुमति दे दी है, जिसे चिकित्सकीय निगरानी में उनकी अंतिम सांसों को प्राकृतिक बनाया जाएगा।

बेशक ये निर्णय पहला है, पर आखिरी हो? आखिरी इसलिए, अगर इच्छा मृत्यु पर निर्णय देने का सिलसिला आगे भी चला, तो इसके दुरुपयोग होने लगेंगे, क्योंकि समाज में नैतिकता और न्याय का पतन तेजी से जारी है। भारत के कोने-कोने में ऐसे असंख्य मामले भरे हैं, जहां बीमार बुजुर्गों के परिजन उनकी धन-दौलत, संपत्तियों पर कब्ज़ा करने के लिए उनके मरने के इंतजार में हैं। ऐसे में वो भी उनकी इच्छामृत्यु की चाह लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचने लगेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

क्रूड ऑयल और वैश्विक ऊर्जा संघर्ष

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में क्रूड ऑयल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक शक्ति, कूटनीतिक रणनीति और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। औद्योगिक समाज की संरचना इस प्रकार विकसित हुई है कि परिवहन, उद्योग, रक्षा, बिजली उत्पादन और वैश्विक व्यापार जैसे लगभग सभी क्षेत्रों की ऊर्जा आवश्यकताएं किसी न किसी रूप में तेल पर निर्भर हैं। क्रूड ऑयल की उपलब्धता, उसकी कीमत और आपूर्ति की स्थिरता सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीतिक संबंधों को प्रभावित करती है। इस दृष्टि से क्रूड ऑयल को आधुनिक विश्व व्यवस्था का एक रणनीतिक संसाधन माना जाता है।

ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा ने कई अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित किया है। मध्य-पूर्व क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है। सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के पास विश्व के विशाल तेल भंडार मौजूद हैं। इसी कारण से यह क्षेत्र लंबे समय से वैश्विक राजनीति के केंद्र बने हुए हैं। ऊर्जा आपूर्ति के मार्गों, विशेष रूप से फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य का रणनीतिक महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जा सकता है। इन समुद्री मार्गों से होकर विश्व के बड़े हिस्से का तेल निर्यात होता है, इसलिए इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला कोई भी सैन्य या राजनीतिक तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है।

> सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के पास विश्व के विशाल तेल भंडार मौजूद हैं। इसी कारण से यह क्षेत्र लंबे समय से वैश्विक राजनीति का केंद्र बने हुए हैं।

वर्तमान समय में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच तनाव भी ऊर्जा राजनीति से गहराई से जुड़ा हुआ है। ईरान मध्य-पूर्व का एक महत्वपूर्ण तेल उत्पादक देश है और उस पर लगाए गए अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों का सीधा प्रभाव वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी क्षेत्रीय नीतियों को लेकर दबाव बनाता रहा है। दूसरी ओर, इजरायल भी ईरान को अपनी सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा मानता है। जब भी इस क्षेत्र में सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ती है, तब वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता देखने को मिलती है और तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि हो जाती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऊर्जा संसाधनों से जुड़ी घटनाएं केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक महत्व रखती हैं।

मध्य-पूर्व के अतिरिक्त लैटिन अमेरिका भी क्रूड ऑयल की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों वाले देशों में से एक है। पिछले कुछ वर्षों में वेनेजुएला की आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों ने वहां के तेल उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच लंबे समय से राजनीतिक मतभेद रहे हैं और अमेरिकी प्रतिबंधों ने वेनेजुएला की तेल अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है। इस स्थिति का प्रभाव वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर भी पड़ा है, क्योंकि वेनेजुएला के तेल उत्पादन में किसी भी प्रकार का बदलाव अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है।

इसी प्रकार रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने भी वैश्विक ऊर्जा राजनीति को नए आयाम प्रदान किए हैं। रूस विश्व के प्रमुख ऊर्जा निर्यातकों में से एक है और यूरोप लंबे समय तक रूसी तेल और गैस पर निर्भर रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए, जिनमें ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रतिबंध भी शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक ऊर्जा व्यापार के मार्गों में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिले हैं। रूस ने अपने तेल निर्यात को एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत और चीन, की ओर मोड़ दिया है। इस परिवर्तन ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की संरचना को प्रभावित किया है और यह दर्शाया है कि क्रूड ऑयल अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में एक प्रभावी उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए क्रूड ऑयल की राजनीति का विशेष महत्व है। भारत विश्व के सबसे बड़े तेल आयातक देशों में से एक है और अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग अधिकांश हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए वैश्विक तेल बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यदि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि होती है, जिससे परिवहन लागत बढ़ती है और वस्तुओं के दामों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ती है और आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई है। भारत विभिन्न देशों से तेल आयात करके अपनी ऊर्जा आपूर्ति को विविध स्रोतों से प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। रूस, सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ ऊर्जा सहयोग इसी नीति का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त भारत ने सामरिक तेल भंडार के निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास पर भी जोर दिया है, ताकि भविष्य में ऊर्जा संकट की स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक दबाव न पड़े।

वर्तमान समय में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी वैकल्पिक ऊर्जा प्रणालियों का विकास तेजी से हो रहा है, फिर भी निकट भविष्य में क्रूड ऑयल की वैश्विक भूमिका पूरी तरह समाप्त होने की संभावना नहीं है। विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं अभी भी पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर हैं और वैश्विक परिवहन प्रणाली का बड़ा हिस्सा तेल आधारित ईंधन पर आधारित है, इसलिए आने वाले दशकों में भी क्रूड ऑयल अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और आर्थिक नीति का एक केंद्रीय तत्व बना रहेगा। यह कहा जा सकता है कि क्रूड ऑयल आधुनिक विश्व राजनीति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली संसाधन है।

आमने सामने

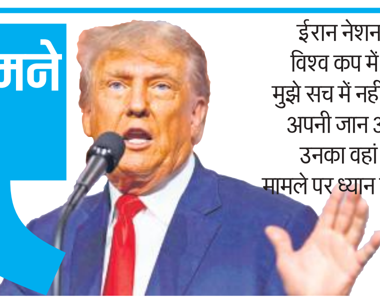

ईरान नेशनल सॉकर टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनकी अपनी जान और सेफ्टी के लिए उनका वहां होना सही है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए उनका धन्यवाद।

-डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

विश्व कप एक ऐतिहासिक और अंतर्राष्ट्रीय इवेंट है। इसकी गवर्निंग बॉडी फीफा है, कोई एक देश नहीं। ईरान की नेशनल टीम, जिसमें ईरान के बहादुर बेटों की ताकत और कई अहम जीतें हैं, इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीमों में से एक थी।

-मोजतबा खामेनेई
सुप्रीम लीडर, ईरान

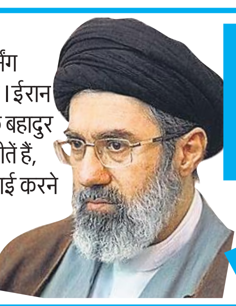

'डूबते' डेल्टा और संकट में भारत का भविष्य

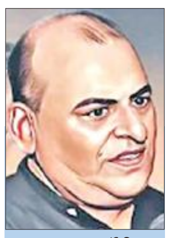

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत की नदियां वास्तव में करोड़ों लोगों के लिए जीवनदायिनी हैं, लेकिन ताजा मौसमी बदलाव, नदी के किनारे रहने वालों के लिए अस्तित्व का खतरा बन रहे हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी और गोदावरी जैसे विशाल नदी तंत्रों ने हज़ारों वर्षों में अपनी लाई गई उपजाऊ मिट्टी यानी गाद से भारत के पूर्वी तट पर विशाल डेल्टाओं का निर्माण किया है। ये डेल्टा न केवल करोड़ों लोगों का घर हैं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी हैं। ये तटीय क्षेत्र जैव विविधता के केंद्र होने के साथ-साथ प्रकृति का एक ऐसा अनमोल संतुलन हैं, जो समुद्र और जमीन के बीच एक सुरक्षा कवच का काम करते हैं।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका 'नेचर' में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है, जिसे नजरअंदाज करना अब संभव नहीं है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत के प्रमुख नदी डेल्टा और उनके किनारे तेजी से डूब रहे हैं। कई स्थानों पर जमीन के डूबने की दर वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धि की दर से भी अधिक है। यह संकट केवल जलवायु परिवर्तन और समुद्र के स्तर के बढ़ने का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे मानवीय गतिविधियां मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

वैज्ञानिक भाषा में इसे 'भूमि अवतलन' कहते हैं। इसका मतलब है जमीन का अपनी जगह पर नीचे धंस जाना। जब समुद्र का स्तर ऊपर उठता है और साथ ही साथ जमीन नीचे बैठती है, तो तटीय इलाकों पर दोतरफा खतरा मंडराने लगता है। नेचर की रिपोर्ट के अनुसार, गंगा-ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, महानदी और कृष्णा डेल्टा अत्यधिक संवेदनशील हैं। इसका सबसे बड़ा कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जब हम जमीन के नीचे से पानी निकालते हैं, तो पानी की जगह खाली हो जाती है। यह पानी मिट्टी के कणों के बीच एक दबाव बनाए रखता है। जब यह पानी निकाल लिया जाता है, तो ऊपर की मिट्टी का भार उन कणों को दबा देता है, जिससे जमीन धंसने लगती है।

> भारत के प्रमुख नदी डेल्टा और उनके किनारे तेजी से डूब रहे हैं। इसके पीछे मानवीय गतिविधियां मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

डेल्टा क्षेत्र घनी आबादी वाले हैं, जहां खेती और उद्योगों के लिए पानी की भारी मांग है। कोलकाता जैसे शहर, जो गंगा डेल्टा पर स्थित हैं, इसका प्रमुख उदाहरण हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन क्षेत्रों में जितना पानी रिचार्ज यानी फिर से भरना नहीं हो पाता, उससे कहीं ज्यादा निकाला जा रहा है। शहर की बढ़ती प्यास को बुझाने के लिए गहरे नलकूपों का सहारा लिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जलस्तर खतरनाक स्तर तक गिर गया है।

ब्राह्मणी और महानदी के डेल्टा सबसे चिंताजनक स्थिति में हैं। नेचर के डेटा के अनुसार, इन दोनों नदियों के डेल्टा क्षेत्र अत्यंत तेजी से डूब रहे हैं। इसका कारण इन नदियों की भौगोलिक संरचना और उन पर मानवीय हस्तक्षेप है। महानदी, जो छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के सिहावा पर्वत से निकलकर, छत्तीसगढ़ और ओडिशा से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में विसर्जित होती है, ने हजारों वर्षों से तटीय मैदानों का निर्माण किया है, लेकिन अब हीराकुंड जैसे बड़े बांधों के कारण, महानदी अपनी उपजाऊ गाद समुद्र तक नहीं पहुंचा पा रही है। ब्राह्मणी नदी, जो झारखंड में कोयल और शंख नदियों के मिलन से बनती है और ओडिशा के तट पर विसर्जित होती है, भी इसी समस्या से जूझ रही है। बांधों की वजह से गाद की आपूर्ति रुकने से डेल्टा का प्राकृतिक नवीनीकरण बंद हो गया है और समुद्र की लहरें इसे तेजी से निगल रही हैं।

नदियां केवल पानी नहीं लातीं, वे अपने साथ हिमालय और अन्य पहाड़ों से महीन मिट्टी और तलछट यानी सेडिमेंट लाती हैं। यह गाद डेल्टा के किनारे पर जमा होकर नई जमीन बनाती है और उसे समुद्र के स्तर से ऊपर रखती है। प्राकृतिक रूप से डेल्टा का विकास गाद के जमा होने से होता है। पिछले कुछ दशकों में नदियों पर बने बड़े बांधों और बैराजों ने इस प्रक्रिया को रोक दिया है। बांधों में गाद जमा हो जाती है और नदियों का बहाव धीमा होने से वह डेल्टा तक नहीं पहुंच पाती। जब गादविहीन पानी समुद्र की ओर बहता है, तो उसमें मिट्टी को काटने की शक्ति अधिक होती है।

यह पानी डेल्टा के किनारों को तेजी से काटता है, जिससे तटीय क्षरण यानी कोस्टल इरोज़न होता है। बांधों ने नदियों की प्राकृतिक कार्यप्रणाली को बदल दिया है, जिससे समुद्र किनारे का संतुलन बिगड़ गया है। डेल्टा क्षेत्र में तेजी से शहरों का विस्तार हो रहा है। गगनचुंबी इमारतें, सड़कें, पुल और बंदरगाहों का निर्माण मिट्टी पर भारी दबाव डालता है। नरम जलोढ़ मिट्टी यानी अलुवियल सॉइल इस अतिरिक्त भार को सहन नहीं कर पाती और धीरे-धीरे नीचे बैठने लगती है। शहरीकरण के कारण कंक्रीटीकरण बढ़ गया है, जिससे पानी जमीन के अंदर नहीं जा पाता और भूजल का पुनर्भरण रुक जाता है। यह केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं है, बल्कि एक बड़ा मानवीय संकट है। 'नेचर' की रिपोर्टें चेतावनी देती है कि यदि हमने अपनी विकास नीतियों में बदलाव नहीं किया, तो परिणाम भयावह होंगे। तटीय समुदाय पहले से ही गरीबी और मौसम की मार झेल रहे हैं, और यह नया संकट उन्हें और अधिक हाशिए पर धकेल देगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

तालिबान और मासूम नूरी

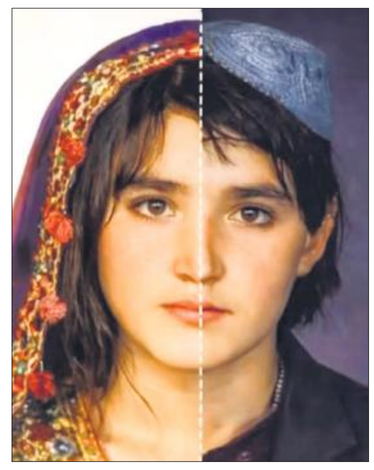

छोटी सी नूरी के पिता ख़तम हो जाते हैं। घर में कमाने वाला कोई नहीं बचता। भूख, बेबसी और अनिश्चितता से भरे दो साल तक नूरी किसी तरह अपनी मां और छोटी बहनों के साथ सर्वाइव करती है। फाकाकशी इतनी बढ़ जाती है कि भूखों मरने की नौबत आ जाती है।

वाचस्पति शर्मा

सीरियस व्यंग्यकार

अंततः नूरी कैंची उठाती है और अपने बाल काटकर पश्तो टोपी पहनकर लड़के का भेश बनाकर काम ढूंढने निकल पड़ती है। नाम बताती है 'नूर मोहम्मद'। वो दो साल तक एक रोडसाइड ढाबे पे लड़का बनकर काम करती है और फिर कोई लोकल आदमी तालिबानी अथॉरिटी को नूरी की सच्चाई बता देता है।

तालिबानी आकर नूरी को उठाकर जेल में डाल देते हैं। नूरी का क्राइम बताया कि वो लड़की होने के बावजूद काम क्यों रही थी। अभी 13 साल की छोटी सी नूरी जेल में है।

सोचिए उस छोटी सी बच्ची ने दो साल तक किस कदर मानसिक, आर्थिक और शारीरिक शोषण सहा होगा? किसी भी तानाशाही, धार्मिक, कट्टरवादी सत्ता का सबसे पहला शिकार औरतें और बच्चे होते हैं। ये कोई दूर देश की कहानी नहीं है, अगर हम अपने समाज में झांकें तो नूरी से भी कही ज्यादा वीभत्स कहानियां देखने को मिल जाएंगी, लेकिन हमारी स्थिति उनसे इस लिहाज से और भी ज्यादा बदतर है। हमने 'महिलाओं की आज़ादी' का नारा लगाकर उनकी पीड़ा को सामान्य बना लिया है और देश का एक बड़ा तबका यथास्थित से पूरी तरह संतुष्ट है और इसके समर्थन में है, जबकि सच्चाई ये है कि अपने यहां ऐसी तमाम नूरियां शहर-शहर, गांव-गांव में दिन रात पिस रही हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 860 मिलियन से अधिक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा चुकी हैं। यह विशाल डेटाबेस अब एआई की मदद से टीबी जैसी बीमारियों की पहचान एक्स-रे के जरिए पल भर में संभव हो रही है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में गेम-चेंजर साबित हो रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में एआई को एकीकृत करने के तरीके पर एसएएचआई, एक सिफारिशी राष्ट्रीय ढांचे के रूप में कार्य करती है। राष्ट्रीय ढांचे के रूप में शुरू की गई एसएएचआई, पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा वितरण में एआआई को एकीकृत करने के लिए एक संरचित रोडमैप की रूपरेखा पेश करती है। इसका मकसद नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और प्रौद्योगिकी विकासकर्ताओं को एआई को जिम्मेदारी से अपनाने के लिए मार्गदर्शन देना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि नवाचार नैदानिक आवश्यकताओं, नियामक मानकों, समानता संबंधी विचारों और जनविश्वास के अनुरूप हो।

डॉ. ओपी त्रिपाठी

लेखक

प्रएसएएचआई समावेशी विकास को अपना मुख्य लक्ष्य बनाती है, जिसके तहत जनहित के उद्देश्य से इस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग की ज़रूरत पर बल देते हुए विकसित भारत 2047 का निर्माण करने पर ज़ोर दिया जाता है। यह रणनीति स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ, समयबद्ध, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बनाने में एआई की बदलावकारी भूमिका और क्षमता को पहचानती है, इसे एक शक्तिशाली नवोन्मेषी शक्ति के साथ-साथ जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक सहायक के रूप में देखती है।

इसका मकसद विश्वसनीय, जोखिम-अनुरूप शासन और मजबूत डिजिटल और डेटा आधार स्थापित करना है, ताकि एआई का बड़े पैमाने पर सुरक्षित, नैतिक और जवाबदेह उपयोग किया जा सके। इसका लक्ष्य भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य कार्यबल और संस्थानों का निर्माण करना भी है, साथ ही एक स्थायी और समावेशी एआई-फॉर-हेल्थ व्यवस्था को बढ़ावा देना है, जो समानता, गुणवत्ता, दक्षता और जनविश्वास को आगे बढ़ाता है। इस फ्रेमवर्क के पांच प्रमुख स्तंभ शासन और साक्ष्य निर्माण मानकों, सुरक्षित, नैतिक, मजबूत और पारदर्शी डिजिटल और डेटा अवसंरचना और कार्यबल की तैयारी पर केंद्रित हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2018 में शुरू हुई एआई रणनीति अब हकीकत बन रही है। 'स्कैडा ब्रेनसीटी' जैसे एआई टूल्स ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में विशेषज्ञों की कमी को दूर कर दिया है। अब छोटे शहरों के मरीजों को भी मुंबई या दिल्ली जैसे बड़े शहरों के स्तर का न्यूरो-डायग्नोसिस मिल रहा है। यह तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं का लोकतंत्रीकरण कर रही है, जिससे भौगोलिक दूरियां अब इलाज के आड़े नहीं आतीं।

राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन रणनीति अवलोकन (2020) ने इस दृष्टिकोण को कार्यान्वयन रोडमैप में और आगे बढ़ाया। इसमें यह स्वीकार किया गया कि एआई, आईओटी, ब्लॉकचेन और क्लाउड कंप्यूटिंग एक अधिक समग्र डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान करते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जो समान पहुंच बढ़ा सकती है, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार कर सकती है और लागत कम कर सकती है। इसमें परिकल्पना की गई कि आधुनिक एआई तकनीकें स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को मौजूदा स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रारूपों से प्रासंगिक जानकारी निकालने और अंदर संचालनीय डेटा मानकों में बदलाव लाने में मदद करेंगी। साथ ही सरकार एआई प्रणालियों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश और मानक निर्धारित करने के लिए प्रतिबद्ध है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

तन सु शान
एक प्रेरक यात्रा

आज दुनिया में महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, तन सु शान भी उनमें से एक हैं। तन सु शान सिंगापुर की एक प्रमुख व्यावसायिक नेता हैं, जो दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी बैंकिंग संस्था डीबीएस बैंक की ग्रुप सीईओ के रूप में जानी जाती हैं। मार्च 2025 में उन्होंने यह पद संभाला, जिससे वे डीबीएस की पहली महिला सीईओ बनीं। फॉर्च्यून पत्रिका ने उन्हें 2025 में एशिया की सबसे प्रभावशाली महिला व्यवसायी के रूप में नामित किया। सिंगापुर में स्थित डीबीएस, जो 637 बिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति वाली एशिया की अग्रणी बैंक है, के नेतृत्व में तन सु शान ने बैंक को डिजिटल इनोवेशन, वेल्थ मैनेजमेंट और सस्टेनेबल फाइनेंस में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

तन सु शान का जन्म सिंगापुर में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। उनकी रुचि हमेशा से अर्थशास्त्र, राजनीति और दर्शनशास्त्र में रही, जो उनकी बाद की करियर में स्पष्ट रूप से झलकती है। 1986 से 1989 तक, उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लिंकन कॉलेज से राजनीति, दर्शनशास्त्र और अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) की डिग्री प्राप्त की। यह डिग्री उन्हें वैश्विक आर्थिक और सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ प्रदान करने वाली साबित हुई।

शिक्षा के बाद, उन्होंने नेतृत्व विकास पर फोकस किया। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, स्टैनफोर्ड बिजनेस स्कूल और सिंगुलैरिटी यूनिवर्सिटी से एक्जीक्यूटिव लीडरशिप कोर्स पूरे किए, जो आधुनिक बैंकिंग में एआई और इनोवेशन के उनके दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं। उनकी शिक्षा ने उन्हें न केवल वित्तीय विशेषज्ञ बनाया, बल्कि एक रणनीतिक विचारक के रूप में भी स्थापित किया, जो जटिल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं।

करियर की यात्रा

- तन सु शान के पास उपभोक्ता बैंकिंग, वेल्थ मैनेजमेंट और संस्थागत बैंकिंग में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी यात्रा वैश्विक स्तर पर फैली हुई है, जिसमें लंदन, टोक्यो, हांगकांग और सिंगापुर जैसे शहर शामिल हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1990 से सिटीबैंक और आईएनजी बैरिंग्स से की, जहां वे लंदन, टोक्यो और हांगकांग में कार्यरत रहीं। 1997 से 2005 तक, वे मॉर्गन स्टेनली में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रहीं और फिर 2008 से 2010 तक मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्य किया। इस दौरान, उन्होंने साउथ-ईस्ट एशिया के लिए प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट का नेतृत्व किया। 2005 से 2008 तक, वे सिटी में मैनेजिंग डायरेक्टर रहीं, जहां उन्होंने एशियाई बाजारों में वेल्थ मैनेजमेंट को मजबूत किया।
- 2010 में डीबीएस जॉइन करने के बाद, उन्होंने ग्रुप हेड ऑफ कंज्यूमर बैंकिंग एंड वेल्थ मैनेजमेंट का पद संभाला, जिसे उन्होंने लगभग एक दशक तक नेतृत्व किया। इस अवधि में, डीबीएस की वेल्थ एसेट्स 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ीं और 2017 के अंत तक 156 बिलियन डॉलर तक पहुंच गईं, जिससे डीबीएस दुनिया के शीर्ष छह वेल्थ मैनेजर्स में शामिल हो गया। 2019 से, वे इंस्टीट्यूशनल बैंकिंग की एमडी और हेड बनीं और डीबीएस हांगकांग की डिप्टी चेयरमैन भी रहीं। इसके अलावा, उन्होंने 10 वर्षों तक पीटी बैंक डीबीएस इंडोनेशिया की प्रेसिडेंट कमिश्नर के रूप में सेवा की।
- 2012 से 2014 तक, वे सिंगापुर की संसद में नामित सांसद रहीं, जहां उन्होंने फाइनेंशियल सेक्टर की नीतियों पर योगदान दिया। उनकी यात्रा में स्टैंडर्ड चार्टर्ड और यूओबी जैसे अन्य बैंकों का भी योगदान रहा, लेकिन डीबीएस में उनका 15 वर्षों का कार्यकाल सबसे महत्वपूर्ण रहा।

डीबीएस में सीईओ के रूप में भूमिका

मार्च 2025 में ग्रुप सीईओ बनने के बाद, तन सु शान ने डीबीएस को 'जनरेटिव एआई एनेबल्ड बैंक विद ए हार्ट' के रूप में परिभाषित किया। मैकिन्से के साथ एक साक्षात्कार में, उन्होंने बताया कि कैसे एआई का उपयोग ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग के लिए किया जा रहा है, जो दक्षता बढ़ाते हुए मानवीय स्पर्श बनाए रखता है। उनके नेतृत्व में, डीबीएस ने एशियाई फाइनेंस को ट्रांसफॉर्म करने पर फोकस किया, विशेष रूप से सस्टेनेबल फाइनेंस, डिजिटल इनोवेशन और क्षेत्रीय विस्तार पर। वे कॉर्पोरेट एंड कमर्शियल बैंकिंग को ग्लोबल हेड के रूप में भी जारी रख रही हैं, जो डीबीएस की संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करता है। उनके विजन में, बैंकिंग को अधिक समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना शामिल है, जो एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अनुरूप है।

उनके विचार

तन सु शान के अनुसार, "सच्चा नेतृत्व कमरे में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति होने के बारे में नहीं है, बल्कि सही प्रश्न पूछने और दूसरों को आगे बढ़ने का अवसर देने के बारे में है।" मीडियम लेख में उन्होंने टीम संस्कृति और भावनात्मक सुरक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की है। उनका मानना है कि जब नेता विनम्रता और सहयोग की भावना के साथ काम करता है, तो टीम के सदस्य स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करते हैं। ऐसे वातावरण में लोग खुलकर अपने विचार रखते हैं और अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर पाते हैं। इस दृष्टिकोण से वे युवा नेताओं को यह महत्वपूर्ण सीख देती हैं कि वास्तविक सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से प्राप्त होती है। इसके साथ ही, कतर इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए, उन्होंने डिजिटल युग में व्यक्तिगत संबंधों पर जोर दिया। यह प्रेरक विचार बताता है कि तकनीक कितनी भी उन्नत हो, भावनात्मक जुड़ाव ही विश्वास बनाता है। तन सु शान का मानना है कि बैंकिंग में यह ग्राहक वफादारी की नींव है, जो हमें सिखाता है कि व्यवसाय में मानवीय पक्ष को कभी न भूलें।

उपलब्धियां और पुरस्कार

तन सु शान की उपलब्धियां उन्हें एशिया की शीर्ष महिला नेताओं में शुमार करती हैं। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धि इस प्रकार हैं -

- 2013 - प्राइवेट बैंकर इंटरनेशनल द्वारा 'आउटस्टैंडिंग प्राइवेट बैंकर ऑफ द ईयर' - एशिया की पहली प्राप्तकर्ता।
- 2013 - वेल्थब्रीफिंगएशिया द्वारा 'आउटस्टैंडिंग इंडिविजुअल कंट्रीब्यूशन टू एशियन वेल्थ मैनेजमेंट'।
- 2012 - इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस द्वारा 'डिस्टिंग्विश्ड फाइनेंशियल इंडस्ट्री कॉम्पिटेंट प्रोफेशनल'।
- 2014 - पीडब्ल्यूएम/द बैंक (फाइनेंशियल टाइम्स ग्रुप) द्वारा ''वर्ल्ड बेस्ट लीडर इन प्राइवेट बैंकिंग' - पहली सिंगापुरियन।
- 2018 - डिजिटल बैंकर द्वारा 'रिटेल बैंकर ऑफ द ईयर'।
- 2018 - फोर्ब्स द्वारा 'टॉप 25 इमर्जेंट एशियन वुमन बिजनेस लीडर'।
- 2019 - द एसेट द्वारा एशिया की छह महिलाओं में से एक, जो बैंकिंग को आकार देंगी।

इसके अलावा, उनके नेतृत्व में डीबीएस ने उपभोक्ता बैंकिंग में क्रांतिकारी बदलाव किए, जो एशिया में डिजिटल बैंकिंग का मॉडल बने।

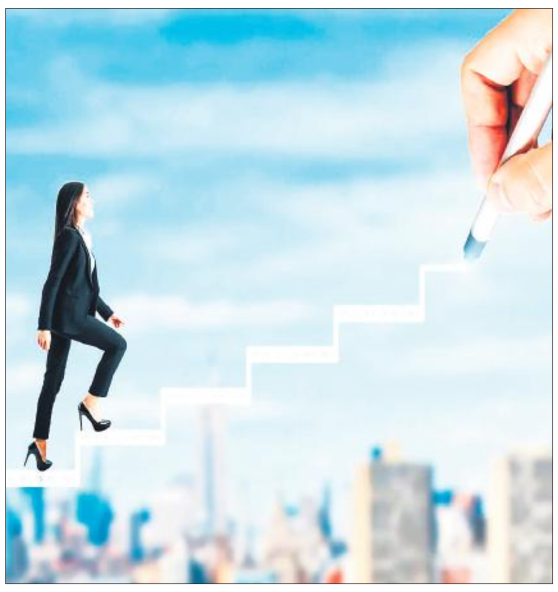

प्रभाव और भविष्य की दिशा

तन सु शान का प्रभाव न केवल डीबीएस पर, बल्कि पूरे एशियाई फाइनेंशियल सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और सिंगापुर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दिया। उनके तहत, डीबीएस ने जेनरेटिव एआई को अपनाया, जो ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान करता है। भविष्य में, वे सस्टेनेबिलिटी और इनक्लूसिव ग्रोथ पर फोकस करेंगी, जो एशिया की बदलती चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगी। तन सु शान, डीबीएस बैंक की ग्रुप सीईओ, अपनी नेतृत्व शैली, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और एआई युग में मानवीय स्पर्श पर गहन अंतर्दृष्टि के लिए जानी जाती हैं। उनके विचार महिलाओं, नेताओं और पेशेवरों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक हैं, जो दृढ़ता, सहानुभूति और दीर्घकालिक दृष्टि पर जोर देते हैं। तन सु शान एक ऐसी नेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, दृढ़ता और इनोवेटिव सोच ने उन्हें वैश्विक पटल पर स्थापित किया है। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है।

जॉब का पहला दिन

जब मुझे बताना पड़ा, मैं यहां की अफसर हूं

फिल्मी रील्स में अक्सर जीवन का सजा-धजा रूप दिखाया जाता है। उसमें जीवन को किसी न किसी तरह के दिखावे और चमक-दमक में फ्रेम कर दिया जाता है, लेकिन मेरी ज्वाइनिंग के पहले दिन का अनुभव बिल्कुल अलग था। वह जीवन की सच्चाई थी बिना किसी फिल्टर के, बिल्कुल वास्तविक। मेरा चयन उत्तराखंड स्टेट सिविल सर्विसेज़ (पीसीएस) परीक्षा 2010 के माध्यम से हुआ था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद जब मुझे पहली पोस्टिंग के स्थान का पता चला, तो वह था ओखलकांडा, नैनीताल जिले का एक बेहद दुर्गम क्षेत्र। सच कहूं तो इससे पहले मैंने इस जगह का नाम भी कभी नहीं सुना था। मन में उत्सुकता भी थी और थोड़ी चिंता भी।

कमलेश्वरी मेहता
ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर
गरुड़, बागेश्वर

5 जून 2015 का वह दिन आज भी मुझे अच्छी तरह याद है, जब मैंने ओखलकांडा में अपनी ज्वाइनिंग की। यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। नैनीताल जिले का यह सबसे दुर्गम क्षेत्र माना जाता है। रास्ते में दूर-दूर तक कोई वाहन दिखाई नहीं देता था, न ही कहीं घरों की कतारें थीं। मेरे कार्यालय तक पहुंचने के लिए मुझे लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। जब मैं ऑफिस पहुंची तो वहां कुछ लोग पहले से बैठे हुए थे। कुछ शिक्षक अपने काम से आए हुए थे और उस समय अपॉइंटमेंट तथा ट्रांसफर का दौर चल रहा था। कुछ क्लर्क भी वहां मौजूद थे। मैं करीब एक घंटे तक वहीं बैठी रही। मन में यह इच्छा थी कि स्टाफ और कर्मचारियों से बातचीत करके वहां की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी लूं, लेकिन शायद उन्होंने यह समझ लिया था कि मैं भी कोई शिक्षक हूं, जो अपने ट्रांसफर या किसी अन्य काम के सिलसिले में वहां आई हूं। काफी देर तक जब किसी ने मुझसे कुछ नहीं पूछा, तो अंततः मैंने ही उनसे पूछ लिया कि उप शिक्षा अधिकारी का कार्यालय कहां है और उनका कमरा कौन-सा है। उनमें से एक व्यक्ति ने जवाब दिया कि यहां अभी कोई कमरा तय नहीं है और यहां अभी कोई उप शिक्षा अधिकारी भी नहीं है। हां, इतना जरूर बताया कि जल्द ही कोई नए उप शिक्षा अधिकारी आने वाले हैं। तब मैंने मुस्कराते हुए कहा, "मैं ही वह नई उप शिक्षा अधिकारी हूं, मेरा नाम कमलेश्वरी मेहता है।"

यह सुनते ही वहां मौजूद सभी लोग एकदम से खड़े हो गए। उनके चेहरे पर आश्चर्य साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने तुरंत कहा, "सॉरी मैम, हमने आपको पहचाना नहीं। हमें लगा कि आप कोई टीचर होंगी, जो अपने काम के लिए यहां आई हैं।" इसके बाद उन्होंने मुझे सम्मानपूर्वक अंदर बुलाया, मेरा कमरा

दिखाया और बैठने का आग्रह किया। थोड़ी ही देर में चाय भी आ गई। इसी तरह मेरे पहले दिन की शुरुआत हुई। शुरुआत में वहां सुविधाओं का अभाव था और परिस्थितियां भी चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन उसी कठिन इलाके में काम करते हुए मैंने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाया। ओखलकांडा में ज्वाइनिंग का वह पहला दिन मेरे जीवन का ऐसा अनुभव बन गया, जिसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती का सामना करने की ताकत दी।

अनुभूति

सुबह की सैर, रसोई की फिक्र

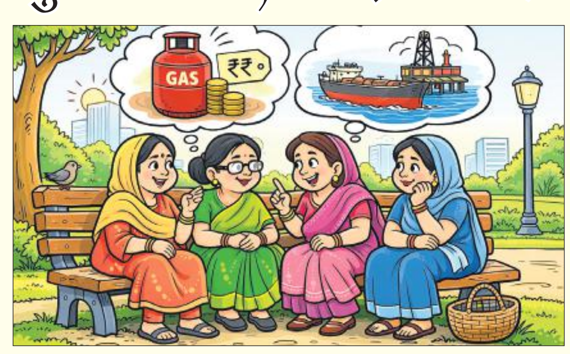

बीते दिनों सुबह जब पार्क में गई तो घर-घर की कहानी पूछने वाली महिलाओं की जुबान में रसोई गैस की चर्चा थी। यह भी घर की महत्वपूर्ण जरूरत है। इसके बिना चूल्हा ठप्प और चूल्हे के बिना सारे कामकाज। इस बारे में सोचा तो पाया कि भारत अपने कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की जरूरत का 85 से 88 प्रतिशत से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जो रोजाना लगभग 50 से 58 लाख बैरल के बीच है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। प्रमुख तेल स्रोतों में रूस, इराक, सऊदी अरब और यूएई शामिल हैं। इसमें रूस सबसे बड़ा निर्यातक है, जहां से प्रतिदिन लगभग 18 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा जाता है। कुल आयात का लगभग 40 से 60 प्रतिशत यानी 25-27 लाख बैरल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसी तरह, एलपीजी की देशभर की जरूरत का लगभग 55-60 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात किया जाता है। अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए हम विदेशी कच्चे तेल पर निर्भर हैं। चीन भी अपनी 70 प्रतिशत से अधिक तेल खपत का आयात करता है, जिसमें मुख्य रूप से मध्य पूर्व, रूस, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका शामिल हैं। 90 प्रतिशत से अधिक आपूर्ति समुद्र के रास्ते जलडमरूमध्य के माध्यम से टैंकरों द्वारा जाती है, जबकि रूस और मध्य एशिया से पाइपलाइन और रेल मार्ग का उपयोग किया जाता है।

अमृता पांडे
हल्द्वानी

चीन के तेल का सबसे बड़ा हिस्सा यानि लगभग 90 प्रतिशत समुद्री मार्गों से आता है। रूस, चीन का भी सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जो 'पावर ऑफ साइबेरिया' पाइपलाइन और रेल नेटवर्क के माध्यम से तेल भेजता है। इसके अलावा, चीन ईरान और वेनेजुएला से भी बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता है, जिसमें उसे भारी छूट प्राप्त होती है। फर्क मात्र इतना है कि आपूर्ति व्यवधान से बचने के लिए, चीन के पास भारी मात्रा में अपना बफर भंडार यानी पेट्रोलियम रिजर्वायर हैं, जो लगभग 900 मिलियन बैरल तक होने का अनुमान है। इधर हम गैस की कीमत से जूझने लगे हैं। पेट्रोल और गैस के दाम बढ़ने लगे हैं और युद्ध के बढ़ते संकट को देखते हुए आने वाले समय में यह स्थिति और गंभीर होने का अनुमान है। खैर इसका विश्लेषण तो विशेषज्ञ और जानकार ही कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल मैं सोच रही हूं कि जो सड़कों को खोदकर गैस पाइपलाइन बिछा दी गई है और दो साल पहले हमारे शहरों में घरों की रसोई तक येन-केन-प्रकारेण पाइप पहुंचा दिए गए हैं, उनमें गैस कब आएगी? लकड़ी, कंडों और स्टोव से आगे बढ़ने की कहानी तो अच्छी है, लेकिन पीछे लौटकर जाना अब कितना मुश्किल है और आगे कितना संशय।

उधम सिंह और जलियांवाला बाग का प्रतिशोध

शहीद-ए-आजम सरदार उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महान क्रांतिकारियों में से एक हैं, जिनका नाम साहस, संकल्प और अदम्य देशभक्ति का प्रतीक बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो उधम सिंह, जिन्हें बाद में राम मोहम्मद सिंह आज़ाद के नाम से भी जाना गया। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे योद्धा थे जिन्होंने जलियांवाला बाग के शहीदों के लिए न्याय की लड़ाई को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उनका बचपन का नाम शेर सिंह था। उनका जन्म 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम नगर में हुआ था। उनके पिता सरदार टहल सिंह रेलवे विभाग में ओवरसियर (चौकीदार) के रूप में कार्य करते थे और माता का नाम नारायण कौर था।

सुनील कुमार महला
लेखक

दुर्भाग्यवश बचपन में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया। परिणामस्वरूप उन्हें और उनके बड़े भाई मुक्ता सिंह को अमृतसर के सेंट्रल खालसा अनाथालय में शरण लेनी पड़ी। यही अनाथालय उनका घर बना और यहीं रहकर उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने 1918 में मैट्रिक की परीक्षा पास की। अनाथालय के अनुशासन और कठिन परिस्थितियों ने उनके व्यक्तित्व में आत्मनिर्भरता और दृढ़ता का विकास किया। 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में हुआ भीषण नरसंहार उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। उस समय वे अमृतसर में ही थे और

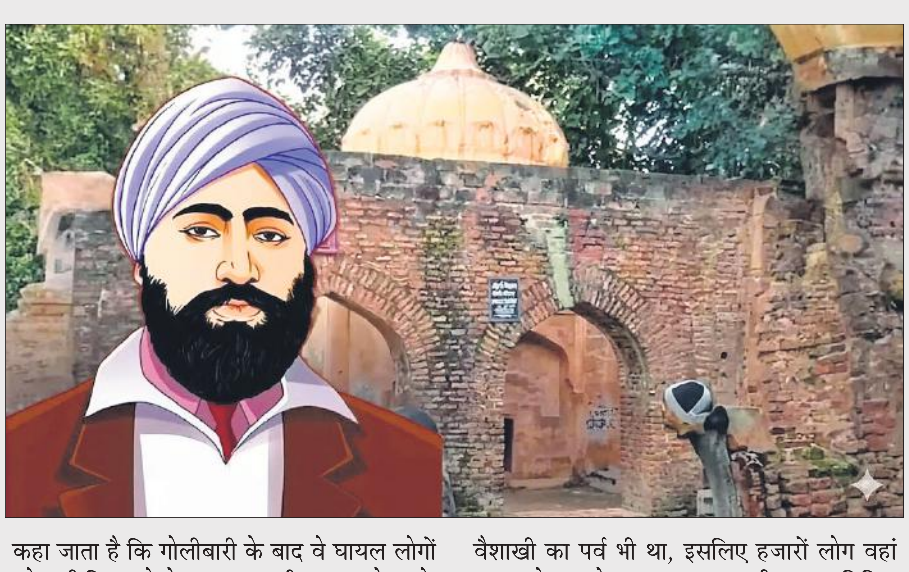

कहा जाता है कि गोलीबारी के बाद वे घायल लोगों को पानी पिला रहे थे। इस अमानवीय घटना ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला और उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार लोगों से बदला लेने का संकल्प कर लिया। वे इस घटना के लिए पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'ड्वायर को जिम्मेदार मानते थे। दरअसल 1919 में ब्रिटिश सरकार ने रॉलेट एक्ट नामक काला कानून पारित किया था, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमे के गिरफ्तार किया जा सकता था। इस कानून के विरोध में पूरे देश में आंदोलन शुरू हो गया। अमृतसर में लोकप्रिय नेता सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में एक शांतिपूर्ण सभा आयोजित की गई। उस दिन वैशाखी का पर्व भी था, इसलिए हजारों लोग वहां एकत्र हो गए थे। जब इस सभा की सूचना ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर को मिली तो वह लगभग 90 सैनिकों के साथ वहां पहुंचा। बिना किसी चेतावनी के उसने भीड़ पर गोली चलाने का आदेश दे दिया।

सैनिकों ने लगभग दस मिनट तक लगातार गोलियां चलाईं और सैकड़ों लोग वहीं ढेर हो गए। जान बचाने के लिए कई लोग बाग के कुएं में कूद गए, जिसे आज 'शहीदी कुआं' के नाम से जाना जाता है। नरसंहार के बाद अमृतसर में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और लोगों पर अमानवीय अत्याचार किए गए। इस घटना ने उधम सिंह के मन में प्रतिशोध की तीव्र भावना भर दी। उन्होंने लगभग 21 वर्षों तक धैर्यपूर्वक अवसर की प्रतीक्षा की। इस दौरान वे अफ्रीका, अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की यात्रा करते हुए क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े रहे। 1934 में वे लंदन पहुंचे और वहां उन्होंने राम मोहम्मद सिंह आजाद नाम अपनाया, जो भारत की सांप्रदायिक एकता का प्रतीक था। यह भी उल्लेखनीय है कि उधम सिंह, शहीद भगत सिंह को अपना गुरु मानते थे। वे उम्र में उनसे बड़े थे, फिर भी उन्हें अपना मार्गदर्शक समझते थे। कहा जाता है कि उनकी जेब में हमेशा भगत सिंह की तस्वीर रहती थी। इसके अलावा वे अमेरिका में सक्रिय गदर पार्टी से भी जुड़े रहे और भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाने का प्रयास करते रहे।

अंततः 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में आयोजित एक सभा के दौरान उधम सिंह ने माइकल ओ'ड्वायर पर गोली चलाकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने पिस्तौल को एक मोटी किताब के भीतर छिपाकर वहां प्रवेश किया था। इस प्रकार उन्होंने जलियांवाला बाग के शहीदों के लिए लिया गया अपना संकल्प पूरा किया। घटना के बाद उन्होंने भागने का प्रयास नहीं किया और स्वयं को गिरफ्तार करवा दिया, क्योंकि वे चाहते थे कि दुनिया भारतीयों के आत्मसम्मान और प्रतिरोध की भावना को समझे।

मुकदमे के दौरान उन्होंने निर्भीकता से कहा कि उन्होंने यह कार्य अपने देशवासियों पर हुए अत्याचार का बदला लेने के लिए किया है। अंततः 31 जुलाई 1940 को लंदन की पेंटनविले जेल में उन्हें फांसी दे दी गई। बाद में 1974 में उनकी अस्थियां भारत लाई गईं और उन्हें राष्ट्रीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। उधम सिंह का जीवन साहस, देशभक्ति और न्याय के लिए संघर्ष की प्रेरक गाथा है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	74,563.92	23,151.10
गिरावट	1,470.50	488.05
प्रतिशत में	1.93	2.06

सोना 1,65,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,65,500 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार, 14 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2490, राज श्री 1950, फॉर्चून कि. 2510, रविन्द्र 2460, फॉर्चून 13 किग्रा 2210, जय जवान 2110, सचिन 2220, सूरज 2110, अवसर 2015, उजाला 2080, गृहणी 13 किग्रा 2055, क्लासिक (किग्रा) 2365, मोर 2315, चक्र टिन 2460, ब्लू 2355, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2445
किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायन 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000,
प्रति किलो : लौंग 850–1050, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050
चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्वाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शरबती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450, मलका दाल 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 159000, गिन्नी जेवर155000
चांदी प्रति किलो : पक्की 2650 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 7000–7400, परमल 1200–3200
दाल दलहन : काला चना 2000–3400, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5400, राजमा 7600–12200, दाल उड़द 6000, साबुत मसूर दाल 2800, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10200, काबुली चना 6000–10200, अरहर दाल 10400–12000, लोबिया/करमानी 1000–3400

एलपीजी संकट: केरल में 40 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद

कैटरिंग सेवाएं, छात्रावास, कैंटीन और शवदाह गृह भी प्रभावित, लकड़ी और कोयले की कीमतें आसमान पर

कोच्चि, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए एलपीजी संकट के कारण केरल में करीब 40 प्रतिशत रेस्तरां बंद होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। ये रेस्तरां खाना पकाने के वैकल्पिक तरीकों का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा कैटरिंग सेवाएं, छात्रावास, कैंटीन और शवदाह गृह भी एलपीजी की कमी से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

'केरल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन' के अध्यक्ष जी जयपाल के मुताबिक शुक्रवार तक राज्य में लगभग 40 प्रतिशत रेस्तरां बंद हो गए हैं। इनमें 20 प्रतिशत बृहस्पतिवार को ही बंद हो चुके थे। उन्होंने कहा कि, केंद्र और राज्य सरकारों ने खाना पकाने के वैकल्पिक तरीके अपनाने की सलाह दी है लेकिन होटलों में लकड़ी से खाना बनाना व्यावहारिक नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ निजी एलपीजी आपूर्तिकर्ता सिलेंडर के लिए लगभग दोगुनी कीमत वसूल रहे हैं और पिछले दो दिन में ईंधन लकड़ी की कीमत भी काफी बढ़ गई है। उन्होंने कहा, कासरगोड में हमारे एक सदस्य को 17 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर 3,000 रुपये में मिला जबकि सामान्य तौर पर 19 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत करीब 1,800 रुपये होती है। लकड़ी के दाम भी बहुत बढ़ गए हैं और वैकल्पिक व्यवस्था अपनाना आसान नहीं है।

जयपाल ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के तुरंत बाद सरकार लोगों को संभावित कमी के बारे में आगाह कर देती, तो स्थिति बेहतर ढंग से संभाली जा सकती थी। कई रेस्तरां मालिक वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते। इस सप्ताह की शुरुआत तक सब सामान्य था और अचानक संकट खड़ा हो गया। उद्योग प्रतिनिधियों के अनुसार, यह संकट कैटरिंग सेवाओं को भी प्रभावित कर रहा है जबकि राज्य में शादी का मौसम शुरू होने वाला है।

एलपीजी संकट के बीच नवी मुंबई के बंद पड़े रेस्टोरेंट को देखकर लौटता ग्राहक।

कैसे हो पाएंगे शादी-ब्याह के समारोह

ऑल केरल कैटरर्स एसोसिएशन के तिरुवनंतपुरम जिले के अध्यक्ष वी सुनुकुमार ने बताया कि 15 मार्च से मलयालम महीने 'मेडम' के साथ शादियां शुरू हो जाएंगी और इस कारण पहले से बुकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुस्लिम समुदाय में रमजान के बाद अगले सप्ताह से निकाह समारोह शुरू होंगे और ईसाई समुदाय का लेंट काल या चालीसा काल अगले महीने की शुरुआत में समाप्त होगा जिसके बाद राज्य भर में अधिक शादियां होंगी।

छात्रावासों के मेस चलाने में दिक्कत

एलपीजी की कमी से मेस सुविधा वाले छात्रावास भी प्रभावित हुए हैं। कोच्चि के कलूर क्षेत्र में छात्रावास चलाने वाली सुजा ने बताया कि उन्होंने रसोई के लिए लकड़ी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है लेकिन शहर में लकड़ी की भी कमी है। इस बीच भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने एलपीजी संकट को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया गया।

शहरी गैस की बिक्री में हो सकती है दस फीसदी तक गिरावट

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से भारत के शहरी गैस वितरण उद्योग (सीजीडी) की दैनिक बिक्री मात्रा जल्द ही आठ से 10 प्रतिशत तक घट सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, इस आपूर्ति बाधा का सबसे अधिक असर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर पड़ा है। यह गैस उद्योग की कुल जरूरत का लगभग 40 प्रतिशत पूरा करती है जबकि बाकी की गैस घरेलू स्रोतों से आती है। संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर एलएनजी की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी को अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की क्षमता शहरी गैस वितरण कंपनियों की लाभप्रदता को सहारा देगी। साथ ही मजबूत नकदी भंडार, सशक्त प्रायोजकों का समर्थन और अपेक्षाकृत सीमित कर्ज जैसी स्थितियां इन कंपनियों की ऋण-खंड को समर्थन दे सकती हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में लंबे समय तक बनी रहने वाली अनिश्चितता पर नजर रखना आवश्यक होगा।

- क्रिसिल ने जताया अनुमान, उद्योगों की 40% जरूरत पूरी करती है ये गैस

औद्योगिक-वाणिज्यिक पाइप से मिलने वाली गैस होगी सबसे ज्यादा प्रभावित

रिपोर्ट में सात सीजीडी कंपनियों का विश्लेषण किया गया जो पिछले वित्त वर्ष उद्योग की कुल बिक्री का 70% संभालती थीं। पाया गया कि औद्योगिक एवं वाणिज्यिक पाइप से मिलने वाली गैस सबसे ज्यादा प्रभावित होगी क्योंकि यह आयातित एलएनजी पर ज्यादा निर्भर है। उद्योग के अन्य दो खंडों यानी वाहनों में उपयोग होने वाली सीएनजी और परिवारों को पाइपलाइन से मिलने वाली पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी-डी) की कुल बिक्री मात्रा में करीब 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

दार्जिलिंग में चाय उत्पादन गिरा, 55,000 नौकरियों पर खतरा

कोलकाता। औद्योगिक एलपीजी की अनुपलब्धता से दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में गिरावट आने लगी है। पश्चिम बंगाल जिले में भी कारखानों को आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडराने लगा है। 'दार्जिलिंग टी एसोसिएशन' ने कोलकाता स्थित टी बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन को पत्र लिखकर दार्जिलिंग में 55,000 स्थाई श्रमिकों और उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका जताई है।

पहले ही मुश्किलों से जूझ रहा है उद्योग, 1990 की तुलना में आधा रह गया है उत्पादन

एसोसिएशन ने पत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के उस परिपत्र का उल्लेख किया गया है जिसमें सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि एलपीजी केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही उपलब्ध कराई जाए। संघ ने आगाह किया कि इस आदेश के कारण चाय बागानों के कारखानों को औद्योगिक एलपीजी उपलब्ध नहीं हो पाएगी जिससे दार्जिलिंग चाय के उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। पत्र में अनुरोध किया गया है कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय से बात कर दार्जिलिंग चाय उद्योग के कारखानों को औद्योगिक एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

संघ ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक में दार्जिलिंग के चाय बागानों ने अपने कारखानों को कोयला आधारित प्रणाली से बदलकर औद्योगिक एलपीजी पर आधारित प्रणाली में परिवर्तित कर लिया है। यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है जब दार्जिलिंग चाय उद्योग पहले ही लंबे समय से उत्पादन संकट से जूझ रहा है। वर्ष 1990 में चाय उत्पादन करीब 1.4 करोड़ किलोग्राम के उच्च स्तर से घटकर 60 लाख किलोग्राम से भी कम रह गया है जबकि 2024 तथा 2025 में उत्पादन ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर दर्ज किया गया।

खाड़ी देशों में ठप हुआ भारतीय सब्जियों का निर्यात किसानों को भारी नुकसान

मुंबई। पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध ने खाड़ी देशों में भारतीय सब्जियों के निर्यात को बुरी तरह बाधित कर दिया है। भारत इन देशों में नींबू, हरी मिर्च, सहजन (मोरिंगा), भिंडी और करेले का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है। निर्यात बंद होने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत ने आठ खाड़ी देशों को लगभग 3.73 लाख टन सब्जियों का निर्यात किया था, जिससे लगभग 1,681 करोड़ रुपये की आय हुई थी। कृषि निर्यातकों का कहना है कि खाड़ी देश भारतीय सब्जियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में हैं क्योंकि वहां बड़ी संख्या में प्रवासी रहते हैं और साल भर ताजी उपज की मांग बनी रहती है।

रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को खुले बाजार की गतिविधियों के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये की नकदी डाली है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने विभिन्न श्रेणियों के बॉन्ड खरीदे, जिसमें 14,491 करोड़ के 7.41% जीएस 2036 बॉन्ड, 13,006 करोड़ के 6.45% जीएस 2029 बॉन्ड और 8,350 करोड़ रुपये के 6.64% जीएस 2035 बॉन्ड प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा 2046, 2034, 2032 और 2039 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियों की भी खरीद की गई। इस समय बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.49 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष नकदी होने का अनुमान है।

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल में फंसा बाजार

डॉलर की मजबूती से पस्त हुए चांदी-सोना, 4% तक गिरे दाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में चार प्रतिशत तक की गिरावट आई। डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता के बीच चांदी गिरकर 2.65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोना फिसलकर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत में 11,000 रुपये यानी 3.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह बृहस्पतिवार के बंद भाव 2,76,500 रुपये प्रति किलोग्राम से गिरकर सभी करों सहित 2,65,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। स्थानीय सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 2,000 रुपये यानी 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई। यह सभी करों सहित 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले सत्र में सोने की कीमत 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

रिकॉर्ड निचला स्तर: रुपया टूटकर 92.30 प्रति डॉलर

मुंबई। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतें 101 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाने के बीच रुपया शुक्रवार को टूटकर 92.30 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.47 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रह गया। एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.885 अरब डॉलर बढ़कर 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, छह मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 9.88 अरब डॉलर घटकर 563.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैरअमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं। स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.61 अरब डॉलर घटकर 130.01 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.72 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 4.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया।

रुपये में गिरावट का असर, मर्सिडीज दो प्रतिशत बढ़ाएगी अपने सभी वाहनों की कीमत

नई दिल्ली। कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया मुद्रा की अस्थिरता और बढ़ती लागत के प्रभाव को कम करने के लिए अप्रैल से अपने वाहन की कीमतों में लगभग दो प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी। शुक्रवार को मर्सिडीज-बेंज इंडिया के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) ब्रेंडन सिसिंग ने कहा, मूल्य वृद्धि का फैसला मुख्य रूप से मुद्रा में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव, खासकर रुपये के यूरो के मुकाबले लगातार कमजोर होने और लागत बढ़ने के कारण लिया गया है। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को ऑडी ने भी घोषणा की थी कि वह बढ़ती लागत और रुपये में उतार-चढ़ाव के आंशिक प्रभाव को कम करने के लिए एक अप्रैल से भारत में अपने सभी मॉडल कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी।

- ऑडी पहले ही कर चुकी है कीमतें बढ़ाने की घोषणा

भारत-अमेरिका में व्यापार समझौते पर बातचीत जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को साफ किया कि भारत और अमेरिका के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत का सिलसिला जारी है। मंत्रालय ने व्यापार समझौते पर द्विपक्षीय बातचीत रुक जाने का दावा करने वाली खबरों को खारिज करते हुए यह बात कही।

- वाणिज्य मंत्रालय ने द्विपक्षीय वार्ता रुकने के दावों को खारिज किया

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हमने अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता के संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट पर गौर किया है। इस बात का खंडन किया जाता है कि द्विपक्षीय बातचीत में कोई ठहराव आया है। दोनों पक्ष व्यापार समझौते के लिए संपर्क में बने हुए हैं। भारत सरकार की यह टिप्पणी इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 11 मार्च को भारत और चीन समेत 16 अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों एवं औद्योगिक प्रथाओं को लक्षित करते हुए धारा 301 के तहत व्यापार जांच शुरू की है। अमेरिकी प्रशासन की तरफ से लगाए गए जवाबी शुल्कों को रद्द करने वाले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की हुई है।

अमेजन इंडिया की हवाई माल ढुलाई सेवा का विस्तार गुवाहाटी-कोलकाता तक

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से अपने समर्पित हवाई मालढुलाई बेड़े 'अमेजन एयर' की सेवाओं का विस्तार गुवाहाटी और कोलकाता तक कर दिया है। अमेजन एयर सेवा की 2023 में शुरुआत के बाद से हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में सेवाएं दे रही थी। नया विस्तार होने से माल भेजने की गति लगभग पांच गुना तक बढ़ने की उम्मीद है।

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में कीं सेवाएं मजबूत, पांच गुना बढ़ेगी माल भेजने की गति

अमेजन के मुताबिक, इस हवाई मालढुलाई सेवा के विस्तार से पूर्वोत्तर के सभी सात राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा में आपूर्ति को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गुवाहाटी के लिए पहली अमेजन एयर उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि गुवाहाटी तक अमेजन एयर सेवाएं शुरू होने से क्षेत्र के विक्रेताओं को देशभर के ग्राहकों से जुड़ने में मदद मिलेगी।

तेल कीमतों में वृद्धि न हुई तो 7.5% रहेगी जीडीपी

नई दिल्ली, एजेंसी

रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान शुक्रवार को मामूली रूप से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया। हालांकि, यह अनुमान इस शर्त पर है कि ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में कोई बड़ी और लंबे समय तक चलने वाली बढ़ोतरी नहीं होगी और तेल की औसत वार्षिक कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर नहीं जाएगी।

- फिच ने अपनी रिपोर्ट में मामूली तौर पर बढ़ाया भारत की वृद्धि का अनुमान

फिच रेटिंग्स ने दिसंबर में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू मांग जीडीपी वृद्धि का सबसे बड़ा कारक रहने वाली है। फिच ने 'ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक- मार्च 2026' रिपोर्ट में वर्ष 2026 के दौरान विश्व की जीडीपी वृद्धि 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। फिच के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन कुल्टन ने कहा, अगर ऐसी स्थिति आती है कि तेल की कीमतें 100 डॉलर तक पहुंच जाएं और वहां पर टिकी रहें, तो यह वैश्विक आपूर्ति के लिए बहुत बड़ा झटका होगा।

भारत के संबंध में फिच ने कहा कि जनवरी और फरवरी में वास्तविक गतिविधियों के धीमे होने के अस्थाई संकेत मिले हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है और ऋण वृद्धि अभी भी दहाई अंकों में है। फिच को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में वृद्धि दर धीमी होगी, क्योंकि बढ़ती मुद्रास्फीति वास्तविक आय को प्रभावित करेगी और उपभोक्ता खर्च की वृद्धि को सीमित करेगी।

चालू वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन 20 करोड़ टन

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 20 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर गया है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि इसमें निजी उपभोग वाली खदानों और वाणिज्यिक कोयला खदानों का योगदान 19.41 करोड़ टन रहा।

बोतलबंद पानी की कीमत में भी होने लगी वृद्धि

मुंबई। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें पॉलीमर की लागत को तेजी से बढ़ा रही हैं जिससे प्लास्टिक बोतल की कीमत बढ़ रही है। अंततः इसका असर बोतलबंद पानी की कीमत पर पड़ रहा है।

पॉलीमर कच्चे तेल से प्राप्त होता है और बोतलबंद पानी के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक की बोतलों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल होता है। एसोसिएशन के अनुसार, प्लास्टिक बोतलों के निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री की कीमत में 50% का उछाल आया है।

तेल बाजार के प्रमुख मानक

ब्रेंट क्रूड बनाम डब्ल्यूटीआई

इन दिनों अमेरिका-ईरान युद्ध ने दुनिया के सामने क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल के कई अहम पहलुओं को रखा है। क्रूड ऑयल का इतिहास 30 करोड़ साल पुराना है। प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले अपरिष्कृत तेल को क्रूड ऑयल कहते हैं। यह काले रंग का गाढ़ा द्रव होता है अर्थात यह एक तरह का डार्क हाइड्रोकार्बन पदार्थ है जो कि विश्व में जमीन और समुद्र के अंदर मिलता है। इस क्रूड ऑयल को निकालने के बाद विभिन्न रिफाइनरियों में मशीनों से परिष्कृत किया जाता है। इसमें पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, नेचुरल गैस, ल्यूब्रिकेंट और वेसलीन आदि प्राप्त होता है। क्रूड ऑयल की इकाई बैरल हैं। एक बैरल 159 लीटर का होता है। दुनिया के बाजार में दो प्रमुख बेंचमार्क हैं। पहला है ब्रेंट क्रूड ऑयल और दूसरा वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई)। वैश्विक तेल कीमतों को समझने में इन दोनों मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

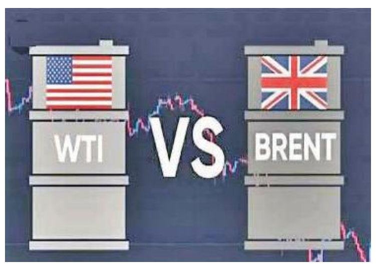

मूल्य निर्धारण

इन दोनों की कीमतों के अंतर को ब्रेंट-डब्ल्यूटीआई स्प्रेड कहा जाता है। यह अंतर वैश्विक मांग-आपूर्ति, उत्पादन बाधाओं और भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण बदलता रहता है।

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में अंतर

- ब्रेंट क्रूड ऑयल को नार्वे और यूनाइटेड किंगडम ब्रिटे के पास नॉर्थ सी से निकाला जाता है जबकि डब्ल्यूटीआई बेंचमार्क वाले तेल को अमेरिकी तेल के कुओं से निकाला जाता है। दोनों को ही कम सल्फर वाला होने से हल्का और स्वीट कहा जाता है। यानी रिफाइनरियों में इनका परिशोधन आसान होता है।
- ब्रेंट क्रूड ऑयल का मूल्य ओपेक द्वारा उपयोग किया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क है, डब्ल्यूटीआई क्रूड मूल्य अमेरिकी तेल की कीमतों के लिए एक बेंचमार्क है। ब्रेंट क्रूड का वायदा कारोबार लंदन में इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज में जबकि डब्ल्यूटीआई का वायदा कारोबार न्यूयॉर्क मर्कैंटाइल एक्सचेंज में किया जाता है।
- दुनिया भर के दो तिहाई क्रूड कॉन्ट्रैक्ट इसी ब्रेंट क्रूड ऑयल बेंचमार्क में तय किए जाते हैं जबकि डब्ल्यूटीआई का व्यापार मुख्य रूप से केवल अमेरिका में किया जाता है। यही इन दोनों में मुख्य फर्क है।

ब्रेंट क्रूड ऑयल क्या है?

ब्रेंट क्रूड ऑयल उत्तरी सागर से निकाले जाने वाले तेल का मिश्रण है, जिसमें ब्रेंट, फोर्टिस, ओसबर्ग और इकोफिस्क जैसे तेल क्षेत्र शामिल होते हैं। ब्रेंट को यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजारों के लिए प्रमुख बेंचमार्क माना जाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी कीमतों को व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

डब्ल्यूटीआई तेल क्या है?

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) अमेरिका में मुख्य रूप से टेक्सास, लुइसियाना और नॉर्थ डकोटा जैसे क्षेत्रों से निकाला जाता है। इसका उपयोग अधिकतर गैसोलीन के उत्पादन में किया जाता है। डब्ल्यूटीआई को अमेरिकी तेल बाजार का प्रमुख बेंचमार्क माना जाता है।

बदलाव | सुरक्षित निवेश की चाहत, एफडी में बदलवा रहे हैं अपनी जमापूंजी

ब्याज दर बढ़ने के बाद बैंक जमा में बढ़ी रिटायर लोगों की हिस्सेदारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार। बैंक जमा के स्वरूप में तेजी से बदलाव आ रहा है। वजह यह है कि बैंक जमा में वरिष्ठ नागरिकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, जबकि कामकाजी युवाओं का झुकाव म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार की ओर बढ़ा है। बरेली में भी निवेश का यही रुझान दिख रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2023 से दिसंबर 2025 के बीच रिटेल बैंक डिपॉजिट में 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत तक पहुंच गई है। वहीं 25 से 60 वर्ष के कामकाजी वर्ग की हिस्सेदारी घटकर करीब 55 प्रतिशत रह गई है। यही बदलाव बरेली में भी हुआ है और बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के फिक्स्ड डिपॉजिट में बढ़ोतरी रिकॉर्ड की गई है। बैंक अधिकारियों के अनुसार बुजुर्गों का एफडी में निवेश ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद बढ़ा है।

युवाओं को म्युचुअल फंड पसंद, कर्ज भी खूब ले रहे

कामकाजी आबादी, खासकर 25- 40 वर्ष के युवा अब एफडी के बजाय शेयरों और म्युचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। मोबाइल एप्स ने जरिये इनमें निवेश सुलभ हो गया है। युवाओं को लगता है कि बैंक डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज महंगाई को मात देने में सक्षम नहीं है। हालांकि इसके साथ वे घर, वाहन और उपभोग संबंधी जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज भी ले रहे हैं।

एसबीआई के सुशील कुमार ने बताया कि जिले में बैंक जमा का बड़ा हिस्सा अभी भी पारंपरिक निवेश के रूप में है। वरिष्ठ नागरिक सुरक्षित निवेश और नियमित ब्याज आय के कारण एफडी को प्राथमिकता देते हैं। वहीं, युवाओं में बेहतर रिटर्न की उम्मीद से म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप के जरिये सिस्टेमेटिक निवेश योजना (एसआईपी) शुरू करना आसान होने से युवा वर्ग बैंक जमा के बजाय म्युचुअल फंड को ज्यादा पसंद कर रहा है। कई युवा एसआईपी के माध्यम से पूंजी बाजार में निवेश कर रहे हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यही रुझान जारी रहा तो आने वाले वर्षों में बैंक डिपॉजिट का बड़ा हिस्सा वरिष्ठ नागरिकों के पास केंद्रित हो सकता है, जबकि युवा वर्ग पूंजी बाजार आधारित निवेश योजनाओं में अधिक सक्रिय रहेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

मध्य तुर्किये में आया 5.5 तीव्रता का भूकंप

अंकारा। मध्य तुर्किये में मध्यम तीव्रता का भूकंप आया। तुर्किये की आपातकालीन सेवा ने यह जानकारी दी। भूकंप के झटकों के बाद कुछ निवासी अपने-अपने घरों से निकल कर सड़कों पर आ गए। हालांकि भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी-एएफएडी के अनुसार, 5.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र तोकात प्रांत के निकसर शहर में 6.4 किलोमीटर की गहराई में था। एएफएडी ने बताया कि भूकंप के झटके बृहस्पतिवार देर रात तीन बजकर 35 मिनट पर आए और कई प्रांतों में महसूस किए गए। तुर्किये भूकंप संभावित क्षेत्रों में आता है और यह प्रमुख 'फॉल्ट लाइन' के शीर्ष पर स्थित है, जहां भूकंप आते रहते हैं।

क्यूबा में विभिन्न जेलों से रिहा होंगे 51 कैदी

हवाना। क्यूबा सरकार ने गुरुवार रात को एक अप्रत्याशित कदम के तहत देश की विभिन्न जेल से 51 लोगों को रिहा करने की घोषणा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आगामी दिनों में की जाने वाली यह रिहाई सद्भावना और वेटिकन के साथ करीबी संबंधों से प्रेरित है। सरकार ने यह नहीं बताया कि वह किन लोगों को रिहा करेगी। उसने सिर्फ इतना कहा कि रिहा किए जाने वाले सभी लोगों ने अपनी सजा का एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है और जेल में उनका आचरण अच्छा था। सरकार ने कहा कि उसने 2010 से अब तक 9,905 कैदियों को क्षमादान दिया है। उसने यह भी कहा कि पिछले तीन वर्ष में कारावास की सजा पाने वाले 10,000 अन्य लोगों को रिहा किया गया है। क्यूबा ने जनवरी 2025 में वेटिकन के साथ बातचीत के बाद 500 से अधिक कैदियों को समय-समय पर रिहा करने के सरकारी फैसले के तहत विपक्ष के प्रमुख नेता जोस डेनियल फेरर को रिहा कर दिया।

श्रीलंका ने 45 ईरानी नाविकों के शव सौंपे

कोलंबो। श्रीलंका ने इस द्वीप देश के तट पर एक ईरानी युद्धपोत पर हुए हमले में मारे गए 45 नाविकों के शव शुक्रवार को ईरान के दूतावास को सौंप दिए। मुख्य मजिस्ट्रेट समीरा डोडंगोडा ने गाले बंदरगाह पुलिस के अनुरोध के बाद 11 मार्च को करापितिया स्थित राष्ट्रीय अस्पताल के निदेशक को यह आदेश दिया। पिछले बुधवार को श्रीलंका ने कहा था कि उसने अमेरिकी पनडुब्बी हमले में द्वीप के दक्षिणी तट पर गाले के पास डूबे ईरानी पोत आईआरआईएस देना से 84 शव बरामद किए हैं।

फर्जी मेडिकल वीजा पर रह रहे दस बांग्लादेशियों को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैध यात्रा दस्तावेज न होने के बावजूद बुल्गारिया के लिए वीजा लेने का कर रहे थे प्रयास

दिल्ली के बाहरी इलाके में एक विशेष सत्यापन अभियान के दौरान फर्जी मेडिकल वीजा का इस्तेमाल करके भारत में अवैध रूप से रह रहे 10 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद दिल्ली में रह रहे थे और भारत में रहने के लिए वैध यात्रा दस्तावेज न होने के बावजूद वे बुल्गारिया के लिए मेडिकल वीजा प्राप्त करने का कथित तौर पर प्रयास कर रहे थे।

पुलिस को विशिष्ट जानकारी मिली थी कि कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी उस क्षेत्र में रह रहे थे। पीरागढ़ी चौक में छह मार्च को उनकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। संदिग्धों ने सत्यापन से बचने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें रोक लिया। पूछताछ करने पर इनमें से कोई भी व्यक्ति वैध पहचान पत्र या यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। बाद में सत्यापन से पता चला कि उनके पासपोर्ट और वीजा की वैध तिथि समाप्त हो चुकी थी, जिससे देश में उनका अवैध रहना सिद्ध हो गया।

इच्छा मृत्यु का अधिकार

भारत के कानूनी इतिहास में 11 मार्च 2026 की तारीख एक मील के पत्थर के रूप में दर्ज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 साल से कोमा में पड़े 32 वर्षीय युवक हरीश राणा को पैसिव यूथेनेशिया यानी निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति देकर एक मिसाल पेश की है। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश 2013 में एक चौथी मंजिल से गिरने के बाद गंभीर दिमागी चोट का शिकार हुए थे और तब से पूरी तरह बिस्तर पर कृत्रिम पोषण के सहारे जीवित थे। उनके माता-पिता ने कोर्ट से अपने बेटे के लिए सम्मानजनक मृत्यु की गुहार लगाई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने मानवीय गरिमा और चिकित्सा विज्ञान की सीमा को ध्यान में रखते हुए फैसला सुनाया। कोर्ट ने माना कि मशीनों के भरोसे दर्दनाक जीवन को जारी रखना व्यक्ति की गरिमा के खिलाफ है।

मानवीय या अमानवीय

अन्य देशों में स्थिति

नीदरलैंड में सक्रिय और निष्क्रिय दोनों प्रकार की इच्छा मृत्यु मान्य है। बेल्जियम में बच्चों तक के लिए कुछ परिस्थितियों में अनुमति है। कनाडा और स्विट्जरलैंड में भी मान्य है।

आवेदन की प्रक्रिया

- लिविंग विल : व्यक्ति स्वस्थ रहते हुए एक 'एडवांस मेडिकल डायरेक्टिव' लिख सकता है कि भविष्य में ऐसी स्थिति आने पर उसे लाइफ सपोर्ट न दिया जाए।
- मेडिकल बोर्ड का गठन : यदि कोई 'लिविंग विल' नहीं है, तो अस्पताल को एक प्राइमरी मेडिकल बोर्ड बनाना होगा, जो मरीज की स्थिति की जांच करेगा।
- सेकेंडरी मेडिकल बोर्ड : इसके बाद जिला कलेक्टर या संबंधित अधिकारी द्वारा एक दूसरा मेडिकल बोर्ड गठित किया जाएगा जो प्राइमरी बोर्ड की रिपोर्ट की पुष्टि करेगा।
- न्यायिक पुष्टि : मजिस्ट्रेट या कोर्ट को रिपोर्ट पर सहमति देनी होती है।

क्या कहता है देश का संविधान

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 कहता है कि किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा।
- ऐतिहासिक बदलाव : 1996 के 'ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य' मामले में कोर्ट ने कहा था कि जीने के अधिकार में मरने का अधिकार शामिल नहीं है।
- नया मोड़ : 2018 में 'कॉमन कॉज बनाम भारत संघ' मामले में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि 'गरिमापूर्ण मृत्यु' अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है।
- पैसिव यूथेनेशिया बनाम एक्टिव यूथेनेशिया : भारत में केवल पैसिव यूथेनेशिया (इलाज या लाइफ सपोर्ट रोककर मौत होने देना) वैध है। एक्टिव यूथेनेशिया (इंजेक्शन या किसी दवा के जरिए जान लेना) अभी भी अपराध है।

अब तक क्यों नहीं लिया था कड़ा निर्णय

- दुरुपयोग का डर : कोर्ट को हमेशा यह डर रहा है कि विरासत या संपत्ति के लालच में परिवार के लोग इस प्रावधान का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अरुणा शानबाग मामला (2011) : इस मामले में कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया को सैद्धांतिक मंजूरी तो दी थी, लेकिन अरुणा के मामले में अनुमति नहीं दी क्योंकि वह खुद सांस ले रही थीं और उन्हें लाइफ सपोर्ट की जरूरत नहीं थी।
- जटिल प्रक्रिया : 2018 के दिशा-निर्देश इतने कठिन थे कि उन्हें लागू करना व्यावहारिक रूप से असंभव था। हालांकि, 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों को थोड़ा सरल बनाया, जिससे अब आवेदन करना आसान हुआ है।

पूर्वोत्तर में स्थायी शांति ले आई भाजपा कांग्रेस ने स्वार्थी हितों को ऊपर रखा

प्रधानमंत्री मोदी ने गुवाहाटी में कहा, पूर्वोत्तर में अब गोली-बम की अवाज बीते दिनों की बात

- कहा-अब शांति एवं विकास का नया अध्याय लिख रहा असम

गुवाहाटी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर में बमों और गोलीबारी की आवाज अब बीते दिनों की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की, जबकि कांग्रेस ने स्वार्थ केंद्रित राजनीतिक हितों के लिए विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

बारिश के कारण यात्रा कार्यक्रम में बाधा आने के बाद गुवाहाटी से डिजिटल माध्यम से असम के कोकराझार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य डबल इंजन सरकार के तहत शांति एवं विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने स्वदेशी लोगों की जमीन घुसपैठियों को सौंपकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का काम किया। उन्होंने कहा, आगामी चुनावों में कांग्रेस को दंडित करें और यह स्पष्ट संदेश दें कि इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। असम विधानसभा की 126 सीट के लिए चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा घुसपैठियों के साथ मिलीभगत करती रही है और उसने राज्य की मूल आबादी को कभी कानूनी रूप से भूमि अधिकार नहीं दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी भूमि घुसपैठियों को सौंप दी, और धुबरी तथा गोलपारा जैसे जिलों में स्थिति गंभीर थी, जिससे कोकराझार की जनसांख्यिकी प्रभावित हुई। प्रधानमंत्री ने कहा, "मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अतिक्रमण मुक्त भूमि के लिए एक बड़ा अभियान चला रहे हैं और भाजपा सरकार ने आदिवासी लोगों को उनके अधिकार सौंप दिए हैं। मैं इस संबंध में सहयोग देने के लिए आदिवासी समुदायों के लोगों का भी आभारी हूं।

मोदी ने कहा कि कोकराझार दशकों से कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है, क्योंकि विपक्षी कांग्रेस ने झूठे वादे किए थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने दिखावे और स्वार्थी हितों के लिए शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन भाजपा ने स्थायी शांति के लिए काम किया और बोडोलैंड का विकास सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बोडोलैंड की पहाड़ियां दशकों तक बंदूकों और बम धमाकों की आवाजों से गूंजती रहीं, लेकिन अब वे दिन बीत चुके हैं, और यह शांति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, इन वर्षों में लोगों ने बहुत कष्ट झेला है और बहुत कुछ खोया है... हमने वे कठिन दिन देखे हैं, लेकिन अब 'खाम' (ढोल) की थाप और सिफोंग (बांसुरी) की मधुर आवाज सुनाई देती है। मोदी ने कहा, जब जनता ने राज्य और केंद्र दोनों से कांग्रेस को सत्ता से हटाया, तभी हम ईमानदारी और निष्ठा से इस क्षेत्र का विकास शुरू कर पाए।

असम के गुवाहाटी में राज्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इस मौके पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य और मुख्यमंत्री हेमंत बिश्व शर्मा भी मौजूद रहे।

कांग्रेस को बताया झूठे वादों की दुकान

राहुल गांधी के नारे मोहब्बत की दुकान का स्पष्ट जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है, और एक झूठ के साथ यह चार और बड़े झूठ उपहार में देती है, क्योंकि उनका कोई भी वादा पूरा करने का इरादा नहीं है। जबकि डबल इंजन सरकार का मॉडल जनता के सामने है और किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के तीव्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार की अपील, रसोई गैस की न करें घबराहट में बुकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कहा-जहां संभव हो सके पीएनजी लें

सरकार ने शुक्रवार को एक बार फिर देशवासियों से अपील की कि वे रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल को लेकर घबराहट में न आएं क्योंकि देश में इनका पर्याप्त भंडार है। साथ ही कहा कि जो लोग अभी सिलेंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं और उनके आसपास पाइप से आपूर्ति की जाने वाली पीएनजी की लाइन है वे शीघ्र इसके कनेक्शन के लिए आवेदन करें। सिलेंडर बुकिंग को लेकर लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा गया है कि वे तेल वितरण कंपनियों की आधिकारिक वेबसाइट से ही सिलेंडर की बुकिंग करें क्योंकि कुछ डिजिटल स्कैमर इस स्थिति का गलत फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

सिलेंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और राज्यों से सिलेंडर आपूर्ति की निगरानी करने को कहा गया है। वैकल्पिक ईंधन के रूप में केरोसिन के इस्तेमाल को बढाने के लिए भी उचित कदम उठाये गये हैं। सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशियाई देशों से उडानों के संचालन में निरंतर सुधार हो रहा है और वहां से अब तक डेढ लाख भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ईरान के नेताओं से लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार रात को ईरान के राष्ट्रपति के साथ फोन पर बातचीत कर वहां की स्थिति और वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बात की है। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने भी अपने ईरानी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय मुदों और ब्रिक्स देशों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की है। सरकार स्थिति पर निरंतर नजर बनाए हुए है और सभी जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं।

देश में रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

पेट्रोलिय मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में रसोई गैस और पेट्रोल डीजल पर्याप्त मात्रा में है। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल डीजल की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हर रोज की औसतन पचास लाख सिलेंडर की बुकिंग की तुलना में हड़बड़ी के कारण अभी 75 लाख सिलेंडर की बुकिंग हो रही है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस तरह की हड़बड़ी न करें और जिन लोगों के आसपास पाइप से आपूर्ति की जाने वाली पीएनजी की लाइन उपलब्ध है वे शीघ्र इसके कनेक्शन के लिए आवेदन करें। उन्होंने कहा कि देश में पीएनजी की कोई कमी नहीं है और 60 लाख परिवार तुरंत पीएनजी पर 'शिफ्ट' हो सकते हैं।

भ्रामक सूचना फैलाने के मामले को नहीं सुनेगी सुप्रीम अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी

- तिरुमला लड्डू विवाद : याचिका में सुप्रीम कोर्ट से की गई थी कार्रवाई करने की मांग

उच्चतम न्यायालय ने तिरुमला लड्डू विवाद के बारे में पोस्टर या सार्वजनिक बयानों के माध्यम से कथित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने संबंधी याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायालय ने चार अक्टूबर 2024 को पांच-सदस्यीय एक स्वतंत्र विशेष जांच दल का गठन किया था, ताकि तिरुपति में लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच की जा सके और करोड़ों लोगों की भावनाओं को शांत किया जा सके।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि अदालत को राजनीतिक युद्धक्षेत्र के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि इस सिलसिले में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आप विशेषज्ञ क्यों बन गए हैं जाइए और अधिकारियों को बता दीजिए। सीजेआई ने कहा कि जांच एजेंसी को जो भी पता चलता है, उसे संबंधित अदालत के सामने रखा जाएगा। पीठ ने यह भी कहा कि यह याचिका कुछ और नहीं, बल्कि उन संदिग्धों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में बचाव पक्ष की दलील को मजबूत करने का एक प्रयास है। हम इस याचिका को सुनने के पक्ष में नहीं हैं, खासकर तब, जब जांच जारी है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई शहरों में रिहायशी इलाकों में किए हवाई हमले

काबुल, एजेंसी

- हमलों में चार लोगों की मौत, इमारतों और बुनियादी ढांचे को हुआ भारी नुकसान

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव एक बार फिर हिंसक मोड़ ले चुका है। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने शुक्रवार तड़के जानकारी दी कि पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में नागरिक ठिकानों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। चार नागरिकों की मौत की भी सूचना है।

सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के अनुसार, पाकिस्तानी बलों ने अफगानिस्तान के कई प्रमुख प्रांतों और शहरों को निशाना बनाया, जिनमें राजधानी काबुल, कंधार और पक्तिया शामिल हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि कुछ स्थानों पर पाकिस्तानी बमवर्षकों ने सीधे तौर पर रिहायशी घरों को निशाना बनाया। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों के मारे जाने की भी सूचना है। हालांकि, कुछ हमले खाली रेगिस्तानी और निर्जन क्षेत्रों में भी हुए हैं। इस सैन्य कार्रवाई में एक बड़ा आर्थिक नुकसान कंधार में हुआ है।

मुजाहिद के अनुसार, पाकिस्तानी वायुसेना ने कंधार अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन 'कम एयर' के एक ईंधन डिपो पर हमला किया, जिससे हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। यह ताजा हमला पिछले कुछ दिनों से जारी सीमा विवाद और हमलों की श्रृंखला का हिस्सा है।

अफगानिस्तान में दो अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की शुक्रवार को पुष्टि की। सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के अनुसार इन दोनों व्यक्तियों को स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। स्थानीय समाचार चैनल टोलो न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में मुजाहिद ने स्पष्ट किया कि इन अमेरिकी नागरिकों की गिरफ्तारी अफगान कानून तोड़ने के कारण हुई है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने दो चूजे जन्में, इनकी संख्या 70 हुई

नई दिल्ली। लुप्तप्राय प्रजाति संरक्षण की सरकार की कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना के तहत ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) ने दो नए चूजों को जन्म दिया है जिससे इन पक्षियों की कुल संख्या बढ़कर 70 पहुंच गई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार की ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना के चौथे वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही इस लुप्तप्राय पक्षी ने इस सप्ताह राजस्थान के संरक्षण प्रजनन केंद्र में दो नए चूजों को जन्म दिया है।

अंबाला में आरडीक्स बरामद बाइक सवार 3 लोग गिरफ्तार

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के बराड़ा क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस ने संदिग्ध विस्फोटक बरामद किया। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। एहतियात के तौर पर बराड़ा रोड को पूरी तरह बंद कर दिया गया है और आसपास के इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने बाइक सवार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके बैग से संदिग्ध विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। मौके पर स्पेशल टास्क फोर्स और बम निरोधक दस्ता पहुंचकर जांच में जुट गए हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण कर पाने में सफल रहेंगे। नए प्रयोग कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को सम्मान मिल सकता है।

तुला — आज अचानक आपके काम बिगड़ सकते हैं। भविष्य को लेकर मन आशंकित रहेगा। सहकर्मियों के प्रति मन में द्वेष पनप सकता है।

वृष — आज अधिकारियों का विश्वास आपके ऊपर कम रहेगा। व्यापार में बड़ी डील की संभावना है। मन में स्वार्थ की भावना न आने दें।

वृश्चिक — आज इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद मिल सकता है।

मिथुन — आज जीवनसाथी की सलाह लेकर निर्णय लेना हितकर होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा चिंतित हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें। माता-पिता की सलाह लेना उत्तम होगा।

कर्क — आज घर में कोई बड़ा आयोजन कर सकते हैं। व्यवसाय में खर्च नियंत्रित रखने का प्रयास करेंगे। पिता के व्यवहार से निराश हो सकते हैं।

मकर — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। सभी कार्य बिना रुकावट के पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

सिंह — आज परिजन आपसे प्रसन्न रहेंगे। धर्म-कर्म पर धन खर्च होगा। बिगड़े हुए संबंधों को सुधारने का प्रयास करें।

कुंभ — आज महत्वपूर्ण कार्य लंबित हो सकते हैं। सरकारी कार्यों में दस्तावेजों के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों से विवाद न करें।

कन्या — आज घरेलू वातावरण सामान्य रहेगा। उधार दिया हुआ धन परेशानी खड़ी कर सकता है। गंभीर विषय पर चिंतन कर सकते हैं।

मीन — आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। पुराने निवेश से आपको लाभ होगा।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 14 मार्च, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 08.10 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 15 मार्च 04.49 तक तत्पश्चात श्रवण।

सुडोकू - 87 का हल

9	3	2	6	7	8	1	5	4
6	7	4	5	3	1	9	8	2
1	8	5	4	9	2	3	7	6
8	5	7	3	2	4	6	1	9
2	9	6	1	5	7	4	3	8
4	1	3	9	8	6	5	2	7
5	2	1	8	6	9	7	4	3
7	4	9	2	1	3	8	6	5
3	6	8	7	4	5	2	9	1

सुडोकू -88

	7				4	2		
	8				5		1	
						6		9
	5			3	2	1		
6								8
		1	7	9			2	
2							6	
	9		1				7	
	6	7					4	

जांच अभियान 597 करोड़ रुपये के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में केंद्रीय एजेंसी की बड़ी कार्रवाई

ईडी ने की पांच शहरों में छापेमारी, 90 बैंक खाते फ्रीज किए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े 597 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला, गुरुग्राम और बेंगलुरु में कुल 19 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान ईडी ने 90 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज कर दिया और डिजिटल व दस्तावेजी रूप में कई अहम सबूत जब्त किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। ईडी के चंडीगढ़ जोनल कार्यालय के अनुसार यह मामला हरियाणा सरकार, नगर निगम चंडीगढ़ और अन्य सरकारी खातों के 597 करोड़ रुपये के गबन से जुड़ा है। यह राशि बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में जमा की जानी थी, लेकिन आरोप है कि संबंधित लोगों ने बिना अनुमति सरकारी धन को दूसरी जगहों पर डायवर्ट कर दिया। तलाशी अभियान में पूर्व बैंक कर्मचारी रिभव ऋषि और अभय कुमार, उनके परिजनों तथा लाभार्थी शेल कंपनियों को शामिल किया गया। जांच के दायरे में स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स, कैपको फिनटेक सर्विसेज, मां वैभव लक्ष्मी इंटीरियर्स और एसआरआर प्लानिंग गुरुस प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां भी आईं। इसके अलावा सावन ज्वेलर्स और रियल एस्टेट डेवलपर विक्रम वाधवा तथा उनकी व्यावसायिक इकाइयों पर भी छापे मारे गए। ईडी ने यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत शुरू की है। यह कार्रवाई हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पंचकूला द्वारा फरवरी 2026 में दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई थी।

सरकारी धन को कई शेल कंपनियों के माध्यम से छिपाने की हुई कोशिश

जांच में हरियाणा के विकास एवं पंचायत विभाग के बैंक खाते में बैलेंस में गड़बड़ी सामने आई थी, जो आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में संचालित थे। ईडी के अनुसार, आरोपियों ने सरकारी धन को कई शेल कंपनियों के माध्यम से घुमाकर छिपाने (लेयरिंग) की कोशिश की। इस पूरे घोटाले में स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक शेल कंपनी के जरिए सबसे पहले बड़ी रकम को डायवर्ट किया गया। इस कंपनी के साझेदार स्वाति सिंगला और अभिषेक सिंगला बताए गए हैं। इसके बाद धन को ज्वेलर्स के बैंक खातों के जरिए आगे भेजा गया, ताकि फर्जी बिलिंग के माध्यम से सोने की खरीद का भ्रम पैदा किया जा सके। ईडी के अनुसार यह घोटाला पिछले एक वर्ष के दौरान पूर्व बैंक कर्मचारियों की मदद से अंजाम दिया गया।

इसरो ने किया क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने क्रायोजेनिक इंजन सीई20 का 22-टन थ्रस्ट क्षमता के साथ सफल परीक्षण किया है। इसरो ने बताया कि क्रायोजेनिक इंजन सीई20 में नोजल प्रोटेक्शन सिस्टम और एक मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का उपयोग करके 10 मार्च को समुद्र तल के स्तर पर सफल परीक्षण किया गया। इससे पहले, एनपीएस का उपयोग करते हुए 19-टन थ्रस्ट क्षमता वाले परीक्षण किए जा रहे थे। सीई20 क्रायोजेनिक इंजन एलवीएम3 प्रक्षेपण वाहन के ऊपरी क्रायोजेनिक चरण को शक्ति प्रदान करता है।

> रोहित शर्मा इस समय सबसे फिट, सबसे तेज और शायद सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं। तर्क के हिसाब से, अगर आप फिट हैं, तो आपको पूरा मैच खेलना चाहिए, न कि सब्स्टिट्यूट होना चाहिए। खासकर तब, जब आप दूसरी पारी में बैटिंग कर रहे हों।
>
> –आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 14 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एआईएफएफ के पूर्व महासचिव कुशल दास का निधन

नई दिल्ली। अनुभवी प्रशासक और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के पूर्व महासचिव कुशल दास का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे है। दास ने भारत में 2017 फीफा अंडर-17 विश्व कप के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2022 में स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने से पहले 12 वर्षों तक एआईएफएफ के महासचिव पद पर कार्य किया। फुटबॉल प्रशासन से 2010 में जुड़ने से पहले दास अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन समूह (आईएमजी) इंडिया में मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। यह जानकारी शाजी प्रभाकरन ने दी।

केकेआर ने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग से करार किया

कोलकाता। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग सत्र से पहले शुक्रवार को जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी से करार करने की घोषणा की। मुजरबानी पाकिस्तान सुपर लीग से हट गए हैं जो इसी समय चलेगी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुजरबानी हाल में खत्म हुए टी20 विश्व कप में 13 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से तीसरे गेंदबाज रहे थे जिससे जिम्बाब्वे सुपर आठ चरण में पहुंचा। केकेआर ने एक बयान में कहा केकेआर ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र के लिए जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी से करार किया है।

सम्राट, सुरुचि टॉप्स कोर समूह में शामिल

नई दिल्ली। उभरते पिस्टल निशानेबाज सम्राट राणा और सुरुचि सिंह, एशियाई स्वर्ण पदक विजेता लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह और विश्व चैंपियन पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें हाल में प्रदर्शन के आकलन के बाद टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के कोर ग्रुप में शामिल किया गया है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बैडमिंटन स्टार एच एस प्रणय, पूर्व एशियाई स्वर्ण पदक विजेता राइफल निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार और पहलवान दीपक पूनिया जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को प्रदर्शन के अपेक्षित मापदंडों को पूरा नहीं कर पाने के कारण कोर समूह से हटा दिया गया है।

पंत ने मुंबई में युवराज के साथ किया अभ्यास

मुंबई। ऋषभ पंत ने पिछले सप्ताह मुंबई में युवराज सिंह के साथ ट्रेनिंग की। यह उनकी आईपीएल 2026 की तैयारियों का हिस्सा था। दोनों ने ब्रेबॉर्न स्टेडियम में लगभग चार दिन बिताए। इस दौरान उन्होंने दिन और रात, दोनों समय बैटिंग सेशन किए और व्हाइट-बॉल क्रिकेट के अलग-अलग तरह के शॉट्स पर अभ्यास किया। 28 साल के पंत का पिछला सीजन कुछ खास नहीं रहा था। इसलिए, इस बार वे अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित करने के लिए बेताब हैं। उनके करीबी एक सूत्र ने बताया युवराज के साथ उनके निजी संबंध काफी अच्छे हैं।

मसूरी में कुलदीप यादव की हुई हल्दी की रस्म

खेल डेस्क

अमृत विचार। चाइनामैन गेंदबाज के नाम से प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेट टीम के अहम खिलाड़ी कुलदीप यादव की देहरादून में हल्दी, मेहंदी की रस्में शुक्रवार को धूमधाम से हुईं। कानपुर का ये खिलाड़ी शनिवार को मसूरी में अपने बचपन की दोस्त वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए खेल जगत के अलावा वीवीआईपी पहुंच रहे हैं। विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को क्रिकेटर रिंकू सिंह और उनकी मंगेतर सपा सांसद प्रिया सरोज शादी में शामिल होने के लिए देहरादून पहुंचे। उनके अलावा यजुवेंद्र चहल, टी दलीप और मोहित शर्मा भी मसूरी पहुंच चुके हैं। वैवाहिक कार्यक्रम लाइब्रेरी बाजार स्थित होटल सेवाय में है। मेहमानों के लिए जेडब्लू मैरियट में कमरे बुक किए गए हैं। विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव, रविंद्र जडेजा, नितेश राणा, सुरेश रैना, मोहम्मद कैफ, रूद्र प्रताप सिंह, जितेश शर्मा भी आज मसूरी पहुंच रहे हैं।

पढ़ाई के मामले में चाइनामैन गेंदबाज से आगे हैं वंशिका

लेफ्ट आर्म रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव और उनकी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में सफलता की मिसाल कायम की है। कुलदीप ने जहां क्रिकेट के मैदान में अपनी पहचान बनाई है, वहीं वंशिका ने पढ़ाई में अपनी छाप छोड़ी है। कुलदीप यादव और वंशिका चड्ढा एक दूसरे को कई सालों से जानते हैं। दोनों के परिवार भी लंबे समय से एक दूसरे से परिचित रहे हैं। समय के साथ दोनों की दोस्ती गहरी होती गई और यही रिश्ता आगे चलकर शादी तक पहुंचा। जून 2025 में दोनों की सगाई हुई और अब दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। कुलदीप यादव का जन्म 14 दिसंबर 1994 को कानपुर में हुआ। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कानपुर में ही की। जानकारी के मुताबिक, कुलदीप ने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। बचपन से ही उनका झुकाव क्रिकेट की तरफ था और इसी वजह से उन्होंने कम उम्र में ही पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे क्रिकेट में करियर बनाने के लिए उन्होंने अपनी ऊर्जा उसी दिशा में लगा दी और आगे चलकर भारतीय टीम के प्रमुख स्पिनर बन गए। कुलदीप यादव की होने वाली पत्नी वंशिका चड्ढा भी उत्तर प्रदेश से ही हैं और वे कानपुर के श्याम नगर इलाके की रहने वाली बताई जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई भारत में पूरी की और इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न गईं. वहां से उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद वे भारत लौट आईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वंशिका चड्ढा फिलहाल एलआईसी में काम कर रही हैं। वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं।

क्रिकेट में भारतीय महिलाओं की भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ी

बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम के अध्ययन में सामने आए तथ्य

नई दिल्ली, एजेंसी

2020 के बाद से 14 राज्यों का लिया गया आंकड़ा

10 हजार से अधिक महिलाओं को किया गया शामिल

15 से 24 वर्ष की हर चार में से एक युवती ने खेल को करियर विकल्प के रूप में विचार किया

10 गुना बढ़कर एक से 10 प्रतिशत हो गई है उत्तर प्रदेश में भागीदारी

'बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम' द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत में महिला क्रिकेट का तेजी से विकास हुआ और 2020 के बाद से 14 राज्यों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है।

इस अध्ययन में 10,000 से अधिक महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि 2020 में क्रिकेट खेलने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत हो गई है। वहीं युवा महिलाओं में यह बढ़ोतरी और भी तेजी से हुई है। इसमें 15 से 24 वर्ष के आयु वर्ग में यह छह प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गया है।

अध्ययन के अनुसार 15 से 24 वर्ष की हर चार में से एक युवती ने खेल को करियर विकल्प के रूप में सोचने पर विचार किया है। हाल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। टीम ने अपना पहला वनडे विश्व कप जीता और लगभग एक दशक में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की द्विपक्षीय टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में हराया। खेल की लोकप्रियता बढ़ाने में इस सफलता का भी योगदान हो सकता है। क्रिकेट ने पारंपरिक खेल कबड्डी को भी काफी बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है जो लंबे समय से भारत के ग्रामीण इलाकों में लोकप्रिय रहा है।

अध्ययन में कहा गया जिन राज्यों में अध्ययन किया गया, उनमें महिलाओं के बीच सबसे अधिक खेले जाने वाले खेल के रूप में क्रिकेट अपनी स्थिति और मजबूत कर चुका है। 2020 में यह कबड्डी से केवल मामूली अंतर से आगे था लेकिन अब क्रिकेट काफी आगे पहुंच गया है। इसके अनुसार अधिकांश क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ी है। सर्वे किए गए राज्यों में से केवल दो को छोड़कर सभी में महिलाओं द्वारा क्रिकेट खेलने की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश में भागीदारी 10 गुना बढ़कर एक से 10 प्रतिशत हो गई है। साथ ही इन राज्यों में क्रिकेट खेलने में महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर भी कम हुआ है। अध्ययन से यह भी पता चला कि तीन पुरुषों के मुकाबले अब एक महिला क्रिकेट खिलाड़ी है जबकि 2020 में यह अनुपात पांच पुरुष और एक महिला का था। करियर के संदर्भ में 15 से 24 वर्ष की 26 प्रतिशत युवतियों ने खेल में करियर बनाने पर विचार किया है जो 2020 में 16 प्रतिशत था। सबसे अधिक प्रतिशत तमिलनाडु (27 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (19 प्रतिशत) और मेघालय (19 प्रतिशत) में दर्ज किया गया। सर्वे में शामिल महिलाओं के बीच बैडमिंटन में भी भागीदारी बढ़ी है, विशेषकर पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में। इसके अनुसार अगर सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का सही समाधान किया जाए तो और अधिक महिलाएं खेलों की ओर आकर्षित हो सकती हैं। जो महिलाएं नहीं खेलतीं, उनमें से 13 प्रतिशत ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बाधा बताया।

अबरार से करार पर राजीव शुक्ला बोले- चिंता की बात नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने ''द हंड्रेड'' नीलामी के दौरान सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदने को ज्यादा अहमियत नहीं दी और शुक्रवार को कहा कि विदेशी लीग में लिया गया फैसला बोर्ड के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

चेन्नई के मीडिया ग्रुप सन ग्रुप के स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स ने बृहस्पतिवार को 'द हंड्रेड' खिलाडियों की नीलामी के दौरान पाकिस्तान के स्पिनर अबरार से करार किया जिससे वह टूर्नामेंट में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर बन गए। शुक्ला ने पीटीआई से कहा यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं है। यह आईपीएल नहीं है। 'द हंड्रेड' या दूसरी विदेशी लीग में क्या होता है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है। ट्रेंट रॉकेट्स के साथ बोली लगाने की होड़ के बाद सनराइजर्स ने अहमद की सेवाएं लेने के लिए लगभग 2.34 करोड़ रुपये दिए। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा। अबरार को खरीदने के बाद सनराइजर्स लीड्स को आलोचना का सामना करना पड़ा और टीम का 'एक्स' अकाउंट कुछ देर के लिए निलंबित कर दिया गया।

सबालेंका सेमीफाइनल में, स्वियाटेक बाहर

कैलिफोर्निया, एजेंसी

इंडियन वेल्स

एरिना सबालेंका ने कनाडाई किशोरी विक्टोरिया मबोको को हराकर इंडियन वेल्स का अपना पहला खिताब जीतने की दौड़ जारी रखी, जबकि दो बार की विजेता इगा स्वियाटेक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

मबोको ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका को शुरुआती सेट में कड़ी टक्कर दी, लेकिन बेलारूस की इस खिलाड़ी ने टाई-ब्रेक में अपना दबदबा बनाया। इसके बाद, दूसरे सेट के पांचवें गेम में उन्होंने 19 वर्षीय मबोको की सर्विस तोड़ते हुए 7-6 (7-0), 6-4 से जीत हासिल की। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, इंडियन वेल्स में दो बार उपविजेता रह चुकीं सबालेंका ने अपनी प्रतिद्वंद्वी की हिम्मत की तारीफ़ की और कहा कि उन्हें कोई शक नहीं है कि मबोको भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगी। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका का सामना प्रतिष्ठित डब्ल्यूटीए 1,000 इवेंट के सेमीफाइनल में 14वीं सीड लिंडा नोस्कोवा से होगा। चेक खिलाड़ी नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफ़ायर तालिया गिब्सन का सफ़र 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर खत्म कर दिया।

2022 और 2024 में इंडियन वेल्स की चैंपियन रहीं स्वियाटेक को यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने तीन सेटों में हरा दिया। अब स्वितोलिना का सामना फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रायबाकिना से होगा। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक, जो अगले हफ़्ते रैंकिंग में रायबाकिना से नीचे खिसक जाएंगी, 6-2, 4-6, 6-4 से हार गईं।

रंकीरेड्डी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था। बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं। रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी। कोच टैन किम हर ने बताया, यह पुरानी चोट है। उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे।

रेसिंग कार बनी धक्का मार

चीन के शंघाई इंटरनेशनल सर्किट में चीनी फॉर्मूला वन ग्रां. प्री. से पहले अभ्यास सत्र के दौरान ब्रिटेन के रेसिंग बुल्स ड्राइवर अरविद लिंडब्लैड की रेसिंग कार बिगड़ गई, उसे गैराज में वापस ढकेला गया। • एजेंसी

पांच भारतीय मुक्केबाजों ने पक्के किए पदक

बैंकॉक, एजेंसी

भारत के पांच मुक्केबाजों ने शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत के बाद विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पोडियम में जगह पक्की कर ली। गुंजन (48 किग्रा), जॉयश्री देवी (54 किग्रा), अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) और राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) की जीत से भारत की पदक की उम्मीदें और मजबूत हुईं। ये सभी सेमीफाइनल में पहुंच गए जिससे देश के लिए टूर्नामेंट में पांच पदक पक्के हो गए।

सुबह के सत्र में गुंजन ने अजरबेजान की गुलर हुसेनोवा पर 5-0 से जीत हासिल की जबकि जॉयश्री देवी ने जापान की यूरा कनेमारू को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में जापान के अकीरा उएकुबो पर 4-1 से जीत दर्ज की।

लावण्या ने हीरो विमेंस प्रो टूर का खिताब जीता

गुरुग्राम। एमेच्योर गोल्फर लावण्या गुप्ता ने शुक्रवार को यहां डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के पांचवें चरण के आखिरी दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

लावण्या ने चौथे दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर एक ओवर 217 का रहा। उन्होंने इस स्कोर की बदौलत दुर्गा नित्तूर (75-70-77) और जैस्मीन शेखर (70-74-78) को पांच शॉट से हराकर प्रतियोगिता जीत ली।

ईरान फुटबॉल टीम बोली- विश्व कप में भाग लेने से कोई नहीं रोक सकता

जेनेवा, एजेंसी

- **अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर किया पलटवार**
- **ट्रंप ने बोले थे- ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा नहीं कर सकता सह-मेजबान अमेरिका**

ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उसे पुरुषों के फीफा विश्व कप से कोई भी बाहर नहीं कर सकता।

टीम ने बृहस्पतिवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट में तंज करते हुए यह भी कहा कि अगर सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती, तो शायद अमेरिका की टीम को ही टूर्नामेंट से बाहर कर देना चाहिए। यह प्रतिक्रिया ट्रंप की उस टिप्पणी के बाद आई, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि सह-मेजबान अमेरिका ईरान के खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मौजूदा युद्ध के बावजूद ईरान की टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनकी जान और सुरक्षा के लिहाज से उनका वहां होना उचित है।

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले अमेरिका में खेलने हैं। फीफा विश्व कप की मेजबानी अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण ईरान की विश्व कप में भागीदारी पर सवाल उठने लगे हैं।

देश के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने इस सप्ताह सरकारी टीवी से कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खेलना संभव नहीं लग रहा। इंस्टाग्राम पर ईरान की टीम की प्रतिक्रिया से स्पष्ट हुआ कि वे टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के इच्छुक है। पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया कि टूर्नामेंट का संचालन फीफा करता है, न कि ट्रंप या अमेरिका।

पोस्ट में कहा गया विश्व कप एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसका संचालन किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि फीफा के द्वारा होता है। निश्चित रूप से कोई भी ईरान की राष्ट्रीय टीम को विश्व कप से बाहर नहीं कर सकता। बाहर वही देश हो सकता है जो केवल मेजबान का दर्जा रखता हो लेकिन इस वैश्विक आयोजन में भाग लेने वाली टीमों को सुरक्षा देने की क्षमता नहीं रखता हो।

टूर्नामेंट कार्यक्रम के अनुसार ईरान को 15 जून को कैलिफोर्निया में न्यूजीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलना है।

प्रेरणा | पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट ने बताया सफलता का राज

मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूं, पदक पर नहीं : प्रीति पाल

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं। प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में।

बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा यह वह मुकाबला है जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहां बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहां मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है, जिसमें आठ देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान। कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ़ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं।

मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही

यूपी की रहने वाली प्रीति ने कहा हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्ड विजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है। आगे की ओर देखते हुए, इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 200मी का इवेंट तीसरे दिन है, और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।